Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 10

खेल — टी-20 के कप्तानी की चर्चा के बीच बोले जहीर- श्रेयस पहले प्लेइंग-11 में जगह तो बनाएं

नए प्लांट पर आग असंभव ; रिफाइनरी जैसे कई मुद्दों पर जमकर गरजे... — देश

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • गुरुवार • 23 अप्रैल 2026 • वर्ष 05 • अंक 62 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

मुख्यमंत्री ने दिल्ली से लौटते ही नीतीश कुमार से की मुलाकात

एजेंसी, पटना । मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बुधवार को दो दिवसीय दिल्ली दौरे से पटना लौट आए है। पटना लौटने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से मुलाकात की। नीतीश कुमार ने सम्राट का गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों की इस मुलाकात को बेहद खास माना जा रहा है। इसका बड़ा कारण बिहार मंत्रिमंडल का विस्तार है जिस पर सबकी नजर टिकी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को दिल्ली का दौरा किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और संगठनात्मक स्तर पर भी सक्रिय रहे। मंगलवार को उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा समेत कई नेताओं से बातचीत की। वहीं, दिल्ली में उन्होंने आरएसएस मुख्यालय का भी दौरा किया। जानकारी के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी उनकी दो बार मुलाकात हुई, जिसमें बिहार के राजनीतिक हालात और मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा हुई।

पटना में पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़, एक आरोपी घायल

एजेंसी, पटना । पटना में बीती रात पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस के द्वारा जबाबी कार्रवाई में अपराधी के पैर में गोली लगी है। बताया जा रहा है कि घायल अपराधी पटना में ज्वेलरी शॉप में हुई लूटकांड का आरोपी है। घायलावस्था में उसे एम्स में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घायल आरोपी की पहचान दिलीप कुमार के रूप में हुई है। पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि दिनांक 19 अप्रैल 2026 को रामकृष्णा नगर थानांतर्गत स्थित एक ज्वैलरी दुकान में दो मोटरसाइकिल पर सवार पांच अज्ञात अपराधियों द्वारा हथियार का भय दिखाकर डकैती की घटना कारित की गई थी। उक्त घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (पूर्वी)के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। गठित टीम द्वारा तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त अभियुक्त उदित कुमार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ के क्रम में अन्य संलिप्त अभियुक्तों की पहचान हुई।

पूर्वी सिंहभूम में स्वर्णरेखा नदी के किनारे मिले सिलेंडर को सेना ने किया निष्क्रिय

एजेंसी, पूर्वी सिंहभूम । पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत पानीपोड़ा गांव के पास स्वर्णरेखा नदी किनारे मिले एक खतरनाक सिलेंडर बम को सेना की बम निरोधक टीम ने बुधवार सुबह सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया। बम मिलने के बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया था और सुरक्षा के मद्देनजर करीब एक किलोमीटर के दायरे को पूरी तरह सील कर दिया गया था। आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई थी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। सेना की विशेषज्ञ टीम ने बेहद सावधानी और तकनीकी दक्षता के साथ ऑपरेशन को अंजाम दिया। बम को निष्क्रिय करने के लिए पहले लगभग 10 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया, जिसमें बम को रखकर नियंत्रित विस्फोट किया गया। इस दौरान तेज धमाका हुआ और करीब 50 फीट तक धुएं का गुबार उठता देखा गया। राहत की बात यह रही कि पूरी प्रक्रिया नियंत्रित रही और किसी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई। दरअसल, यह संदिग्ध वस्तु 15 अप्रैल को उस समय सामने आई थी जब स्थानीय मछुआरे नदी में जाल डाल रहे थे। जाल में फंसी भारी वस्तु को जब किनारे लाया गया तो उसके स्वरूप को देखकर उन्हें शक हुआ।

हर योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं : हेमंत सोरेन

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मतदाता सूची पुनरीक्षण (SIR) और आगामी जनगणना को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में 12 जिलों के पदाधिकारियों, सांसदों और विधायकों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक संगठन को सशक्त बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छूटे। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए एक अनिवार्य कदम बताया।बैठक के दौरान झामुमो ने भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि SIR की आड़ में आदिवासी, मूलवासी, पिछड़ों और वंचितों के मताधिकार छीनने का षड़यंत्र रचा जा रहा है। पार्टी नेताओं ने आशंका जताई कि इसके माध्यम से राशन कार्ड और पेंशन जैसे अधिकारों से भी जनता को वंचित करने की कोशिश की जा सकती है। बिहार

और बंगाल के उदाहरणों का हवाला देते हुए हेमंत सोरेन ने कार्यकर्ताओं को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने और नगर व महानगर कमेटियों को अधिक धारदार बनाने पर बल दिया। महासचिव विनोद कुमार पांडेय द्वारा संचालित इस बैठक में पार्टी ने एकजुट होकर जनहित और सांगठनिक मजबूती का संकल्प दोहराया।बैठक में रांची, धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, हज़ारीबाग, रामगढ, कोडरमा, चतरा, पलामू, गढ़वा, लातेहार एवं पूर्वी सिंहभूम जिला समिति के चुनिंदा पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान झामुमो उपाध्यक्ष मथुरा प्रसाद महतो, बैद्यनाथ राम, महासचिव विनोद कुमार पांडेय, फागु बेसरा, सुप्रियो भट्टाचार्य, सचिव नन्द किशोर मेहता, अभिषेक प्रसाद 'पिंटू', प्रवक्ता योगेंद्र प्रसाद, कल्पना सोरेन, मंगल कालिंदी, विकास मुंडा, समीर मोहंती, श्री उमाकांत रजक, अनंत प्रताप देव, सोमेश चंद्र सोरेन, कुणाल षाड़ंगी सहित कई गणमान्य पदाधिकारी एवं नेता गण उपस्थित हुए।

सत्ता में आने पर आर्थिक पुनरुद्धार और औद्योगिक विकास पहली प्राथमिकता होगीः अमित शाह

एजेंसी, कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव इस बार केवल भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान नहीं बल्कि अवैध घुसपैठ, भ्रष्टाचार और महिलाओं के खिलाफ अपराध के विरुद्ध जनमत है। उत्तर 24 परगना जिले के दमदम (उत्तर) विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि 29 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान में मतदाता जब इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन का बटन दबाएंगे, तो वह केवल भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवारों को जिताने के लिए नहीं होगा, बल्कि अवैध घुसपैठ, भ्रष्टाचार और महिलाओं पर अत्याचार के खिलाफ मतदान होगा। अमित शाह ने अपने भाषण में कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के प्रभाव में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी अप्रासंगिक बयान देने लगे हैं। शाह ने दावा किया कि असम में कांग्रेस को अब तक का सबसे खराब परिणाम मिलेगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस खाता खोल सकती है लेकिन

तमिलनाडु और पुडुचेरी में वह दोहरे अंक तक नहीं पहुंचेगी। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी ने अवैध घुसपैठियों को शरण देने के लिए कोलकाता को झुग्गियों का शहर बना दिया है। शाह ने कहा कि संदेशखाली समेत राज्य के कई इलाकों में महिलाएं अवैध घुसपैठियों से परेशान हैं, लेकिन महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता बनर्जी चुप हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे कई घुसपैठिए आज तृणमूल कांग्रेस के नेता बन चुके हैं। अमित शाह ने कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो नई सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में आर्थिक पुनरुद्धार और औद्योगिक विकास होगा। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल कभी देश का औद्योगिक केंद्र था लेकिन अब उद्योग एक-एक कर बंद हो रहे हैं या अन्य राज्यों में जा रहे हैं।

जदयू की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान, संजय झा फिर बने कार्यकारी अध्यक्ष

एजेंसी, पटना

बिहार की प्रमुख राजनीतिक पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू)) ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव किए गए हैं। इस फेरबदल को आगामी चुनावों के मद्देनज़र महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जदयू की नई टीम में संजय झा को एक बार फिर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, जहानाबाद के पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। गोपालगंज से सांसद आलोक कुमार सुमन को पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी ने संगठन विस्तार के तहत इस बार 12 नेताओं को राष्ट्रीय महासचिव और 8 नेताओं को सचिव बनाया है। महासचिव बनाए गए नेताओं में मनीष कुमार वर्मा, आफाक अहमद खान, श्याम रजक, अशोक चौधरी, रोशन सिंह कुशवाहा, राम सेवक सिंह, कविता देवी, कपिल हंसदेव पटेल, राज सिंह मान, सुनील कुमार उर्फ इंजीनियर सुनील, हर्षवर्धन सिंह और मौलाना गुलाम रसूल बलियावी शामिल हैं। इसके अलावा राजीव रंजन प्रसाद को प्रवक्ता सह सचिव बनाया गया है। अन्य सचिवों में रवींद्र प्रसाद सिंह, विद्या सागर निषाद, दयानंद राय, संजय कुमार, मोहम्मद निसार, रूबी नागवंश और निवेदिता कुमारी (कटिहार) को जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी का मानना है कि इस नए संगठनात्मक ढांचे से जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत होगी और चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। यह फेरबदल खास तौर पर आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर किया गया है।

मुजफ्फरपुर में अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह का पर्दाफाश, यूपी-बिहार से 4 आरोपित गिरफ्तार

▪ विदेशी नेटवर्क से जुड़े तार

एजेंसी, मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो आम भारतीय नागरिकों की अत्यंत संवेदनशील और व्यक्तिगत जानकारी विदेशी अपराधियों को बेच रहा था। इस अभियान में पुलिस ने उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जिलों से कुल चार मुख्य साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों, फर्जी एपीआई और टेलीग्राम बॉट्स का सहारा लेकर देश की सुरक्षा और नागरिकों की गोपनीयता के साथ खिलवाड़ कर रहा था। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, बिहार स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और पुलिस ने इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। यह पूरा ऑपरेशन 21 अप्रैल, 2026 को एक केंद्रीय जांच एजेंसी से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किया गया था। वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कांतेश कुमार मिश्रा को सूचना मिली थी कि अहियापुर थाना क्षेत्र का रहने वाला रिषभ कुमार अपने घर से ही एक अवैध डेटा एक्सचेंज चला रहा है। मामले की गंभीरता

और अंतरराष्ट्रीय संलिप्तता को देखते हुए तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में साइबर थाना, जिला आसूचना इकाई और बिहार एसटीएफ के तेजतर्रार अधिकारियों को शामिल किया गया। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी के नेतृत्व और साइबर डीएसपी हिमांशु कुमार की अगुवाई में टीम ने रिषभ कुमार के ठिकाने पर छापेमारी कर उसे धर दबोचा। रिषभ की निशानदेही पर पुलिस ने उसके तीन अन्य सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया, जो इस नेटवर्क की अलग-अलग कड़ियों को संभाल रहे थे। मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने इस बाबत बुधवार को बताया कि केंद्रीय एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। आरोपितों के फोन में विदेशी साइबर गिरोहों के साथ की गई चैटिंग के पुख्ता सबूत मिले हैं। शुरुआती जांच में विशेष रूप से बांग्लादेश के साइबर अपराधियों के साथ सक्रिय जुड़ाव के साक्ष्य मिले हैं।

राहुल गांधी मानहानि मामलाः दोनों पक्ष में हुई बहस ,फैसला सुरक्षित, अगली तारीख दो मई

एजेंसी, सुलतानपुर । उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले में बुधवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान दोनों पक्षों के वकीलों के बीच दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 311 से जुड़े एक आवेदन पर विस्तार से बहस हुई। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है और अगली सुनवाई के लिए 2 मई की तारीख तय की है। श्री गाँधी के अधिवक्ता काशी शुक्ला ने बुधवार को बताया कि आज दोनों पक्षों के वकीलों के बीच दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 311 से जुड़े एक आवेदन पर विस्तार से बहस हुई। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है और अगली सुनवाई के लिए 2 मई की तारीख तय की है।

दोषी के वारिसों को अपील जारी रखने का हक तो पीडित के वारिसों को क्यों नहीं-हाईकोर्ट

एजेंसी, जयपुर

राजस्थान उच्च न्यायालय ने कहा है कि आपराधिक मामलों में पक्षकारों की मृत्यु के बाद दोषी के वारिस को अपील जारी रखने का हक तो पीडित के वारिसों को इस हक से महरूम क्यों किया गया है। अदालत ने इसे संविधान के विपरीत और भेदभावपूर्ण मानते हुए कानूनी प्रावधानों में संशोधन की आवश्यकता जताई है। अदालत ने कहा कि विधायिका इस बारे में संशोधन पर विचार करे। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश शिमला शर्मा की मौत के बाद उसके उत्तराधिकारियों की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि मृत्यु के बाद अपील जारी रखने के संबंध में दोनों पक्षों

को समान अधिकार मिलना चाहिए। अभी पीड़ित की मौत के बाद उसके वारिसों को अपील जारी रखने का अधिकार नहीं है। विधायिका दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 394 में संशोधन पर विचार करे, ताकि आरोपित पक्ष की तरह ही मृतक पीड़ित के कानूनी वारिसों को भी अपील जारी रखने या अपील दायर करने का अधिकार मिल सके। इसके साथ ही अदालत ने आदेश की कॉपी विधि आयोग को भी भेजी है। अदालत ने विधि आयोग से सीआरपीसी में पीड़ित के परिवार को अधिकार देने के लिए संशोधन के बारे में विधायिका को सुझाव देने को कहा गया है।

मामले के अनुसार शिमला शर्मा ने कानोता थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसके दादा गोविन्द नारायण की 1 बीघा 5 बिस्वा जमीन थी और उनकी कोई संतान नहीं होने के कारण मृत्यु के बाद शिकायतकर्ता के पिता भन्नालाल शर्मा उनके उत्तराधिकारी बने। वहीं विरोधी पक्ष ने सरपंच से मिलकर राजस्व रिकॉर्ड में जमीन अपने नाम दर्ज करवा ली। इस मामले में दिसम्बर 2012 में अदालत की ओर से विरोधी पक्ष को बरी कर दिया गया।

नेपाल में 100 रुपए से अधिक के सामान खरीद पर लगाए जा रहे कस्टम ड्यूटी हटाने का निर्देश

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल की संसद के उच्च सदन राष्ट्रीय सभा की विकास, आर्थिक मामलों तथा सुशासन समिति ने भारतीय सीमा क्षेत्रों में आम लोगों को हो रही परेशानी को तत्काल रोकने के लिए सरकार को निर्देश दिया है। भारत से लाए जाने वाले 100 रुपये से अधिक मूल्य के घरेलू सामान पर भी कस्टम ड्यूटी लगाने का नियम लागू कर जनता को परेशान किए जाने का आरोप लगाते हुए समिति ने बुधवार को इस व्यवस्था को तुरंत रोकने का निर्देश दिया।

समिति के सभापति कृष्ण प्रसाद पौडेल ने कहा कि सरकार सीमा क्षेत्र के नागरिकों की दैनिक जरूरतों और बुनियादी आवश्यकताओं की अनदेखी करते हुए कस्टम ड्यूटी की व्यवस्था को सख्त बना रही है। उन्होंने कहा, "जनप्रतिनिधि होने के नाते हमें जनता की रोजमर्रा की जरूरतों और समस्याओं को देखना चाहिए। सीमा क्षेत्र के नागरिक अपनी आजीविका चलाने के लिए भारत से कुछ सस्ते सामान लाकर गुजारा करते हैं। लेकिन सरकार ने 100 रुपये से अधिक के सामान पर भी कस्टम शुल्क अनिवार्य कर उनकी बुनियादी जरूरतों और जीवनयापन को नजरअंदाज किया है।" समिति की बैठक में सदस्यों ने सीमा क्षेत्रों में उत्पन्न इस समस्या पर गंभीर ध्यान आकर्षित कराया। सांसदों के सुझाव और राय के आधार पर समिति ने सरकार से इस अव्यावहारिक निर्णय को वापस लेने और सीमा क्षेत्र के लोगों को कस्टम के नाम पर दी जा रही परेशानी को तत्काल रोकने का निर्देश देने का निर्णय लिया है।

आई-पैक रेड मामलाः सुप्रीम कोर्ट की ममता बनर्जी पर सख्त टिप्पणी, कहा- जांच में हस्तक्षेप लोकतंत्र के लिए खतरा

एजेंसी, नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने आई-पैक के दफ्तर में रेड मामले पर सुनवाई करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री ही जांच में हस्तक्षेप करे, तो यह लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि मुख्यमंत्री इस तरह लोकतंत्र को नुकसान नहीं पहुंचा सकती हैं। कोर्ट ने कहा कि ये सिर्फ दो सरकारों के बीच की लड़ाई नहीं है। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की उस दलील को भी खारिज कर दिया कि इस मामले को केवल अनुच्छेद 131

के तहत अंतर-सरकारी विवाद के रुप में देखा जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि यह मामला मूल रुप से राज्य और केंद्र का विवाद है। ऐसे में अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर करने के बजाय संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत मुकदमा दायर किया जाना चाहिए। इसके पहले की सुनवाई में कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार से पूछा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच एजेंसी है, तो क्या इसके अफसरों को कोई मौलिक अधिकार नहीं हैं। सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने ईडी की याचिका की कानूनी वैधता पर सवाल उठाया था और कहा था कि ये याचिका एक डिप्टी डायरेक्टर के जरिये दायर की गई है, जो घटना के समय मौके पर मौजूद ही नहीं थे। सिब्बल ने याचिका के सुनवाई योग्य होने पर सवाल उठाया था। सिब्बल ने कहा था कि ये मामला मौलिक अधिकारों से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है, लेकिन याचिकाकर्ता खुद पीड़ित नहीं है। उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति मौके पर था ही नहीं, वह दूसरों के मौलिक अधिकारों का मुद्दा कैसे उठा सकता है। तब कोर्ट ने कहा कि मौलिक अधिकार सिर्फ व्यक्ति तक सीमित नहीं है। इस मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्चतम न्यायालय से ईडी की याचिका खारिज करने की मांग की है। राज्य सरकार की ओर से दाखिल हलफनामा में कहा गया है कि जब इसी तरह की याचिका कलकत्ता उच्च न्यायालय में लंबित है, तो समानांतर कार्रवाई नहीं हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

चतरा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 16 लाख का अफीम जब्त, तस्कर गिरफ्तार

चतरा, एजेंसी। झारखंड के चतरा जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। कुंदा थाना क्षेत्र के टिटही भरगांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए भारी मात्रा में गीला अफीम बरामद किया है। इस कार्रवाई में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जो अपने घर से ही नशे का अवैध कारोबार संचालित कर रहा था। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक अनिमेश नैथानी ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि टिटही भरगांव निवासी नंदकिशोर गंझू अपने घर में अवैध अफीम छिपाकर रखे हुए है और इसे बाहर सप्लाई करने की तैयारी में है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया, नागरगोजे शुभम भाऊ साहब के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के घर पर छापा मारा और पूरे परिसर की सघन तलाशी ली। छापेमारी के दौरान पुलिस को घर से 3 किलो 264 ग्राम गीला अफीम बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से ही आरोपी नंदकिशोर गंझू को गिरफ्तार कर लिया। बरामद अफीम को जब्त कर लिया गया है और आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस कार्रवाई में कुंदा थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह, एसआई नागेश्वर पंडित समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

चांडिल में सड़क हादसा, कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

चांडिल , एजेंसी। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के चौका थाना क्षेत्र अंतर्गत टाटा-रांची मार्ग एनएच-33 पर मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। पुरानडीह गांव के समीप तेज रफ्तार अज्ञात कार ने साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही हालत गंभीर हो गई। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। हादसे में जान गंवाने वाले व्यक्ति की पहचान पुरानडीह निवासी 50 वर्षीय पसीन्द्र महतो के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने इस हादसे को बेहद दुखद और हृदयविदारक बताया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पसीन्द्र महतो ईचागढ़ के पहाड़मुड़ी गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात वे साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पुरानडीह गांव के पास रांची से टाटा की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। सड़क पर अचानक हुई इस टक्कर से वे बुरी तरह घायल होकर गिर पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि पसीन्द्र महतो दूर जा गिरे। हादसे के तुरंत बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घटना देख तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल की मदद की और चौका थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। स्थानीय लोगों की तत्परता के बावजूद स्थिति गंभीर बनी रही। सूचना मिलते ही चौका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की। हालांकि, रास्ते में ही पसीन्द्र महतो ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया है।

जामताड़ा के नारायणपुर में दो सड़क हादसे: एक युवक की मौत, कई घायल

जामताड़ा, एजेंसी। झारखंड के जामताड़ा जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं ने इलाके को झकझोर दिया है। इन हादसों में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे हादसे में कई लोग घायल हो गए। पुलिस दोनों ही मामलों की जांच में जुट गई है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पहली घटना मंगलवार देर रात भागाबांध गांव के समीप हुई। जानकारी के अनुसार करमोई गांव निवासी 17 वर्षीय किशोर मुर्मू अपने रिश्तेदार के घर से बाइक से वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी। दूसरी घटना बुधवार सुबह करीब 8 बजे गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य सड़क पर बरियापुरा गांव के समीप हुई। यहां एक बाइक और ऑटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में जामताड़ा थाना क्षेत्र निवासी 31 वर्षीय बाइक चालक शिशु लाल हेंब्रम गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं ऑटो में सवार रंजीत दास, आर्यन दास और फूलकुमारी दास भी घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। पोस्ता पंचायत के मुखिया वीरेंद्र प्रताप हेमब्रम, दिघारी के मुखिया बबलू किस्कू समेत अन्य लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणपुर पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल शिशु लाल हेंब्रम को बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया।

पृथ्वी दिवस: युद्ध के कारण बढ़ रहा तापमान

वृक्ष लगाने के लिए पलामू के कौशल किशोर जायसवाल चला रहे अभियान

पलामू, एजेंसी। युद्ध और प्रदूषण के कारण पृथ्वी का तापमान बढ़ता जा रहा है। आज दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के कगार पर और पर्यावरण की चिंता सताने लगी है। भारत के कई इलाके में तापमान तेजी से बढ़ रहे हैं और लोगों को पर्यावरण की चिंता सताने लगी है। 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस है। इस बार पृथ्वी दिवस का थीम हमारी शक्ति हमारा ग्रह रखा गया है।

कौशल किशोर जायसवाल बताते हैं कि पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। हम पर्यावरण का दोहन कर रहे हैं और विकास के रूप में मानवीय भूल कर रहे हैं। ओजोन की परत कमजोर होते जा रही है। सूर्य की किरण धरती से टकराने के बाद वापस लौट जाती थी लेकिन अब हवा में इतना प्रदूषण हो गया है कि वह वापस नहीं लौट पाती है।

आज विश्व तीसरे युद्ध के कगार पर खड़ा है, युद्ध में बम और विस्फोटों का इस्तेमाल हो रहा है, जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। वर्तमान हालात में जो युद्ध हो रहे हैं वह तापमान बढ़ने का सबसे बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। 190 देश आज पृथ्वी दिवस मना रहे हैं। 70 के दशक में सबसे पहले इसकी शुरुआत अमेरिका से हुई थी।

कौशल किशोर जायसवाल का कहना है कि पृथ्वी और पर्यावरण को बचाने के लिए पौधे लगाना जरूरी है। पर्यावरण धर्म का भी पालन करना होगा। गांव में पौधे और शहर में आकाश बाग लगाना होगा। उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाने से कई फायदे हैं। पेड़ों से नगद आमदनी भी होगी और पर्यावरण भी बच पाएगा।

शहरों में आकाश बाग छतों के ऊपर लगाया जा सकता है, जिससे पर्यावरण को फायदा होगा। 70 के दशक से मैं लगातार लोगों से पर्यावरण की बढ़ाने की अपील कर रहे हैं और लोगों को पौधे लगाने के बारे में जानकारी भी दे रहे हैं। कौशल किशोर जायसवाल बताते हैं कि इस बार के पृथ्वी दिवस पर ठोस कदम उठाने की बातें हो रही है। हालात विस्फोटक होने से पहले ठोस कदम उठाना होगा, ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके।

कौशल किशोर जायसवाल पलामू के छतरपुर के डाली के रहने वाले हैं। 1966 के काल के दौरान अपने माता-पिता से पर्यावरण को बचाने के लिए उन्हें प्रेरणा मिली थी। 1977 में कौशल किशोर जायसवाल ने वनराखी मूवमेंट की शुरुआत की थी। कौशल किशोर जायसवाल ने उस दौरान पेड़ों को राखी बांधने के अभियान चलाया था जो आज भी जारी है। अब तक 32 लाख पेड़ों को वह राखी बांध चुके हैं। कौशल किशोर विश्व के कई देशों का दौरा कर चुके हैं और 52 लाख से अधिक पौधों का वितरण कर चुके हैं। कौशल किशोर जायसवाल को सीबीएसई ने अपने पाठयक्रम में भी शामिल किया है।

गिरिडीह में झारखंड बिजली वितरण निगम के गोदाम में लगी आग, एक लाख से अधिक की संपत्ति जलकर राख

गिरिडीह, एजेंसी। झारखंड के गिरिडीह शहर के स्टेशन रोड स्थित मोदी धर्मशाला के बगल में स्थित झारखंड बिजली वितरण निगम कार्यालय के गोदाम में आज सुबह अचानक आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और चारों ओर धुएं का गुबार फैल गया। इस घटना से एक लाख से अधिक की संपत्ति जलकर राख हो गई।

आग की लपटें और तेज धुंआ निकलने के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने में जुट गए। इधर आग की लपटों की चपेट में आकर मौके पर स्थित दो झोपड़ीनुमा दुकान भी जलकर खाक हो गया।

जब स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी तो उधर से जवाब आया कि अभी दोनों गाड़ियां निकली हुई हैं। आने के बाद भेजते हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेने के बाद आग बुझाने में जुट गई।

आग लगने के बाद पास में मोदी धर्मशाला में आग बुझाने के लिए किसी तरह का कोई संसाधन मौजूद नहीं रहने की वजह से कई तरह की चर्चाएं होने लगी। मोदी धर्मशाला बिजली वितरण निगम कार्यालय से सटा हुआ है, ऐसे में अगर आग की लपटें धर्मशाला तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

गुमला के बसिया में बालू के धंधेबाजों पर कार्रवाई, अवैध भंडारण मामले में 10 पर नामजद केस

गुमला, एजेंसी। झारखंड के गुमला जिला के अंतर्गत बसिया थाना क्षेत्र में अवैध बालू भंडारण के खिलाफ हुई कार्रवाई के बाद अब इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जिला खनन विभाग की शिकायत के आधार पर पुलिस ने 10 लोगों को नामजद आरोपी बनाते हुए कांड दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, 17 अप्रैल 2026 को जिला टास्क फोर्स द्वारा बसिया अंचल के मौजा बोगालोया सहित आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी कर करीब 30,000 घनफीट अवैध बालू जब्त किया गया था। इस मामले में जांच के बाद संलिप्त लोगों की पहचान करते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई है। नामजद आरोपियों में पार्थ सिंह, ईश्वर गोप, अजीत इंदवार, सोमरा उरांव, कुलदीप उरांव, बैजनाथ गोप, धरमा बड़िया, राजेंद्र गोप, कारू सिंह और जबर खान शामिल हैं। सभी आरोपी गुमला जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रों के निवासी बताए जा रहे हैं।

खनन विभाग के अनुसार, संबंधित स्थल पर बिना किसी वैध पट्टा या अनुज्ञप्ति के बालू का उत्खनन, परिवहन और भंडारण किया जा रहा था। जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा था। यह काम खनन एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4 और 21 सहित झारखंड लघु खनिज नियमावली 2004 और झारखंड मिनरल्स (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) नियम 2017 का उल्लंघन है। बसिया थाना में दर्ज इस कांड की जांच सब-इंस्पेक्टर संगम कुमार को सौंपी गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बंगाल में चुनाव, झारखंड में हलचल: सीमावर्ती इलाकों में चर्चा और कयासों का दौर जारी

पाकुड़ः, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में इस बार दो चरण 23 एवं 28 अप्रैल को मतदान है। झारखंड और बंगाल से सटे सीमावर्ती इलाकों के लोगों में इस बात को लेकर उत्सुकता बढ़ गयी है कि इस बार किसकी सरकार बनेगी। क्या ममता बनर्जी की सत्ता बनी रहेगी या कोई और सत्ता में आएगा

ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की पहली महिला मुख्यमंत्री हैं जो लगातार तीन बार सीएम बनी हैं। पहली बार 2011 में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, दूसरी बार 2016 में शपथ ली और 5 मई 2021 को लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

ममता बनर्जी लगातार तीन बार से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं, इसी को लेकर लोगों में उत्सुकता है कि क्या वह चौथी बार भी सीएम बनेंगी। इस चुनाव को लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ने का कारण भी है क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों का अधिकांश कारोबार पश्चिम बंगाल से होता है, साथ ही उनके रिश्तेदार भी रहते हैं। यहां के लोगों का कहना है कि बंगाल में चाहे लोकसभा, विधानसभा हो या नगर निकाय या फिर पंचायत चुनाव हो, लोग बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। चुनाव को लेकर कुछ स्थानों पर घटनाएं भी हुई थीं। इस बार हो रहे विधानसभा चुनाव में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष कराने के लिए चुनाव आयोग ने भारी संख्या में केंद्रीय बलों की प्रतिनियुक्ति की है। भारतीय जनता पार्टी के लिए देश के प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के अलावा कई केंद्रीय मंत्री, अन्य भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, बड़े-बड़े नेता कई दिनों से कैंप लगाए हुए हैं, जिस कारण चुनाव दिलचस्प हो गया है।

पश्चिम बंगाल के मतदाता इस बार टीएमसी और भाजपा के बीच बराबरी का मुकाबला बता रहे हैं और खुलकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। वहीं झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोग भी इसी तरह का अंदेशा लगा रहे हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह और उमंग देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में पढ़ाई, नौकरी या मजदूरी करने वाले मतदाता भारी तादाद में मतदान के लिए पश्चिम बंगाल लौटना शुरू कर दिए हैं। इस बीच, बॉर्डर इलाकों में, झारखंड और पश्चिम बंगाल प्रशासन ने चेक पॉइंट चालू कर दिए हैं। गाड़ियों की कड़ी जांच की जा रही है और संदिग्ध लोगों पर कड़ी नजर है। सभी चेकनाकों पर राज्य पुलिस के अलावा केंद्रीय बलों की भी तैनाती की गई है।

आधी आबादी को देकर रहेंगे अधिकार ! केंद्रीय मंत्री संजय सेठ बोले - बिल गिरने पर परिवारवादी दलों ने मनाया जश्न

पलामू, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि आधी आबादी को उनका अधिकार देकर रहेंगे। नरेंद्र मोदी की सरकार ने हर वादे को पूरा किया है। इस वादे को भी पूरा करेंगे। दरअसल, संजय सेठ मंगलवार को पलामू दौरे पर थे और उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

उन्होंने कहा कि 2023 महिला आरक्षण के दौरान क्लाउज जोड़ा गया था कि पहले जनगणना होगी, उसके बाद डिलिमिटेशन होगा। उसके बाद आरक्षण दिया जाएगा। सबको पता है कि 2026 तक डिलिमिटेशन बैन था। जनगणना डिलिमिटेशन में 2 साल का समय लगेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2029 में किसी भी कीमत पर बेटियों को उनका अधिकार नहीं दे सकते हैं।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि 25 अप्रैल को झारखंड में महिलाएं अपनी ताकत दिखाएंगी और रांची में एक जगह जमा होंगी। इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भाग लेंगी। संसद से अधिनियम पास नहीं होने के विषय पर बोलते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि इस बिल से वैसे लोगों को डर था जो परिवारवाद की राजनीति करते हैं। बिल गिरने के बाद ऐसे लोगों ने जश्न भी मनाया है।

लोकसभा से लेकर हर जगह महिलाओं की भागीदारी बढ़ने वाली थी लेकिन परिवारवाद वालों को डर था कि उनके बच्चों का क्या होगा उन्हें डर था कि सत्ता उनके परिवार से खिसककर दूसरी महिलाओं के हाथ में चली जाएगी। यही वजह थी कि बहुमत का आंकड़ा पीछे छूट गया। यह कोई भारतीय जनता पार्टी का एजेंडा नहीं था बल्कि देश को फायदा होता। देश की आधी आबादी को फायदा होता।

बिल पेश करने के दौरान विपक्ष के लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर से लेकर कई बातों का मजाक उड़ाया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बीजेपी विधायक डॉ। शशिभूषण मेहता, आलोक चौरसिया, मेयर अरुणा शंकर, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी समेत कई लोग मौजूद रहे।

गढ़वा जिले के एक गांव से 17 परिवारों ने छोड़ा घर, वजह है हाथियों का डर

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के गढ़वा जिले में जंगली हाथियों के डर से 17 परिवारों ने अपना घर छोड़ दिया है और जंगल के बाहर शरण ली है। मगर अब हीट वेव ने उनके लिए एक नई मुसीबत खड़ी कर दी है। मामला मेराल थाना क्षेत्र के बहेरवा गांव का है, जहां पलास्टिक के झोपड़ीनुमा घर में अब यह परिवार रहने को मजबूर है, जिसके कारण बच्चे बीमार पड़ रहे हैं।

हाथियों ने हमारा घर उजाड़ दिया, जिसके चलते हमलोग बाहर रहने को मजबूर हैं, मगर हीट वेव ने बच्चों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। अब जाएं तो जाएं कहां, इतना कहते ही ग्रामीण की आंखों से आंसू बहना शुरू हो गए। कैमरे पर यह सीन देखकर किसी की भी रूह कांप जाएगी।

यह मामला मेराल वन क्षेत्र में रहने वाले बाहेरवा गांव का है। दरअसल पिछले दो वर्षों से जंगली हाथियों के आतंक से गांव के 17 परिवारों ने अपना सब कुछ छोड़कर दूसरी जगह शरण ली। मगर यहां का दृश्य तब और भयावह हो गया जब ग्रामीण यह कहकर रोने लगे कि अपने क्षेत्र में हाथी से परेशान हैं और यहां प्राकृतिक मार से।

दरसल हाथियों के डर से सभी ग्रामीणों ने मेराल प्रखंड के गेरूवासोती गांव की चट्टान के पास शरण ली है। सभी 17 परिवार झोपड़ीनुमा घर बनाकर रह रहे हैं। इधर गढ़वा का तापमान लगभग 40 डिग्री है, जिससे हीट वेव सुबह दस बजे से ही चलना शुरू हो जा रहा है। इस गर्मी के कारण झोपड़ी में रह रहे बच्चे बीमार हो जा रहे हैं। इसी कसक और मजबूरी के चलते ग्रामीण की आंखों में आंसू हैं।

हालांकि इस मुद्दे पर गढ़वा के नए उपायुक्त अनन्य मित्तल ने कहा कि आपके माध्यम से यह जानकारी मुझे मिली है। मेडिकल टीम वहां जाएगी, जो परेशानी होगी हम इसे बहुत जल्द सुलझा देंगे और अबतक अगर योजनाओं का लाभ नहीं मिला होगा तो उसे भी दिलाने का प्रयास करेंगे।

निजी कार्यक्रम में शामिल होने गढ़वा पहुंचीं अक्षरा सिंह, कहा- राजनीति से अभी दूर हूं

गढ़वा, एजेंसी। भोजपुरी इंडस्ट्री की प्रसिद्ध अभिनेत्री सह गायिका अक्षरा सिंह निजी कार्यक्रम मे शिरकत करने मंगलवार को गढ़वा पहुंचीं। इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उन्होने मीडिया के साथ बात की।

उन्होंने कहा कि राजनीति से फिलहाल अभी दूर हूं सिर्फ काम पर मेरा फोकस है। आपको मेरा यह काम पसंद नहीं है क्या, इस तरह के कार्यक्रम में शामिल होना मुझे पसंद है। ये बातें प्रसिद्ध भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने कहीं। वहीं उन्होंने अपनी अगली फिल्म के बारे में बताया और कहा कि मेरी एक अपकमिंग मूवी है जो एक बहुत ही अच्छी फिल्म है, जिसके गाने भी काफी अच्छे हैं। उन्होंने इस दौरान कैमरा के सामने गीत की दो पंक्तिया भी गुनगुनाई। वहीं उन्होंने कहा कि गढ़वा इससे पहले भी आई हूं यहां आकर मुझे अच्छा लगा है। भविष्य की योजनाओं के सवाल पूछे जाने पर उन्होंने बस इतना कहा कि अभी वर्तमान में ही रहने दीजिए, हमको यहां बहुत सारा प्यार मिलता है। अक्षरा सिंह आज गढ़वा निजी कार्यक्रम मे शामिल होने पहुंची थीं। इस दौरान अक्षरा सिंह ने कई गानों पर डांस किया और गीत भी गायीं। इस मौके पर अक्षरा सिंह को देखने और सुनने के लिए हजारों की भीड़ उमड़ी। इसको लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया गया था।

सरायकेला में हाहाकार: 7 करोड़ की योजना फेल, लो-वोल्टेज की वजह से 10 गांव प्यासे

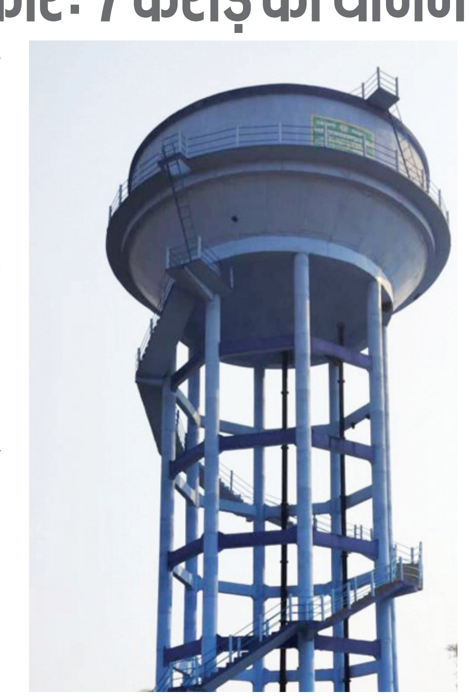

सरायकेला-खरसावां, एजेंसी। कोल्हन प्रमंडल के सरायकेला-खरसावां जिले में बढ़ती गर्मी और चढ़ते पारे के बीच पेयजल समस्या ने विकराल रूप ले लिया है। क्षेत्र की महत्वपूर्ण 'गोंडामारा-सामुरसाई' जलापूर्ति योजना में आई तकनीकी खराबी के कारण पिछले तीन दिनों से जलापूर्ति पूरी तरह ठप है। इस योजना के बंद होने से जोरडीहा और तेलायडीह पंचायत के अंतर्गत आने वाले लगभग 1274 घरों में पेयजल का गंभीर संकट पैदा हो गया है। सुबह और शाम के समय नल से पानी आने की उम्मीद में बैठे ग्रामीणों को अब दूर-दराज के चापाकलों और अन्य निजी स्रोतों का सहारा लेना पड़ रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, जलापूर्ति बाधित होने का मुख्य कारण क्षेत्र में व्याप्त 'लो-वोल्टेज' की समस्या है। इस वजह से पंप हाउस में लगे शक्तिशाली मोटर सही गति से नहीं चल पा रहे हैं, जिसके चलते संजय नदी से आने वाला पानी जलमीनार तक नहीं पहुंच रहा है। बताया गया कि योजना की क्षमता लगभग 4।20 लाख लीटर है, लेकिन वोल्टेज की कमी के कारण जलमीनार में पर्याप्त जल भंडारण नहीं हो पा रहा है। इसके अतिरिक्त, योजना के संचालन के लिए लगे दो ट्रांसफॉर्मर में से एक में तकनीकी खराबी आ गई है। जलापूर्ति का जिम्मा संभाल रही कंपनी 'एसकेएस प्राइवेट लिमिटेड' ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीएचइडी (क्काश्वष्ठ) विभाग को लिखित रूप से सूचित कर दिया है।

इस जलापूर्ति योजना के ठप होने से खरसावां की दो प्रमुख पंचायतों जोरडीहा और तेलायडीह के करीब दस गांव सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में सामुरसाही, गोंडामारा, छोटाबांबो, तेलांगजुडी, पिताकलांग, महादेवबुट्टा, छोटा सरगाडीह, बालियाटांड, फूचुडूंगरी, बेगनाडीह, जोरडीहा और गितीलता गांव के विभिन्न टोले शामिल हैं। इन इलाकों में रहने वाले 1274 परिवारों को पिछले 72 घंटों से एक बूंद पानी भी नल के जरिए नसीब नहीं हुआ है।

जलापूर्ति ठप होने के बाद ग्रामीण अब पारंपरिक जलस्रोतों जैसे चापाकल, कुआं और सोलर संचालित जल मीनारों पर निर्भर हो गए हैं। भीषण गर्मी में पानी भरने के लिए खासकर महिलाओं और बच्चों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। सुबह होते ही चापाकलों पर बर्तनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि कई चापाकल पहले से ही खराब पड़े हैं, जिससे समस्या और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। लोगों ने मांग की है कि जलापूर्ति बहाल होने तक खराब चापाकलों की तत्काल मरम्मत कराई जाए।

उल्लेखनीय है कि इस महत्वकांक्षी योजना का निर्माण करीब सात करोड़ रुपये की लागत से किया गया था। वर्ष 2024 की शुरुआत से ही इस योजना के जरिये संजय नदी का शुद्ध पानी ग्रामीणों के घरों तक पहुंचाने का दावा किया गया था। लेकिन बार-बार आती तकनीकी खामियों ने इस योजना की सफलता पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। वहीं, बड़ा सरगीडीह गांव के निवासी पिछले एक वर्ष से पाइपलाइन बिछने के बावजूद पानी का इंतजार कर रहे हैं, जहां अब तक जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएचइडी (क्काश्वष्ठ) के कार्यपालक अभियंता ललित इंदूवार ने स्वीकार किया कि बिजली से संबंधित तकनीकी समस्या के कारण जलापूर्ति बाधित हुई है। उन्होंने कहा कि विभाग और संबंधित कंपनी ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत और वोल्टेज सुधारने की दिशा में काम कर रहे हैं। अभियंता ने आश्वासन दिया है कि अगले 24 से 48 घंटों के भीतर समस्या का समाधान कर नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

हज के लिए ट्रेन से कोलकाता रवाना हुआ आजमीन का जत्था

वहां से हवाई जहाज से सभी पहुंचेंगे जेद्दा, देश में अमन व तरक्की के लिए दुआ की गुजारिश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। ज़िले से हज के लिए आजमीन के जाने का सिलसिला जारी है। कुलीपाड़ा निवासी सेवानिवृत शिक्षक मो मुजाहिद बदरुद्दीन और उनकी पत्नी कोलकाता रवाना हुए। मो मुजाहिद बदरुद्दीन ने जानकारी दी कि 21 अप्रैल को कोलकाता से रात में उनकी फ्लाइट जेद्दा के लिए रवाना होगी।इधर सोमवार की रात एलसी रोड निवासी मो यूसुफ व उनकी पत्नी शहीदा खातून एवं कुलीपाड़ा निवासी मो मंजूर अली व उनकी पत्नी रिज़वाना खातून सुपर एक्सप्रेस से कोलकाता के लिए रवाना हुए। इसके पूर्व आज़मीने हज से मिलने के लिए उनके घरों पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। लोगों ने सभी आज़मीने हज से मुलाकात की। वहीं उनके आसान सफर व मक़बूल हज के लिए दुआ की। लोगों ने आज़मीने हज से दुआ की दरख़ास्त भी की। सभी आजमीने हज ने कहा कि खुशकिस्मत हैं कि उन्हें हज का मौका मिला है। सभी ने अन्य साहेब ए निसाब से हज करने गुजारिश की। साथ ही कहा कि हज के दौरान देश की तरक्की, अमन व चैन की दुआ करेंगे। हज कॉर्डिनेटर अनवर अली ने भी आजमीने हज से मुलाकात कर उन्हें मुबारकबाद दी। वहीं रेलवे स्टेशन पर आजमीने हज को विदा करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस अवसर पर कुलीपाड़ा मस्जिद के पेश इमाम हाफ़िज़ मो अबरार, असद बदरुद्दीन, अफ़सर बदरुद्दीन, वसीम बदरुद्दीन, मो यूनुस, अमानुल्लाह, सनाउल्लाह, रिजवान, मो शाहिद हाफ़िज़ अब्दुल बारी, मो कज्जाफी, मो कलीमुद्दीन, श्याम सुंदर पोद्दार सहित सैंकड़ों लोग मौजूद थे।

शिशु वाटिका के समग्र विकास पर जोर, अभिभावकों को दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज।बुधवार को विद्या भारती विद्यालय, जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, साहिबगंज के वंदना कक्ष में शिशु वाटिका (कक्षा अरुण, उदय एवं प्रभात) के भैया-बहनों के अभिभावकों की गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित, विभाग प्रमुख किरण कुमारी गुप्ता, सह प्रमुख निर्मला कुमारी, टीनू कुमारी तथा अभिभावकों द्वारा सरस्वती माता, ओंकार एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित कर किया गया।गोष्ठी को संबोधित करते हुए किरण कुमारी गुप्ता ने शिशु वाटिका की बारह व्यवस्थाओं की जानकारी दी और बताया कि इन व्यवस्थाओं के माध्यम से बच्चों का पठन-पाठन प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकता है। वहीं निर्मला कुमारी ने अभिभावकों से बच्चों को घर का बना पौष्टिक आहार देने और क्रियात्मक विधि से पढ़ाई में सहयोग करने की अपील की।प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने समय पालन, मोबाइल से दूरी और निर्धारित वेशभूषा में विद्यालय आने पर जोर दिया। उन्होंने शैक्षिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने में अभिभावकों की भूमिका को अहम बताया।

गोष्ठी में कुल 40 अभिभावकों की उपस्थिति रही।

विश्व पृथ्वी दिवस पर मॉडल कॉलेज राजमहल में जागरूकता कार्यक्रम, छात्रों ने दिया संरक्षण का संदेश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज।मॉडल कॉलेज राजमहल, साहिबगंज में बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य सह भू-वैज्ञानिक डॉ. रणजीत कुमार सिंह के दिशा-निर्देश में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. रमजान अली के संबोधन से हुई। उन्होंने पृथ्वी दिवस के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी को बचाना ही सुरक्षित भविष्य की कुंजी है।इस अवसर पर छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। छात्र कुतुब, फरहान और जीशान ने पेंटिंग के जरिए जागरूकता फैलाई, जबकि छात्राओं सिफा, नासरीन और उनजेला ने रंगोली बनाकर "हमारी शक्ति, हमारा ग्रह" थीम को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया।छात्रा नेहा ने अपने विचार रखते हुए पृथ्वी को अपना घर बताते हुए इसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। वहीं छात्र शीतांशु ने सभी से अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

प्राचार्य का संदेश डॉ. अमित कुमार ने पढ़कर सुनाया, जिसमें कहा गया कि ऐसे कार्यक्रम लोगों में कर्तव्य बोध जगाने के लिए महत्वपूर्ण हैं और छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का आधार बनते हैं।

कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं ने वृक्षारोपण किया और पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर पृथ्वी संरक्षण का संकल्प लिया।इस मौके पर शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही। मोहन सिंह, जयकर और प्रकाश महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

पुलिस लाइन सभागार में विद्यालय प्रमाणीकरण से संबंधित कार्यशाला - सह - प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज पुलिस लाइन परियोजना कार्यालय सभागार में विद्यालय प्रमाणीकरण से संबंधित कार्यशाला - सह - प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण में जिले में चल रहे हैं सभी उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक/ प्रभारी प्रधानाध्यापक/ बर्डन -सह- शिक्षिका (मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालय एवं सभी पीएम श्री विद्यालय को छोड़कर) भाग लिया। राउंड -3 एवं -4 माह जुलाई से सितंबर माह के बीच विद्यालय स्तर पर प्रमाणीकरण का कार्य किया जाना है। इस हेतु 38 विद्यालय जहां कक्षा 1 से कक्षा 10 तक संचालित है, 2 विद्यालय जहां कक्षा 1 से कक्षा 12 तक संचालित है, 8 विद्यालय जहां कक्षा 6 से कक्षा 12 संचालित है और 1 विद्यालय जहां कक्षा 9 से कक्षा 12 तक संचालित है कुल मिलाकर 49 विद्यालय का प्रमाणीकरण हेतु प्रशिक्षण दिया गया। पहले एवं दूसरा राउंड प्रमाणीकरण में जिले के 1 विद्यालय को स्वर्ण, 49 विद्यालय को सिल्वर एवं 1 विद्यालय को ब्रांच मिला है। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारि ने विद्यालय सर्टिफिकेशन के मूल मंत्र को बताते हुए प्रतिभागियों से आह्वान किया कि विद्यालय में शैक्षणिक वातावरण प्रबंधन बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति एवं विद्यालय में गुणवत्ता शिक्षण हेतु सभी संभव प्रयास प्रतिदिन किए जाएं तभी विद्यालय का प्रमाणीकरण सच्ची अर्थों में सिद्ध होगा साथ ही DGC मैडम श्रीमती शबनम तबस्सुम के द्वारा शिक्षकों को क्वालिटी एजुकेशन, बालिका शिक्षा एवं सत प्रतिशत बच्चों की उपस्थित पर बल देने को कहा गया।कार्यशाला का संचालन एवं प्रस्तावना रखते हुए APO संजय तिवारी ने कहा कि स्कूल सर्टिफिकेशन के जरिए शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव की स्थिति आप शिक्षकों की बदौलत संभव है ।सारे शिक्षक अपने-अपने विद्यालय के संदर्भ में प्रयास करें तो वह दिन दूर नहीं जब साहिबगंज जिले का नाम राज्य स्तर पर अव्वल रूप में होगा। मास्टर ट्रेनर श्री चार्ल्स हेंब्रम जी क्षेत्र प्रबंधक श्री जयंत कुमार एवं सभी उच्च विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिका गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

फेयर प्राइस डीलरों ने आपूर्ति व्यवस्था सुधार को लेकर सौंपा मांग पत्र

साहिबगंज। फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन, साहिबगंज के एक शिष्टमंडल ने प्रदेश सचिव सह अध्यक्ष जय प्रकाश सिन्हा के नेतृत्व में जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं प्रखंड आपूर्ति प्राधिकारी से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा।जय प्रकाश सिन्हा ने बताया कि नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के डीलरों को खाद्यान्न एक साथ उपलब्ध कराया जाए तथा प्रत्येक माह की 10 तारीख तक आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए डीएसडी किया जाए, ताकि वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके।उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक तराजू में अक्सर खराबी की समस्या बनी रहती है, जिससे वितरण प्रभावित होता है। इसके समाधान के लिए साहिबगंज में स्थायी रूप से एक तकनीशियन की नियुक्ति की जाए और मरम्मत के खर्च से डीलरों को मुक्त रखा जाए।इसके अलावा डीलरों के लंबित कमीशन का शीघ्र भुगतान करने, खाद्यान्न आवंटन के अनुसार पूर्ण आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा कटौती कर बाद में समायोजन की परंपरा समाप्त करने की मांग की गई। साथ ही गोदाम से सही माप एवं गुणवत्ता युक्त (खाने योग्य) खाद्यान्न उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।शिष्टमंडल ने दिवंगत डीलर महिपाल तांती की पत्नी को अनुकंपा के आधार पर जल्द बहाल करने की मांग की, ताकि संबंधित दुकान से नियमित रूप से वितरण जारी रह सके। **मौके पर उपाध्यक्ष महेंद्र पासवान, सचिव अनवर अली, सहसचिव अशोक कुमार शाह, कोषाध्यक्ष भगवान जोशी सहित कई डीलर उपस्थित थे।**

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने फरियादों की समस्याएं सुनी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बरहरवा , में आयोजित जनता दरबार में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने फरियादों की समस्याएं सुनी।विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्या को लेकर प्रखंड के विभिन्न पंचायत से आए फरियादियों ने लगाई गुहार।मयूरकोला पंचायत के फुलचूवा ग्राम के लाल सुंदर घोष प्रधानमंत्री आवास का दूसरा किस्त का भुगतान नहीं मिलने से संबंधित समस्या को लेकर पधारे।बरकत खान ने विभागीय पदाधिकारी से जांच कर समस्या का निदान करने को कहा। रूपसपुर पंचायत के नूराई एवं पथरिया पंचायत के निश्चिंतपुर ग्राम के ग्रामीणोंगण बिजली के ट्रांसफार्मर जल जाने की शिकायत को लेकर पहुंचे इसपर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने ग्रामीणों के आवेदन को अनुशंसा करके बिजली विभाग को सुपुर्द कर जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली बहाल कराने की बात कही। रिसोर पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय चांदपुर की रसोइया चाइना देवी ने विगत एक वर्ष से मानदेय ना मिलने की शिकायत की।इस पर विधायक प्रतिनिधि ने विभागीय पदाधिकारी से वार्तालाप कर जल्द से जल्द मानदेय भुगतान कराने की बात कही। सातगाछी पंचायत अंतर्गत सातगाछी ग्राम के अब्दुल हासेन ने विकलांग पेंशन का भुगतान विगत चार महीने से नहीं होने की शिकायत की इस पर बरकत खान ने संज्ञान लेते हुए जांच करवा कर समस्या का निदान करवाया। रिसोर पंचायत के गोपालपुर ग्राम की दो महिलाएं माला देवी एवं लक्ष्मी देवी का मुख्यमंत्री राज्य वृद्धा पेंशन योजना आवेदन को अनुशंसा कर विभाग में ऑन लाइन हेतु भेजा गया।इसके अलावे मईया सम्मान योजना अन्तर्गत पेंशन का भुगतान बन्द होने,राशन कार्ड में नाम गलत हो जाने, बिजली का मीटर जल जाने,जमीन का रसीद निर्गत नहीं होने से संबंधित शिकायत से भी लोगों ने अवगत कराया।सभी समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए बरकत खान ने संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर मामले की जांच कर जल्द से जल्द निदान कराने को कहा।

मौके पर वार्ड पार्षद छोटेलाल रामानी, इब्राहीम शेख,सुभोजित मिश्रा, गणेश साहा सहित काफ़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

फुटबॉल व एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के लिए चयन तिथि घोषित, 28 से 30 अप्रैल तक ट्रायल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची के निर्देश पर जिला खेल कार्यालय, साहिबगंज द्वारा आवासीय एवं डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्रों के लिए खिलाड़ियों के चयन की तिथि घोषित कर दी गई है। आवासीय बालक फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र, बरहेट के लिए 28 अप्रैल को सिंगा मैदान (बरहेट थाना के समीप) में सुबह 6 बजे से चयन ट्रायल आयोजित होगा। इसके साथ ही आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, साहिबगंज के रिक्त पदों के लिए भी इसी दिन चयन किया जाएगा। चयन एनएसटीसी मानकों के आधार पर होगा।इस चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की आयु 10 से 14 वर्ष (01 अप्रैल 2012 से 01 अप्रैल 2016 के बीच जन्म) निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो, स्कूल का बोनाफाइड प्रमाण पत्र तथा झारखंड का निवासी प्रमाण प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। चयनित खिलाड़ियों को निःशुल्क आवासन, उच्च गुणवत्ता का भोजन, प्रशिक्षक, खेल किट व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र के तहत बालिका एथलेटिक्स के लिए 29 अप्रैल को सिदो कान्हु स्टेडियम, साहिबगंज में तथा बालक के लिए 30 अप्रैल को +2 बी.डी. उच्च विद्यालय, सकरीगली में सुबह 6 बजे से चयन ट्रायल होगा।डे-बोर्डिंग चयन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की आयु 8 से 12 वर्ष (01 अप्रैल 2014 से 01 अप्रैल 2018 के बीच जन्म) होनी चाहिए तथा वे केंद्र से 5 किलोमीटर के दायरे के निवासी हों। आवश्यक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य है। चयनित प्रतिभागियों को खेल छात्रवृत्ति, निःशुल्क प्रशिक्षण और खेल किट प्रदान की जाएगी।

बिंदुपारा में महिला सशक्तिकरण को लेकर रणनीतिक बैठक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज /बरहरवा प्रखण्ड के बिंदुपारा पंचायत भवन में बुधवार को झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी की ओर से आजीविका संकुल संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उनके कौशल का विकास करना तथा रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना रहा। बैठक में जिला प्रबंधक (स्किल एंड जॉब्स) राजेन्द्र कुमार, जिला प्रबंधक (आजीविका) अनिरुद्ध कुमार तथा बीपीएम फैज आलम उपस्थित रहे। इस दौरान महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्वरोजगार से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के तहत वाहन संचालन, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहेबगंज में प्रशिक्षण, दीदी कैफे एवं पलाश मार्ट के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने, मुद्रा ऋण, सीआरईपी, जॉब रिसोर्स पर्सन की भूमिका तथा उत्पादक समूहों के सुदृढ़ संचालन पर विचार - विमर्श किया गया।इसके अलावा कृषि एवं पशुपालन गतिविधियों, बिरसा हरित ग्राम योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना तथा लेयर बर्ड यूनिट जैसी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। बैठक में बीएपी पवन कुमार, पीआरपी मनिरुद्दीन,सामुदायिक समन्वयक सिमोन टुडू, संकुल संघ के पदाधिकारी एवं अन्य कैडर भी उपस्थित रहे।

पृथ्वी दिवस पर 'वृक्ष रक्षा बंधन' कार्यक्रम, जंगल बचाने का लिया संकल्प

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर वन प्रमंडल साहिबगंज के अंतर्गत तालझारी वन क्षेत्र के कोंगाबेड़ा में "वृक्ष रक्षा बंधन" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे ने किया, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तालझारी प्रखंड विकास पदाधिकारी राम सुमन प्रसाद उपस्थित रहे। इस दौरान पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण और वनों के महत्व के बारे में जागरूक किया। साथ ही अपील की गई कि जंगलों को किसी भी प्रकार का नुकसान न पहुंचाएं और वन संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने वृक्षों पर रक्षा सूत्र बांधकर जंगलों की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस पहल को प्रकृति संरक्षण hके प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया।मौके पर ग्राम प्रधान, वनरक्षी पप्पू कुमार यादव, अखिलेश मरांडी, प्रेम कुमार साह, सनी रजक, अमित कुमार, राजेश टुडू, सुनील कुमार सहित अन्य वनकर्मी एवं ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

बिजली की बार-बार आंख मिचोनी और भीषण गर्मी से आम जनता त्रस्त

पाकुड़ । गर्मी की श्री गणेश होते ही बिजली की मनमानी ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। सालो भर मेंटेनेंस के नाम पर पांच-पांच घंटा विद्युत संबंध विच्छेद करने के बावजूद बिजली विभाग पाकुड़ जिले को एक निश्चित अवधि तक बिजली देने में असमर्थ है। बुधवार को पाकुड़ शहर का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस रहा।किंतु इस तपती गर्मी के बीच बिजली का बार-बार कट होने से आम जनता काफी परेशान है। कई मोहल्ले में बिजली 3 से 4 घंटे तक गायब रह रही है। बिजली के अभाव में पानी के मोटर, पंखे, फ्रिज ,कूलर, ऐसी सब प्रभावित हो रहे हैं। कुछ लोग गैस के अभाव में बिजली से भोजन बना रहे हैं उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बच्चों की पढ़ाई-लिखाई स्कूल कॉलेज में भी इसका सीधा असर देखने को मिल रहा है। उचित बिजली के अभाव में साइबर कैफे, वेल्डिंग दुकानदार, मोबाइल रिपेयरिंग सेंटर, आटा चक्की , फोटो स्टेट एवं बिजली से चलने वाले सारे उपकरण के साथ रोजी-रोटी पर भी प्रभाव पड़ रहा है।और अन्य छोटे व्यवसाय करने वाले लोग भी बिजली संकट से परेशान हैं। लोगो का कहा है कि बिजली नहीं रहने से कारोबार प्रभावित हो रहा है ।और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि हर साल गर्मी शुरू होते ही बिजली विभाग की लापरवाही भी बढ़ जाती है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वैसे-वैसे बिजली कटौती भी बढ़ने लगती है। कई बार बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों तक बिजली बंद रहती है। कई बार ग्रामीण इलाकों में में बिजली रात रात भर गायब हो जाती है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पाकुड़ ऐसा इलाका है, जहां की धरती से निकलने वाला कोयला दूसरे राज्यों में बिजली पैदा करने का बड़ा जरिया बनता है। हर साल यहां से बड़ी मात्रा में कोयला अलग-अलग प्रदेशों में भेजा जाता है। उसी कोयले से बड़े-बड़े शहरों की फैक्ट्रियां चलती हैं, घर रोशन होते हैं और उद्योग जगमगाते हैं। लेकिन दुख की बात यह है कि जिस पाकुड़ की जमीन दूसरे राज्यों को उजाला देती है, उसी पाकुड़ के लोग अंधेरे और बिजली संकट से जूझ रहे हैं। लोग चाहते हैं कि गर्मी के इस मौसम में बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाया जाए, बार-बार होने वाली कटौती पर रोक लगे और उपभोक्ताओं को नियमित सप्लाई मिले। अगर ऐसा नहीं होता है तो वाद्य होकर आंदोलन करना पड़ेगा।

अब्राहम्स एकेडमी में अग्नि सुरक्षा अभ्यास, छात्रों को सिखाए गए बचाव के तरीके

पाकुड़ : झारखंड अग्निशमन सेवा के तत्वावधान में सोमवार को समशेरा स्थित अब्राहम्स एकेडमी में एक दिवसीय अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम और अभ्यास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली बच्चों और शिक्षकों को आग लगने जैसी आपात स्थिति में सुरक्षित रहने और बचाव के उपायों के प्रति प्रशिक्षित करना था। अग्निशमन पदाधिकारी अजय कुमार सिंह और हवलदार नरेंद्र नाथ उरांव की देखरेख में आयोजित सत्र में विभागीय टीम ने छात्रों को व्यावहारिक रूप से समझाया कि आग लगने पर बिना घबराए सुरक्षित तरीके से बाहर कैसे निकला जाए। कार्यक्रम के दौरान विभाग ने शिक्षण संस्थानों में अनिवार्य अग्नि सुरक्षा मानकों पर विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि विद्यालय की प्रत्येक मंजिल, प्रयोगशाला और रसोई घर के पास पर्याप्त संख्या में अग्निशमन यंत्र होना चाहिए तथा उनकी नियमित जांच और रखरखाव जरूरी है। साथ ही भवन में धुएं का पता लगाने वाले यंत्र और चेतावनी संकेत प्रणाली का होना आवश्यक बताया गया, ताकि किसी भी घटना की सूचना समय पर मिल सके। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि आपात निकास मार्ग हमेशा चौड़े और अवरोध मुक्त होने चाहिए तथा संकेत स्पष्ट रूप से लगाए जाने चाहिए, जिससे भगदड़ की स्थिति से बचा जा सके। सुरक्षा उपायों के तहत भवन में स्वचालित जल छिड़काव प्रणाली और आकाशीय बिजली से बचाव के लिए तड़ित चालक लगाने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा, बिजली के पैनलों की नियमित जांच और प्रयोगशालाओं में ज्वलनशील पदार्थों का सुरक्षित भंडारण आवश्यक बताया गया। अग्निशमन कर्मियों ने कहा कि वर्ष में कम से कम दो बार इस प्रकार का अभ्यास कराने से छात्रों और कर्मचारियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आपात स्थिति में बेहतर ढंग से प्रतिक्रिया दे पाते हैं। इस अवसर पर एकेडमी के प्रबंधक एलेक्स सैम, प्राचार्या सुनीता मरांडी, परामर्शदाता डॉली डेविड और समन्वयक ज्योति शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक प्रोमिला हेम्ब्रम, संजीव किस्कू सहित अन्य कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में बच्चों को "सतर्क रहें, सुरक्षित रहें" का संदेश देते हुए अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई गई।

अंतरराज्यीय जांच चौकी पर 18 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद, चालक फरार

पाकुड़: चांदपुर अंतरराज्यीय जांच चौकी पर आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को देखते हुए चलाए जा रहे सघन जांच अभियान के दौरान बुधवार को करीब 18 लीटर अवैध देशी महुआ शराब बरामद की गई। जब्त की गई शराब को विधिवत कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है, जबकि वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर सीमा क्षेत्र में लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में चांदपुर जांच चौकी पर वाहनों की तलाशी के दौरान यह अवैध शराब पकड़ी गई। जांच के दौरान संदिग्ध वाहन को रोका गया, लेकिन चालक अंधेरे और मौके का फायदा उठाकर

फरार हो गया। उन्होंने बताया कि बरामद महुआ शराब को जब्त कर लिया गया है और इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा फरार चालक की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। प्रशासन द्वारा चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए सीमा क्षेत्रों में निगरानी और जांच व्यवस्था को और सख्त किया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।

भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित, दिहाड़ी मजदूरों पर ज्यादा असर,सड़क हुआ सन्नाटा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। जिले भर में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। बुधवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिससे लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा। तेज धूप और लू के थपेड़ों से बचने के लिए लोग छाता, गमछा और अन्य उपाय अपनाते नजर आए। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और लोग केवल जरूरी काम से ही घरों से बाहर निकले। गर्मी के असर से बाजारों में भी भीड़ कम रही। इधर बढ़ती गर्मी के बीच कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम और गन्ने के जूस की मांग में अचानक इजाफा हुआ है। जिससे दुकानदारों के चेहरे खिल उठे हैं।

बुधवार दोपहर में हिरणपुर बाजार स्थित सुभाष चौक के समीप राहगीरी को गन्ने का रस पीते देखा गया। चिलचिलाती धूप की वजह से जल जलस्तर नीचे चला गया है। पोखर, तालाब, डोभा, कुएं आदि भी सुखने लगे हैं। प्रखंड के दूर-दराज इलाकों में जो लोग अपने दैनिक जीवन यापन के लिए खुले में काम करते हैं, जैसे खेतों में मजदूरी करने वाले, निर्माण कार्य में लगे श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर, उनके लिए यह गर्मी और भी ज्यादा कठिन साबित हो रही है। तेज धूप में लंबे समय तक काम करने के कारण उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और लू लगने का खतरा लगातार बना हुआ है। इसको लेकर हिरणपुर चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि इस मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी खतरनाक साबित हो सकती है।

उन्होंने लोगों को अधिक मात्रा में पानी पीने, घर से बाहर निकलते समय सिर ढकने, हल्के एवं सूती कपड़े पहनने तथा दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक बाहर न निकलने की सलाह दी है। साथ ही ओआरएस, नींबू पानी और छाछ जैसे तरल पदार्थों का सेवन करने को भी कहा है। हल्के व ढीले कपड़े पहनने की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी कि लू से बचाव के प्रति लापरवाही स्वास्थ्य के लिए गंभीर साबित हो सकती है। उधर पाकुड़िया प्रखंड के चिकित्सक डॉ. मंजर आलम ने बताया कि इस मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी खतरनाक साबित हो सकती है। उन्होंने लोगों को अधिक मात्रा में पानी पीने, घर से बाहर निकलते समय सिर ढकने, हल्के एवं सूती कपड़े पहनने तथा अनावश्यक बाहर न निकलने की सलाह दी है।

छोटे बच्चों को धूप में खेलने से रोकना भी जरूरी है। इधर, तेज गर्मी को देखते हुए झारखंड सरकार ने स्कूलों के समय में बदलाव किया है। अब स्कूल सुबह 7:00 बजे से 11:30 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं। इस निर्णय से बच्चों को काफी राहत मिली है और वे तेज धूप से बचाव कर पा रहे हैं।

डीसी ने मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। डीसी मेघा भारद्वाज ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर डीसी ने माननीय मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन एवं सम्मान किया। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री से भेंट कर जिले के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान जिले के समग्र विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण तथा आमजनों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के उपायों पर सार्थक विमर्श हुआ। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री को जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं भावी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जिले में चल रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार की

प्राथमिकता है कि सभी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ पहुंचे। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए विकास कार्यों को गति देगा तथा आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु सतत प्रयासरत रहेगा।

चेंबर ऑफ़ कॉमर्स प्रधानमंत्री कार्यालय से हावड़ा डिवीजन के असंतोजनक जवाब के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच की कि मांग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। चैंबर ऑफ़ कॉमर्स पाकुड़ के सचिव संजीव कुमार खत्री ने प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार, नई दिल्ली को शिकायत संख्या PMOPG/E/2026/0058517 के संबंध में पूर्वी रेलवे द्वारा दिए गए असंतोषजनक उत्तर के विरुद्ध पुनः हस्तक्षेप हेतु निवेदन किया है। पत्र में कहां गया है कि पाकुड़ जिला (झारखंड), जो पश्चिम बंगाल की सीमा से सटा एक महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक क्षेत्र है, बेहतर एवं पर्याप्त रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु एक विस्तृत, तथ्यात्मक एवं जनहित से जुड़ा आवेदन प्रस्तुत किया गया था। अत्यंत खेदजनक है कि इतनी बड़ी राजस्व आमदनी होने के बावजूद पाकुड़ जैसे पिछड़े जिले में रेलवे द्वारा अब तक कोई ठोस विकास कार्य नहीं किया गया है। साथ ही, स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत भी कार्य प्रारंभ नहीं होना क्षेत्रीय उपेक्षा को

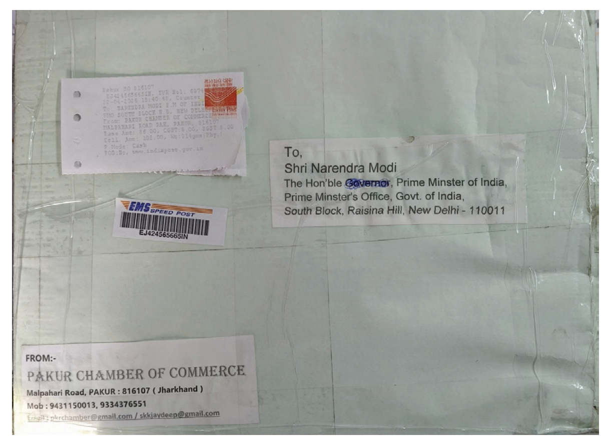

दर्शाता है। उन्होंने कहा पूर्वी रेलवे द्वारा दिनांक 13.04.2026 को दिया गया उत्तर पूर्णतः असंतोषजनक, भ्रामक, अपूर्ण एवं मात्र औपचारिक है। जिस पर सरकार का हस्तक्षेप आवश्यक है। पत्र में कहा गया है कि पाकुड़ जैसे औद्योगिक जिले से पटना, दिल्ली, पंजाब आदि प्रमुख शहरों के लिए सीधी एवं पर्याप्त रेल सेवाओं का अभाव।यात्रियों को 28 किमी दूर बरहरवा जाकर ट्रेन पकड़ने की वाध्यता है।जिससे समय, धन एवं श्रम की अत्यधिक हानि है।

बरहरवा-पाकुड़ रेलखंड पर मेमू/ पैसेंजर ट्रेनों की अत्यंत कमी है।व्यापारियों, छात्रों, मरीजों, वुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों को हो रही गंभीर दैनिक कठिनाइयाँ का सामना करना पड़ता हे। चैंबर ऑफ़ कॉमर्स पाकुड़ में केंद्र सरकार से मांग की है कि इस पूरी प्रकरण की जांच निष्पक्ष रूप से उच्च स्तरीय समयवध कराई जाए। पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर प्रमुख मेल एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव एवं नई रेल सेवाओं हेतु वास्तविक मांग की स्टडी हो। पाकुड़ से बरहरवा तीन पहाड़ हेतु मेमू ट्रेन दिया जाए। अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत पाकुड़ की स्थिति स्पष्ट हो। पटना आरा बक्सर बनारस होते हुए नई दिल्ली तक ट्रेन दिए जाएं। पुरानी बंद कराई गई रेल को पुनः चालू किया जाए। रामपुरहाट मालदा एक पैसेंजर ट्रेन फिर प्रारंभ हो।

पाकुड़ में त्रिपक्षीय वार्ता विफल, कोयला परिवहन पूरी तरह ठप

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ जिले में कोयला परिवहन को लेकर जारी गतिरोध के बीच प्रशासन, कोल कंपनियों और ट्रांसपोर्टरों के बीच बुधवार को हुई त्रिपक्षीय वार्ता बेनतीजा रही। एसडीओ साइमन मरांडी, महेशपुर एसडीपीओ विजय कुमार और पाकुड़ एसडीपीओ दयानंद आजाद के संयुक्त नेतृत्व में एसडीओ कार्यालय सभागार में आयोजित इस बैठक में डीबीएल और बीजीआर कोल कंपनियों के प्रतिनिधि तथा ट्रांसपोर्टर शामिल हुए।बैठक में ट्रांसपोर्टरों ने भाड़ा बढ़ोतरी समेत अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया, जबकि कोल कंपनी डीबीएल ने वर्तमान परिस्थितियों का हवाला देते हुए दो माह का समय मांगा। हालांकि, ट्रांसपोर्टर अपनी मांगों पर अड़े रहे और तत्काल समाधान की बात पर जोर दिया।

गौरतलब है कि ट्रांसपोर्टर बीते शनिवार से अनिश्चितकालीन चक्का जाम पर हैं, जिसके कारण कोयला परिवहन पूरी तरह ठप हो गया है। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि वर्ष 2022 के बाद से भाड़ा में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है और संचालन लागत निकालना मुश्किल हो गया है। ट्रांसपोर्टरों ने हिसाब देते हुए कहा कि उनके वाहन चलाने पर प्रत्येक माह 1 लाख 84 हजार रुपए नुकसान हो रहा है जिसे प्रशासन ने भी सही माना। कहा कि वर्तमान भाड़ा में वाहनों को चलाने से ज्यादा खड़ी रखने में कम नुकसान है। वार्ता विफल होने के बाद ट्रांसपोर्टरों ने स्पष्ट किया कि वे जल्द ही एक व्यापक बैठक आयोजित कर आगे की रणनीति तय करेंगे। तब तक चक्का जाम जारी रहेगा।

बंगाल में चुनाव के मद्देनजर पाकुड़ प्रशासन पूरी तरह मुस्तेद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ जिला पश्चिम बंगाल की सीमा से सटा हुआ एक बेहद संवेदनशील इलाका माना जाता है। चुनाव के मद्देनजर पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद हैं। यहां की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि पाकुड़ की सीमाएं बंगाल के मुर्शिदाबाद और बीरभूम जिलों से मिलती है, जिससे यह चुनाव के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से 'क्रिटिकल जोन' बन जाता है।नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह पश्चिम बंगाल के धुलियान (मुर्शिदाबाद) और नलहाटी (बीरभूम) पुलिस के साथ निरंतर संपर्क में है। दोनों राज्यों की पुलिस सीमाओं पर तैनात है। निरंतर वाहन जांच अभियान चल रही है। पश्चिम बंगाल जाने व आने वाले पर सख्त निगरानी भी रखी जा

रही है।बॉर्डर में तैनात सुरक्षा बल वाहनों की डिक्की आदि की जांच कर रहे हैं, ताकि किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक समानों की आवाजाही नहीं हो सके। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चांदपुर बार्डर के अलावा सीमावर्ती थाने जैसे महेशपुर, पाकुड़िया व रदीपुर के सीमाओं में भी सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। एसपी अनुदीप सिंह स्वयं निगरानी रख रहे हैं। सीमावर्ती इलाके में स्थित थानों के थानेदारों को सख्त चेतावनी दी गई है कि सीमाओं पर नजर बनाए रखें। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड-बंगाल सीमा स्थित पाकुड़िया प्रखंड के तीन चेकपोस्टों में प्रशासन द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है।यहां सीमावर्ती चेकपोस्ट राधानगर, गणपुरा एवं बेनाकुड़ा में बुधवार को आने-जाने वाली वाहनों का पुलिस द्वारा तलाशी ली गई।उधर महेशपुर थाना क्षेत्र के चेकपोस्ट पर प्रशासन नजर रही है।

पृथ्वी दिवस पर प्राकृतिक संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश पर डालसा सचिव रूपा बंदना किरो की उपस्थिति में जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सभागार में नालसा के वीर परिवार सहायता योजना 2025 एवं पृथ्वी दिवस पर प्राकृतिक संरक्षण को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन सचिव रूपा बंदना किरो, लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के चीफ़ सुबोध कुमार दफादार, डिप्टी चीफ़ मो नुकुमुद्दीन शेख संजीव कुमार मंडल, एलएडीसीएस के सहायक अज़फर हुसैन विश्वास गंगाराम टुडू ,रिटायर्ड सैनिक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।उक्त कार्यक्रम में सचिव रूपा बंदना किरो के कहा कि नालसा के वीर परिवार सहायता योजना 2025 देश के सुरक्षा कर्मी ,पूर्व सैनिकों और उनके परिवार को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करता है। नालसा के इस योजनाओं का लाभ हेतु जिले के थानों, प्रखंडों समेत अन्य स्थानों पर पैरा लीगल वॉलिंटियर्स तैनात किया गया। इस दौरान योजनाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण कानूनी जानकारी उपस्थित भूतपूर्व

सैनिकों एवं परिजन को दी। कहा गया कि भारत सरकार और रक्षा मंत्रालय द्वारा भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण और पुर्नावास के लिए कई योजनाएँ चलाई जा रही है जैसे स्वास्थ्य योजना, शिक्षा अनुदान, विवाह अनुदान, विकलांग अनुदान, प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति आदि योजना, चलाई जा रही है। एलएडीसीएस के डिप्टी चीफ संजीव कुमार मंडल ने पृथ्वी दिवस मनाने के उद्देश्य प्राकृतिक संरक्षण को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जागरूक की। वहीं डिप्टी चीफ मो नुकुमुद्दीन शेख ने आज के इस कार्यक्रम पर कानूनी जानकारी एवं प्रकृति संरक्षण पर जानकारी साझा की। पैरा लीगल

वॉलिंटियर्स चंद्र शेखर घोष ने भी अपना विचार व्यक्त किया। मंच का संचालन लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के सहायक गंगाराम टुडू ने किया। इस दौरान प्राकृतिक संरक्षण को लेकर पौधे लगाने, प्लास्टिक का प्रयोग न करने जल का संरक्षण करने, पेड़ पौधे का देखभाल करने समेत कई बिंदु पर वक्ताओं ने जागरूक की एवं संयुक्त रूप से संकल्प ली। मौके पर पूर्व सैनिकों एवं परिजन, पैरा लीगल वॉलिंटियर्स समेत अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

शेमारू जोश पर 'लोका चैप्टर 1: चंद्रा' का चैनल प्रीमियर 24 अप्रैल को

देवघर :-शेमारू जोश ने बहुप्रतीक्षित फिल्म लोका चैप्टर 1: चंद्रा के चैनल प्रीमियर की घोषणा की है। यह फिल्म गुरुवार, 24 अप्रैल को शाम 7 बजे पहली बार फ्री-टू-एयर (एफटीए) दर्शकों के लिए प्रसारित की जाएगी। सुपरस्टार दुलकर सलमान द्वारा निर्मित यह फिल्म वर्ष 2025 की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल रही है। दमदार कहानी, शानदार विज़ुअल्स और बेहतरीन अभिनय के चलते इसने दर्शकों को खूब प्रभावित किया और मलयालम सिनेमा की बड़ी ब्लॉकबस्टर के रूप में उभरी। फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन, गहरे इमोशंस और यादगार किरदारों का बेहतरीन संयोजन देखने को मिलता है। इसे समीक्षकों से शानदार प्रतिक्रिया के साथ बॉक्स ऑफिस पर भी बड़ी सफलता मिली। शेमारू जोश अपने दर्शकों के लिए लगातार विविध और आकर्षक कंटेंट प्रस्तुत करता रहा है। अब इस फिल्म के प्रीमियर के जरिए चैनल एफटीए दर्शकों तक मनोरंजन की एक और शानदार पेशकश लेकर आ रहा है।

3 kg 264 ग्राम अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार, NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज : एसपी अनिमेष नैथानी

चतरा... जिले में अवैध ड्रग्स के खिलाफ जारी अभियान के तहत सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर सिमरिया नागरगोजे शुभम भाऊ के नेतृत्व में एक स्पेशल रेड टीम बनाई गई। टीम ने कुंदा थाना इलाके के भरगांव में अवैध गीली अफीम बरामद की है। इस कार्रवाई में तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। उक्त बातें SP अनिमेष नैथानी ने आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दीं। Sp ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भरगांव का रहने वाला नंदकिशोर गंजू अपने घर रखे हुए है । सूचना की जांच और जरूरी कार्रवाई के लिए सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर सिमरिया नागरगोजे शुभम भाऊ साहब के नेतृत्व में एक स्पेशल रेड टीम बनाई गई। टीम के द्वारा कार्रवाई करते हुए नंदकिशोर गंझू के घर पर छापा मारा, जहाँ से 3 kg 264 ग्राम गीली अफीम बरामद हुई। उन्होंने बताया कि मौके से तस्कर को भी पकड़ लिया गया है। गिरफ्तार तस्कर के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। SP ने बताया कि इंटरनेशनल मार्केट में जब्त अफीम की अनुमानित कीमत करीब 16 लाख रुपये है। इस ऑपरेशन में सिमरिया SDPO के साथ कुंडा थाना इंचार्ज प्रिंस कुमार सिंह और SI नागेश्वर पंडित शामिल थे।

चतरा उपायुक्त श्री रवि आनंद ने मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन से की शिष्टाचार भेंट

चतराः– नवपदस्थापित उपायुक्त श्री रवि आनंद ने पदभार ग्रहण करने के उपरांत राजधानी रांची पहुंचकर माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर उपायुक्त ने जिले के प्रशासनिक कार्यों, विकास योजनाओं एवं प्राथमिकताओं से संबंधित विषयों पर माननीय मुख्यमंत्री को अवगत कराया। साथ ही, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिले के समग्र विकास हेतु मार्गदर्शन प्राप्त किया। माननीय मुख्यमंत्री ने उपायुक्त को उनके नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं तथा जिले में पारदर्शी, संवेदनशील एवं जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं विकास योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाए। उपायुक्त श्री रवि आनंद ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार के निर्देशों के अनुरूप जिले में सुशासन, सेवा भावना एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

अंचल स्तर पर ही हो जनसमस्याओं का समाधान, शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाई : उपायुक्त

लोहरदगाः उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने राजस्व संबंधित बैठक सभी संबंधित विभागों और अंचल अधिकारियों के साथ की। उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने राजस्व संबंधित बैठक सभी संबंधित विभागों और अंचल अधिकारियों के साथ की। इसमें विभिन्न विभागों को प्राप्त राजस्व का लक्ष्य व उसके विरूद्ध प्राप्ति की समीक्षा की गयी। इसमें मत्स्य विभाग को नंदिनी डैम में मत्स्य समितियों द्वारा किये जा रहे मत्स्य पालन की समीक्षा की गयी। साथ ही, जिला में बंद पड़े खदानों में भी मत्स्यपालन की संभावना पर योजना बनाये जाने का निर्देश दिया गया। वर्तमान वित्तीय वर्ष में सभी तालाबों की बंदोबस्ती कराये जाने का निर्देश दिया गया।

म्युटेशन ससमय निष्पादित होंः उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि म्युटेशन के मामले लंबित ना रहें। बिना कारण के म्युटेशन के मामले लंबित रखे जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी। जो भी लंबित मामले हैं उसे निष्पादित करें। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जाति/आय/आवासीय प्रमाण-पत्र ससमय निर्गत किये जाएं। लोगों की ओर से आने वाली शिकायतों का निष्पादन करे।

सक्सेशन म्युटेशन के लिए आयोजित करें शिविरः उपायुक्त संदीप कुमार मीणा द्वारा ऑनलाईन नामांतरण के मामलों, लैण्ड डिमार्केशन के मामले, दाखिल खारिज के मामले, सक्सेशन आदि मामलों की समीक्षा की। इसमें सक्सेशन म्युटेशन के लिए शिविर आयोजित करने का निर्देश सभी अंचलाधिकारियों को दिया गया। उपायुक्त द्वारा ई-रेवेन्यु कोर्ट अंतर्गत सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने कोर्ट में लंबित मामलों का निष्पादन कर उसकी इंट्री पोर्टल पर किये जाने का निर्देश दिया। कोर्ट में नियमित रूप से मामलों की सुनवाई करें। आपदा के मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने आपदा के मामलों को जल्द निष्पादन का निर्देश पदाधिकारियों को दिया गया। इसमें पानी में डूबने, आगलगी, सड़क दुर्घटना में मृत्यु, सर्पदंश से मृत्यु आदि के मामलों की समीक्षा की गयी। परिवहन विभाग को ज्यादातर सड़क दुर्घटना वाले स्पॉट को चिन्हित करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा अवर निबंधन, परिवहन, खनन, नगर परिषद, नीलाम-पत्र, उत्पाद, खनन आदि की समीक्षा गयी। उपायुक्त ने कहा कि किसी प्रकार की शिकायत ना आए। लोगों के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं। अपने-अपने अंचल क्षेत्र की जानकारी संबंधित अंचल अधिकारी अवश्य रखें ताकि संबंधित मामले निष्पादित किये जा सके। बैठक में अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, सामाजिक सुरक्षा सहायक निदेशक प्रमोद दास, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंजना दास, जिला परिवहन पदाधिकारी जया संखी मुर्मू, खनन पदाधिकारी राजा राम प्रसाद, उत्पाद अधीक्षक अनिल शर्मा, सभी अंचल अधिकारी व अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

वर्ल्ड अर्थ डे पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन की पहल, चिकित्सकों ने किया व्यापक पौधारोपण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

देवघर। वर्ल्ड अर्थ डे के अवसर पर देवघर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर इंडियन डेंटल एसोसिएशन की ओर से व्यापक पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व इंडियन डेंटल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ राजीव कुमार व देवघर डेंटल क्लिनिक के निदेशक डॉ राजीव रंजन एवं जसीडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सक डॉ पूजा राय ने संयुक्त रूप से किया। तपोवन सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर पौधारोपण कर समाज में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ राजीव रंजन और डॉ पूजा राय ने स्वयं पौधे लगाकर लोगों को प्रेरित किया और कहा कि यह केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया होनी चाहिए। इस अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन के सदस्य डॉ राजीव कुमार, डॉ राज वर्मा, डॉ सत्यम सत्यार्थी, डॉ प्रजल, डॉ सुषमा वर्मा (डीएस) एवं डॉ परमजीत

♦ **डॉ राजीव कुमार व डॉ राजीव रंजन के नेतृत्व में हरियाली का संदेश,सिविल सर्जन व उपाधीक्षक को भेंट किया पौधा**

कौर सहित अन्य चिकित्सकों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। चिकित्सकों की टीम ने सिविल सर्जन देवघर रमेश कुमार एवं सदर अस्पताल की उपाधीक्षक डॉ. सुषमा वर्मा को पौधा भेंट कर हरियाली का संदेश दिया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मौके पर अध्यक्ष डॉ राजीव कुमार ने कहा कि धरती और पर्यावरण को संरक्षित करने की जिम्मेदारी हम सबों की है। उन्होंने देवघर को हरा-भरा शहर बनाने के लिए शहरवासियों को आगे आने की अपील की।

डॉ राजीव रंजन ने कहा कि पृथ्वी हमारी सबसे बड़ी धरोहर है और इसकी सुरक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि हम आज से ही पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण को अपनी आदत बना लें, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया। वहीं डॉ पूजा राय ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण अनिवार्य है। पेड़-पौधे हमें शुद्ध वायु, छाया और प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं। हमें न केवल पौधे लगाने चाहिए, बल्कि उनकी देखभाल भी पूरी जिम्मेदारी के साथ करनी चाहिए। मौके पर आर. पुण्य श्लोक, बाबा, उदय कुमार, गोपी कुमार सहित कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए निरंतर पौधारोपण और जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

नव पदस्थापित उपायुक्त से मिले नगर परिषद के जनप्रतिनिधि, विकास योजनाओं पर हुई सार्थक चर्चा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगाः जिले के नव पदस्थापित उपायुक्त संदीप कुमार मीणा से लोहरदगा नगर परिषद के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। नगर परिषद उपाध्यक्ष अब्दुल कादिर के नेतृत्व में पहुंचे वार्ड पार्षदों के इस दल ने उपायुक्त का स्वागत किया और जिले के साथ-साथ नगर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान सकारात्मक संवाद का माहौल रहा। उपाध्यक्ष अब्दुल कादिर ने उपायुक्त को नगर परिषद क्षेत्र में वर्तमान में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं और बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और लंबित योजनाओं के संबंध में पार्षदों की चिंताओं को भी साझा किया। चर्चा के दौरान आगामी रणनीतियों पर विशेष बल दिया गया, जिससे शहरी क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सके। उपायुक्त संदीप कुमार मीणा ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि लोहरदगा जिले का समग्र विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी सरकारी योजनाओं को तय समय सीमा के भीतर और पूर्ण गुणवत्ता के साथ धरातल पर उतारा जाएगा। उपायुक्त ने कहा प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय ही विकास की गति को तेज करने का आधार है। हम साथ मिलकर जनहित के कार्यों को पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ाएंगे। सभी जनप्रतिनिधियों ने उपायुक्त के सकारात्मक रुख की सराहना करते हुए जिले के विकास में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से वार्ड पार्षद कमलेश उरांव, अब्दुल वारिश, हाजी अली, मोकीम खान और किशुन महतो समेत अन्य पार्षद उपस्थित रहे।

NH-143AG पर बना संकीर्ण पुल बना डेथ ट्रैप, ग्रामीणों ने की चौड़ीकरण की मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भंडरा/लोहरदगाः जिले के भंडरा प्रखंड अंतर्गत NH-143AG मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित एक पुल वर्तमान में राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। ग्राम भैंसमुंदो और प्रखंड मुख्यालय के समीप पाड़े बांध से निकलने वाली नाली पर बना यह पुल इतना संकीर्ण है कि यहाँ आए दिन भीषण सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा होने के बावजूद इसकी जर्जर और संकुचित स्थिति प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय ग्रामीणों और वाहन चालकों का कहना है कि NH-143AG सड़क मार्ग का चौड़ीकरण तो कर दिया गया है, लेकिन पाड़े बांध के पास बना यह पुल अब भी अपने पुराने और संकरे स्वरूप में है। मुख्य सड़क से आने वाले वाहन जब अचानक इस संकीर्ण पुल पर पहुँचते हैं, तो चालक दुविधा में फंस जाते हैं। सड़क और पुल की चौड़ाई में भारी अंतर होने के कारण तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकरा जाते हैं या नाली में गिर जाते हैं। रात के अंधेरे में स्थिति और भी भयावह हो जाती है,

जहाँ संकेतक न होने से अनजान चालक सीधे खतरे की चपेट में आ रहे हैं। पुल की खतरनाक स्थिति को देखते हुए भैंसमुंदो और आसपास के ग्रामीणों ने प्रशासन से अविलंब इसके चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क तो अच्छी बन गई है, लेकिन यह संकरा पुल किसी काल से कम नहीं है। दो गाड़ियां एक साथ पार नहीं हो सकतीं। प्रशासन को किसी बड़ी अनहोनी का इंतज़ार किए बिना इसे तुरंत चौड़ा करना चाहिए। प्रशासनिक उदासीनता के कारण लोहरदगा-भंडरा मुख्य मार्ग का यह हिस्सा अब लोगों के लिए डर का पर्याय बन चुका है। अब देखना यह है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और स्थानीय प्रशासन इस दिशा में कब ठोस कदम उठाता है।

लोहरदगा में 28 वर्षीय युवक ने तालाब में डूबकर की आत्महत्या, इलाके में शोक की लहर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगाः जिला मुख्यालय के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत ठकुराइन तालाब में बुधवार की सुबह एक हृदयविदारक घटना सामने आई। कर्ज और मानसिक तनाव से जूझ रहे एक 28 वर्षीय युवक ने तालाब में छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 6:30 बजे एक युवक संदिग्ध अवस्था में तालाब के पास पहुंचा और अचानक गहरे पानी में छलांग लगा दी। वहां मौजूद लोग जब तक कुछ समझ पाते और उसे बचाने का प्रयास करते, तब तक युवक गहरे पानी में समा चुका था। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला और तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया। मृतक की पहचान कुड़ू हाताटोली निवासी संतोष सिंह के पुत्र बिट्टू कुमार सिंह 28 वर्ष के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, बिट्टू लोहरदगा स्थित शारदा हार्डवेयर में काम करता था। परिजनों और सूत्रों से मिली प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बिट्टू पिछले काफी समय से कर्ज के भारी बोझ से दबा हुआ था। आर्थिक तंगी और देनदारों के दबाव के कारण वह गहरे मानसिक तनाव में रह रहा था। आशंका जताई जा रही है कि इसी हताशा में उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन हर पहलू से जांच की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर युवाओं में बढ़ते मानसिक तनाव और आर्थिक दबाव के गंभीर मुद्दे को सामने ला दिया है। युवक की असामयिक मृत्यु से उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

उपायुक्त संदीप कुमार मीणा से मिले पंचायत प्रतिनिधि, पंचायत कर गोइठ और विकास योजनाओं पर हुई चर्चा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगाः जिले के नव पदस्थापित उपायुक्त संदीप कुमार मीणा से आज लोहरदगा जिले के विभिन्न पंचायतों के मुखिया, उप-मुखिया और पंचायत सचिवों ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने उपायुक्त को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया और जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधियों ने उपायुक्त के समक्ष पंचायतों की विभिन्न समस्याओं को रखा। उन्होंने मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जिले में अधूरी पड़ी जलापूर्ति योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करना। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करना। ग्रामीण

संवाद के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को नियमित रूप से जारी रखना। विभिन्न लंबित विकास योजनाओं के माध्यम से पंचायतों का समुचित विकास सुनिश्चित करना।

उपायुक्त का संकल्पः हर गांव तक पहुंचेगा विकासः जनप्रतिनिधियों की बातों को सुनने के बाद उपायुक्त संदीप कुमार मीणा ने आश्वासन दिया कि प्रशासन पंचायतों के साथ-साथ पूरे लोहरदगा जिले के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा पंचायत कर गोइठ कार्यक्रम को नियमित रखा जाएगा ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। जल नल योजना की वस्तुस्थिति की समीक्षा कर कार्य को गति दी जाएगी और स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। मैं स्वयं पंचायतों और गांवों का दौरा कर यह सुनिश्चित करूंगा कि विकास की किरण अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इस बैठक में जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष बासदेव उराँव और सचिव परमेश्वर महली के नेतृत्व में बड़ी संख्या में प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें मुखिया धनेश्वरी उराँव, राजकिसन उराँव, अनिल उराँव, कैली उराँव, सुमंती तिग्गा, सुनील लकड़ा, सुषमा देवी, चेमनी टोप्पो, रवि उराँव, इंद्रदेव उराँव, चमरा उराँव, कुलदीप तिर्की, सुमित्रा कुमारी, सुखमनी टोप्पो, ललिता उराँव और राजमणि देवी शामिल थीं। साथ ही बडकी चाँपि पंचायत की उप-मुखिया हेना तिवारी, जिन्गी पंचायत के उप-मुखिया लाल सूरज नाथ शाहदेव, पंचायत सचिव रउफ अंसारी, अजय उराँव, निर्मला कुमारी, महफूज अंसारी, सामाजिक कार्यकर्ता रोजामत अंसारी, लाल उपेंद्र नाथ शाहदेव और मनीष शर्मा सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

भंडरा में प्रमंडलीय बैठकः नारी शक्ति वंदन विधेयक पर विपक्ष के घेराव हेतु रांची में उबलेगा आक्रोश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भंडरा/लोहरदगाः स्थानीय प्रखंड मुख्यालय में आज उत्तरी और दक्षिणी प्रमंडल की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें नारी शक्ति वंदन विधेयक को लेकर विपक्ष के रुख पर कड़ा ऐतराज जताया गया। बैठक में मुख्य रूप से केंद्र सरकार द्वारा पारित महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन न करने वाले विपक्षी दलों के विरुद्ध रांची में आयोजित होने वाली विशाल आक्रोश रैली की रणनीति पर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एक ओर केंद्र सरकार ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में लाने का ऐतिहासिक कार्य किया

है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने इसमें अड़ंगेबाजी कर अपनी महिला विरोधी मानसिकता का परिचय दिया है। वक्ताओं ने दो टूक शब्दों में कहा कि नारी शक्ति का सम्मान ही देश का वास्तविक सम्मान है और जो दल इस गौरवपूर्ण विधेयक के विरोध में खड़े रहे हैं, उन्हें जनता के बीच बेनकाब किया जाएगा। आगामी आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए प्रखंड स्तर पर व्यापक योजना तैयार की गई है। बैठक में निर्णय लिया गया कि उत्तरी और दक्षिणी प्रमंडल के पदाधिकारी बूथ स्तर तक जाकर जनसंपर्क करेंगे और प्रत्येक गांव से कार्यकर्ताओं व महिलाओं की भारी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए अलग-अलग पंचायतों में विशेष टोलियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो कार्यकर्ताओं के रांची कूच का नेतृत्व करेंगी। बैठक के समापन पर नेताओं ने एकजुटता प्रदर्शित करते हुए कहा कि रांची की यह आक्रोश रैली विपक्ष के लिए एक कड़ा संदेश होगी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, दोनों प्रमंडलों के अध्यक्ष, सांगठनिक पदाधिकारी और बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं, जिन्होंने इस मुहिम को घर-घर तक ले जाने का संकल्प लिया।

आदिवासी कर्मचारी समिति ने उपायुक्त से की शिष्टाचार मुलाकात

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगाः जिले के प्रशासनिक गलियारे में बुधवार को उस समय सौहार्दपूर्ण माहौल दिखा, जब आदिवासी कर्मचारी समिति का एक प्रतिनिधिमंडल नव-पदस्थापित उपायुक्त संदीप कुमार मीणा से मिलने उनके कार्यालय पहुँचा। इस शिष्टाचार मुलाकात का मुख्य उद्देश्य नए उपायुक्त का स्वागत करना और जिले के विकास में सकारात्मक सहयोग सुनिश्चित करना था। मुलाकात के दौरान समिति के सदस्यों ने उपायुक्त को बुके भेंट कर उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर अपनी प्रतिबद्धता

जताई, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुँच सके। उपायुक्त ने भी समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जिले की बेहतरी के लिए मिलकर कार्य करने का आश्वासन दिया। यह मुलाकात प्रशासनिक कामकाज में जनभागीदारी और आपसी तालमेल की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है। इस अवसर पर किशोर उरांव, प्रभा उरांव, बिफई उरांव और विनोद उरांव सहित समिति के कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अगर आपके पास हैं स्किल्स तो बिना डिग्री के नौकरी मिल सकती है

जब भी हम किसी जगह जॉब के लिए इंटरव्यू देने के लिए जाते हैं तो सबसे पहला सवाल यह होता है कि हमने किस विषय में डिग्री ली है । यह आम सी बात है कि अगर आपको किसी फील्ड में जॉब चाहिए, तो आपके पास डिग्री या फिर डिप्लोमा दोनों में से कुछ न कुछ होना चाहिए, लेकिन कुछ नौकरियां ऐसी भी हैं, जिनमें डिग्री की जरूरत नहीं पड़ती है। अगर आपके पास कम्यूनिकेशन, प्लानिंग, स्ट्रेटजी जैसे थोड़े से भी स्किल्स हैं तो बिना डिग्री के नौकरी मिल सकती है। आज हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी जॉब्स के बारे में जिन्हें पाने के लिए आपको किसी डिग्री की जरूरत नहीं हैं।

सोशल मीडिया मैनेजर

सोशल मीडिया मैनेजर नए जमाने की क्रिएटिव जॉब है। एक सोशल मीडिया मैनेजर को ट्विटर, फेसबुक और लिंक्डइन जैसी साइट्स पर अपनी कंपनी का स्टेटस अपडेट लिखना, प्रमोशन कंटेंट बनाना, सवालों के जवाब देना और कमेंट्स का रिप्लाई करना जैसे काम करने होते हैं। अगर आपके भी क्रिएटिव हैं और लिखना पसंद करते हैं, तो ये जॉब के लिए बेस्ट साबित होगी।

कस्टमर सपोर्ट

अगर किसी भी कंपनी को बाजार में अपना प्रोडक्ट चलाना है तो इसके लिए कस्टमर को संतुष्ट करना सबसे जरूरी है। कस्टमर सपोर्ट एक ऐसा ही प्रोफेशन है जो कस्टमर्स का पूरा ख्याल रखने के लिए ही बना है। अगर आपके पास अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल्स हैं तो आप इसमें अपना करियर बना सकते हैं।

जूनियर डेवलपर

अगर टेक्निकल फील्ड में बिना डिग्री के करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आप बतौर जूनियर डेवलपर जॉब कर सकते हैं। जूनियर डेवलपर्स उन वेबसाइट्स और एप्लीकेशंस के कोड बनाने में अहम योगदान अदा करते हैं, जिनका हम रोजाना इस्तेमाल करते हैं। एक जूनियर डेवलपर बनने के लिए आपको एचटीएमएल और सीएसएस, जावा स्क्रिप्ट, पीएचपी, रूबी और पाइथन जैसी प्रोग्रामिंग लैंगवेज की समझ होनी चाहिए।

मोबाइल एप्प डिजाइनर

डिजाइनिंग का शौक रखने वाले लोग मोबाइल एप्प डिजाइनर के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। इस नौकरी को पाने के लिए आपके पास डिजाइन प्रिंसिपल और पैटर्न्स की अच्छी समझ होनी चाहिए। साथ ही विजुअल कम्यूनिकेशन स्किल्स भी होने चाहिए।

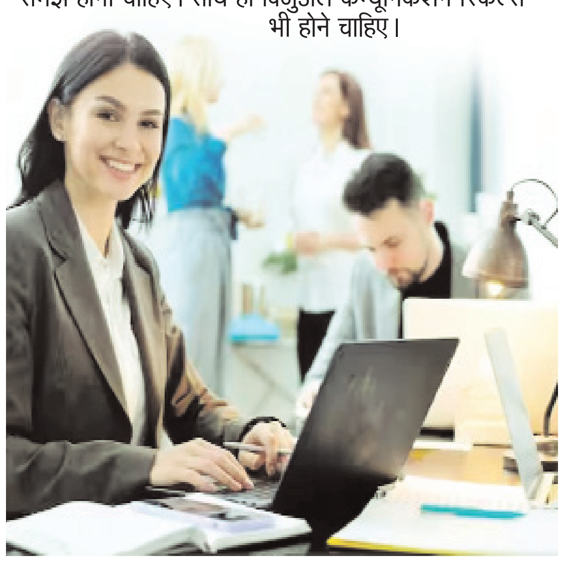

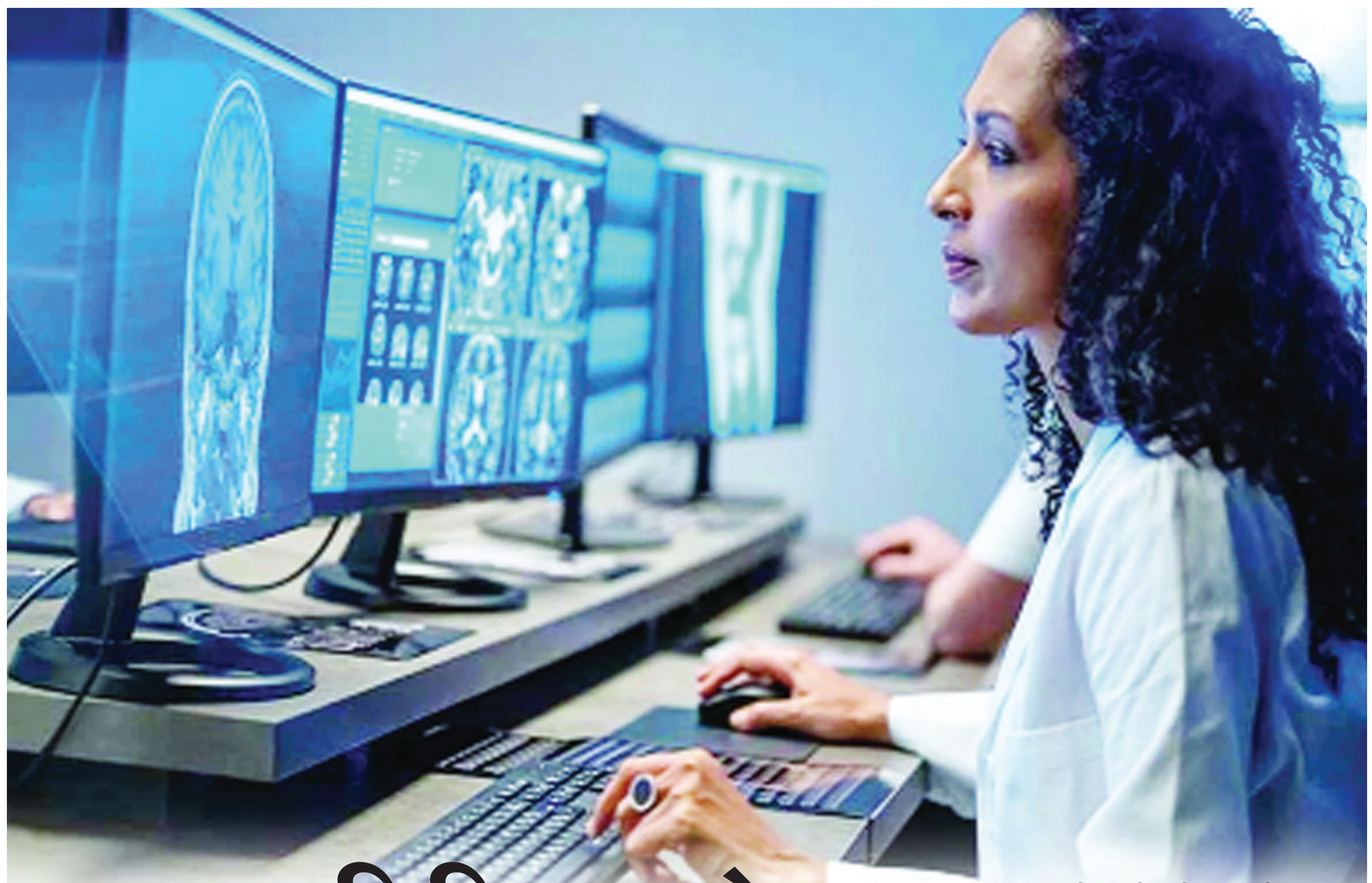

डाटा एनालिटिक्स को करियर के तौर पर चुनें कर अच्छी कमाई सकते हैं

अगर आपको भी टेक्नोलॉजी से लगाव है और कोडिंग आदि में रुचि रखते हैं तो आप डाटा एनालिटिक्स को करियर के तौर पर चुन सकते हैं। आने वाले समय में इस कोर्स को लेकर काफी डिमांड भी बढ़ी है। इसमें आप अपना करियर बनाकर अच्छी कमाई कर सकते हैं।

आजकल के दौर में डाटा एनालिटिक्स विषय महत्वपूर्ण कोर्सेज में से एक है। डाटा एनालिटिक्स कोर्स को ऑनलाइन भी किया जा सकता है। बता दें कि इस क्षेत्र में करियर संबंधी भी संभावनाएं भी काफी है। एक समय पर इन कोर्सों को करने के लिए स्टूडेंट्स को ऑफलाइन संस्थानों में जाना पड़ता था। लेकिन अब आप इन कोर्सेज को घर बैठे ऑनलाइन भी कर सकते हैं। इसके अलावा आप इस कोर्स को टॉप संस्थानों से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भी पढ़ सकते हैं और वह एकदम फ्री में। ऑनलाइल कोर्स करने के लिए आपको किसी तरह की फीस नहीं देनी होती है।

हालांकि जब आप इस कोर्स को कम्प्लीट कर लेते हैं तो सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए आपको रुपए देने होते हैं। ऐसे में अगर आप भी डाटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ फ्री कोर्स के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप डाटा एनालिटिक्स में अपनी स्किल्स डेवलप कर सकते हैं।

अप्लाइड बायेसियन फॉर एनालिटिक्स
संस्थान का नाम – आईआईएम बैंगलोर
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 11,974 रुपये

डाटा फॉर बेटर लाइफ – न्यू सोशल कॉन्ट्रैक्ट
संस्थान का नाम – वर्ल्ड बैंक ग्रुप
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 388 रुपये

डाटा फॉर बेटर लाइफ – न्यू सोशल कॉन्ट्रैक्ट सेल्फ पेस्ड
संस्थान का नाम – वर्ल्ड बैंक ग्रुप
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 388

इंट्रोडक्शन टू डाटा एनालिटिक्स फॉर मैनेजर
संस्थान का नाम – यूएम–एन आर्बर
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 3,987 रुपये

हरिकेन ट्रैकिंग विद सेटेलाइट डाटा
संस्थान का नाम – फ्यूचरलर्न के माध्यम से स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय ग्लासगो
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि– 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 1,849 रुपये

डाटा एनालिटिक्स बेसिक फॉर एवरीवन
संस्थान का नाम – आईबीएम
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 7,541 रुपये

फंडामेंटल ऑफ टाइनीएमएल
संस्थान का नाम – हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 16,203 रुपये

डाटा एनालिटिक्स इन अकाउंटिंग एंड फाइनेंस
संस्थान का नाम – हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी, हांगकांग
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 7,683 रुपये

डाटा एनालिटिक्स फॉर लीन सिक्स सिगमा
संस्थान का नाम – कोर्सेरा के माध्यम से यूवीए एम्स्टर्डम
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 2,188 रुपये

डाटा एनालिटिक्स इन स्पोर्ट्स मैनेजमेंट
संस्थान का नाम – कोर्सेरा के माध्यम से सनी
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 2,188 रुपये

एनालिटिक्स फॉर डिजाइन मेकिंग
संस्थान का नाम – बाबसन कॉलेज,वेलेस्ले
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 4 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 18,887 रुपये

एजाइल एनालिटिक्स
संस्थान का नाम – यूवीए चार्लेट्सविले
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 4 सप्ताह

डाटा एनालिटिक्स करियर गाइड एंड इंटरव्यू प्रिपरेशन
संस्थान का नाम –आईबीएम
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 4 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – उपलब्धता नहीं

गेटिंग स्टार्टड विद लेटर्स फॉर बिगनर्स ऑन एडब्ल्यूएस
संस्थान का नाम – अमेज़न वेब सेवाएं
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 1 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 3,806 रुपये

डाटा समार्ट फॉर बीगनर्स
संस्थान का नाम – जिगसाव अकादमी
कोर्स की फीस – फ्री
सर्टिफिकेट की फीस – उपलब्धता नहीं है

इंटरव्यू के दौरान इंटरव्यूर से न हों फ्रेंडली

कई बार ऐसा होता है कि रिटर्न एग्जाम क्लीयर करने के बाद किसी जॉब के लिए आपको चुन लिया जाता है और इंटरव्यूर आपको कहता है कि अब आपको फाइनल इंटरव्यू के लिए आना है। जब भी कोई इंटरव्यूर आपसे ये बात कहता है, इसे सुनते ही आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता होगा, लेकिन फाइनल इंटरव्यू के लिए चुने जाने का ये मतलब नहीं है कि आपका सेलेक्शन पक्का हो गया है। हमेशा फाइनल इंटरव्यू को भी उतनी ही गंभीरता से लेना सीखें, जितना की इंटरव्यू के अन्य लेवल को लेते हैं। आज हम आपको बता रहे ऐसी बातों के बारे में जो आपको फाइनल इंटरव्यू के दौरान या उससे पहले कभी नहीं करनी चाहिए

ड्रेसिंग सेंस

जब भी आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं, तो अपने ड्रेसिंग सेंस का विशेष रूप से ध्यान रखें। लोग अक्सर सोचते हैं कि फाइनल इंटरव्यू के लिए बुलाने का मतलब नौकरी पक्का होना होता है, लेकिन फाइनल इंटरव्यू के दौरान भी नियोक्ता आपको परखने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। इसलिए फाइनल इंटरव्यू के लिए कभी कैजुअल ड्रेस में न जाएं और इंटरव्यू का ड्रेस कोड हमेशा फॉलो करें।

दोस्तों से न करें

उम्मीदवार फाइनल इंटरव्यू की बात सुनते ही पार्टी मोड में आ जाते हैं और बिना कोई समय गंवाए, अपने दोस्तों और करीबियों से अपने खुशी साझा करने लगते हैं। खुशी के पल दोस्तों के साथ साझा करना गलत बात नहीं है, लेकिन हमेशा कोशिश करनी चाहिए कि जब तक काम पूरा न हो जाए, बात अपने तक ही रखी जाए। नियोक्ता कई बार फाइनल इंटरव्यू में आपके सामने ऐसे सवाल रखते हैं, जिनका जवाब आपके पास नहीं होता है और अवसर आपकी चौखट तक आने के बाद भी वापस लौट जाता है। इसलिए जब तक सेलेक्शन फाइनल न हो जाए पार्टी करने के बारे में न ही सोचें।

इंटरव्यूर से न हों फ्रेंडली

हमेशा एक बात का ध्यान रखें कि जब भी आप इंटरव्यू देने जाए इस दौरान अनुशासन में रहें। कोई भी इंटरव्यूर आपका दोस्त नहीं होता है।अगर आप किसी इंटरव्यू को पहले से जानते भी हैं, तब भी इंटरव्यू के दौरान उसके साथ ज्यादा फ्रेंडली होने की कोशिश न करें। फाइनल इंटरव्यू के लिए बुलाए जाने पर ज्यादातर उम्मीदवार कैजुअल बर्ताव करते हैं, लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपका सेलेक्शन हो और आपको फाइनल इंटरव्यू में रिजेक्ट न किया जाए, तो इसके लिए कभी भी नियोक्ता से इस दौरान ज्यादा फ्रेंडली न हों और डेकोरम बनाए रखें।

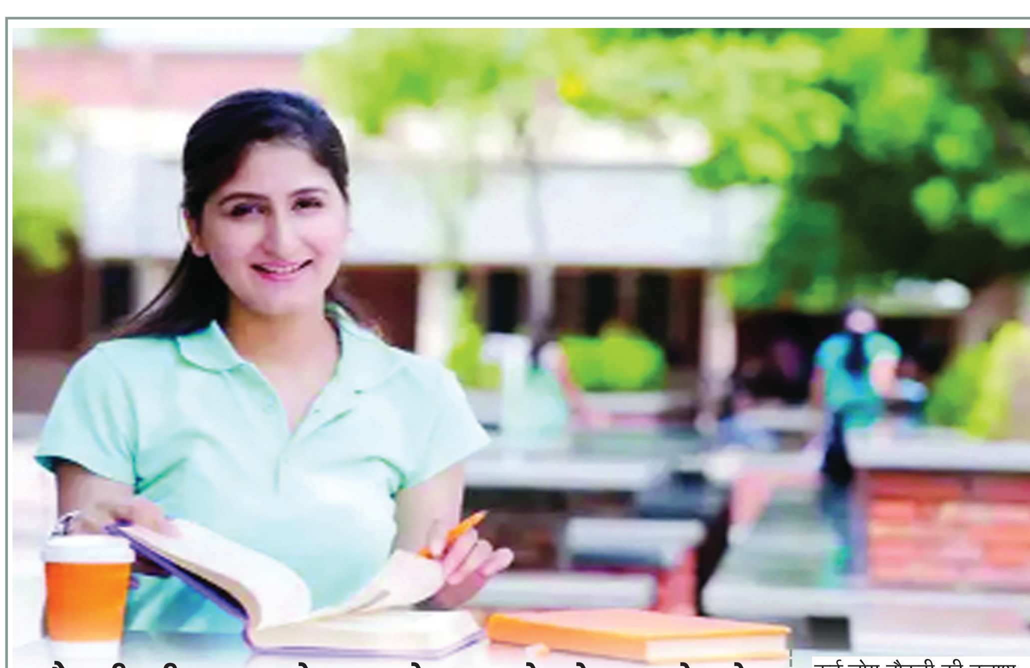

कम निवेश में करके भी कमा सकते हैं ज्यादा मुनाफा

नौकरी की तलाश में भटकते-भटकते परेशान हो चुके हैं? आज इस आर्टिकल से जरिए हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम निवेश में करके ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं।

कई लोग नौकरी की तलाश में इधर–उधर भटकते हैं। इसके बाद भी उन्हें सफलता नहीं मिल पाती। ऐसे में परेशान होने के बजाय आप खुद का बिजनेस शुरूकर हर महीने अच्छी–खासी कमाई कर सकते हैं। बता दें कि बिजनेश की शुरूआत करने के लिए आपको ज्यादा पैसों की भी जरूरत नहीं होगी। इन बिजनेस को आप 2 से 5 लाख रुपए में शुरूकर सकते हैं। इन बिजनेस से आपकी अच्छी खासी कमाई भी हो जाएगी और आपकी नौकरी की तलाश भी खत्म हो जाएगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको इन बिजनेस के बारे में बताने जा रहे हैं।

जिम या फिटनेस सेंटर

आज के दौर में हर व्यक्ति खुद को फिट और हेल्दी रखना चाहता है। वहीं बढ़ते पाल्यूशन और भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर अधिक जागरूक होते जा रहे हैं। वहीं कई लोग खुद को फिट रखने के लिए जिम और योगा भी करते हैं। इसलिए अब न केवल मेट्रो शहरों बल्कि छोटे–छोटे शहरों में भी जिम या फिटनेस सेंटर की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। आपको बता दें कि आप भी 5 लाख रुपए के निवेश से एक छोटा सा जिम शुरू कर सकते हैं। वहीं अधिक से अधिक लोगों के ज्वाइन करने पर आप इसका विस्तार भी कर सकते हैं।

डिस्पोजेबल पेपर प्लेट, कप, दोने बनाना

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि शादियों, जन्मदिन समारोह और व्यावसायिक आयोजनों में लोगों द्वारा डिस्पोजेबल कप और प्लेट का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं इन चीजों की ऑफिस आदि में भी जरूरत होती है। वहीं लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। जिस कारण लोग प्लास्टिक प्लेट, कप, गिलास यूज करने की जगह पेपर से बनी इन चीजों का इस्तेमाल करना अधिक पसंद करते हैं। ऐसे में आप भी इस बिजनेस को आसानी से शुरूकर सकते हैं। इनको बनाने वाली मशीनें आपको 5 लाख से कम के निवेश में एक मशीन आसानी से मिल जाएंगी।

पेस्ट कंट्रोल बिजनेस

अधिकतर घरों में तिलचट्टे, उड़ने वाले कीड़े और अन्य कीड़े पाए जाते हैं। यही कीड़े फसलों और सब्जियों को नष्ट कर देते हैं। इसलिए कीड़ों से बचाव के लिए लोग पेस्ट कण्ट्रोल सेवाओं की खोज करते हैं। ऐसे में बहुत से लोग उपकरण और कीटनाशकों का उपाय खोजते हैं। जो इन कीड़ों और चूहों आदि के नुकसान से बचा सके। कीटों को खत्म करने के संसाधनों और रासायनिक स्प्रे में निवेश कर सकते हैं। इस दौरान रेस्तरां, पब, कॉर्पोरेट कार्यालय, फर्म्स, होटल, हाउसिंग सोसाइटी और अन्य आपके उपभोक्ता हो सकते हैं। इस बिजनेस को भी आप 5 लाख के निवेश से शुरू कर सकते हैं।

फोटो स्टूडियो सर्विसेज

फोटोग्राफी के स्टाइल में पहले से काफी चेंज आया है। आजकल लोग शादी, बच्चों, प्री–वेडिंग, प्रेग्नेंसी शूट, जन्मदिन आदि की अच्छी फोटोग्राफी करवाते हैं। वहीं कुछ लोग हर पल को कैमरे में कैद करना चाहते हैं। इसके लिए लोग पैसै भी खर्च करने के लिए तैयार रहते हैं। इसलिए फोटोग्राफी के बिजनेस में आप हाथ आजमा सकते हैं। हालांकि इस काम को शुरू करने के लिए आपके पास पेशेवर कौशल का होना काफी जरूरी है। अगर आपको भी यूनिक तरीके से फोटो क्लिक करने का शौक है तो आप इस फील्ड में अपनी शुरूआत कर सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

बता दें कि किसी भी क्षेत्र में अपना काम शुरू करने से पहले उस पेशे की सारी डिटेल्स होना जरूरी है। जिस भी काम को आप शुरू करने जा रहे हैं। उसे कैसे करते हैं, आगे कैसे बढ़ाते है इन सबकी बारीक जानकारी होने के बाद ही आप किसी भी काम को करें। क्योंकि अगर आपको अपने काम की नॉलेज नहीं होगी तो आप ज्यादा समय तक किसी भी फील्ड में अपने पांव नहीं टिका कर रख सकते हैं। कॉम्पटीशन के दौर में कुछ अलग और हटके काम करना आपको एक अलग पहचान देता है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में दर्दनाक हादसा, बुआ की शादी का सामान लाने जा रहे 2 भतीजों की मौत

औरंगाबाद, एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद स्थित मदनपुर थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां शादी वाले घर में दो लोगों की मौत से मातम पसर गया है। बताया जा रहा है कि घर में बुआ की शादी की तैयारी चल रही थी। उसी का सामान लाने बाजार जा रहे दो भतीजों की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि अन्य तीन गंभीर रूप से घायल हैं। जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र स्थित सढ़ईल और रानीकुआं गांव के बीच जीटी रोड एनएच 19 पर मंगलवार दोपहर ये हादसा हुआ। मृतकों की पहचान मदनपुर थाना क्षेत्र के ही सढ़ईल गांव निवासी 22 वर्षीय आतिश उर्फ युवराज सिंह और हर्षित कुमार उर्फ अर्थ के रूप में हुई है। वहीं घायलों में उत्कर्ष कुमार, उमंग कुमार तथा सढ़ईल गांव के पियूष शामिल हैं। तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। परिजनों के मुताबिक सोमवार रात में सभी परिवार और रिश्तेदारों के साथ गया जिले के बेलवां गांव में तिलक चढ़ाकर लौटे थे। सुबह से ही शादी की तैयारी शुरू हो गई थी। बच्चे सब्जी और अन्य सामान लाने शिवगंज बाजार जा रहे थे। गांव से करीब 1 किलोमीटर आगे जीटी रोड पर पहुंचते ही कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी।

26 अप्रैल को 7 घंटे तक यहां पर रेल परिचालन रहेगा ठप

मुंगेर, एजेंसी। पूर्व रेलवे के मालदा मंडल अंतर्गत जमालपुर-किऊल रेलखंड में 26 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित मेगा ब्लॉक के कारण रेल यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। रेलवे प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस दिन सुबह 7 :30 बजे से दोपहर 2 :30 बजे तक लगभग 7 घंटे के लिए अप और डाउन दोनों लाइनों पर ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया जाएगा। जानकारी देते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम मांझी ने बताया कि जमालपुर-किऊल खंड के अभयपुर और कजरा स्टेशनों के बीच स्थित लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 26 और 27 को हटाकर वहां आरसीसी बॉक्स और स्लैब लगाने का कार्य किया जाएगा। यह कार्य रेलवे ट्रैक की सुरक्षा और सुचारू संचालन के लिए बेहद जरूरी बताया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्य के पूरा होने के बाद इस सेक्शन में ट्रेनों की आवाजाही और भी सुरक्षित और बेहतर होगी। सीपीआरओ शिबराम मांझी ने बताया कि इस मेगा ब्लॉक का सबसे ज्यादा असर लोकल और पैसेंजर ट्रेनों पर पड़ेगा।

जेईई मेन में बिहार के शुभम कुमार बने टॉपर, देश के 26 टॉपर्स में शामिल

गया, एजेंसी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन पेपर 1 (बीई-बीटेक) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। इस साल के रिजल्ट कई मायनों में ऐतिहासिक और चौंकाने वाले रहे हैं। इस बार देशभर के 26 छात्रों ने 100 पर्सेंटाइल (परफेक्ट स्कोर) हासिल किया है। बिहार के गया जिले के शुभम कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बिहार टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है। राष्ट्रीय स्तर पर शुभम को छठा स्थान मिला है। शुभम का प्रदर्शन लगातार बेहतरीन रहा है। पहले सेशन में भी उन्होंने ऑल इंडिया तीसरा रैंक हासिल किया था और बिहार में पहले स्थान पर रहे थे। शुभम कुमार की सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। शुभम का सपना देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी मुंबई से कंप्यूटर साइंस में पढ़ाई करने का है। 26 में से 24 जनरल वर्ग के टॉपर - राज्यों की बात करें तो दिल्ली के श्रेयस मिश्रा और आंध्र प्रदेश के नरेंद्रबाबू जैसे छात्र टॉपर्स लिस्ट में शामिल हुए। वहीं राजस्थान से सबसे ज्यादा टॉपर निकले हैं। करीब 8 लाख छात्रों ने दोनों सत्रों में परीक्षा दी थी। जिसमें पहले सेशन में 12 छात्र टॉप स्कोरर रहे। जबकि, दूसरे सेशन में 14 छात्र 100 पर्सेंटाइल लाए। 100 पर्सेंटाइल पाने वाले 26 छात्रों में से 24 सामान्य (अनारक्षित) वर्ग से हैं। पिछले साल यानी 2025 में भी 24 छात्रों ने 100 पर्सेंटाइल हासिल किया था।

जहानाबाद में टोल प्लाजा पर गोलीबारी, दो युवक घायल

जहानाबाद, एजेंसी। सोमवार की देर रात जहानाबाद में एनएच-22 (पटना-गया मार्ग) पर सेरथुआ के पास टोल प्लाजा पर गोलीबारी की घटना हुई। इस मामले में दो युवक घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल युवकों ने गोलीबारी का आरोप टोल प्लाजा के कर्मियों पर लगाया है। घायलों में उमराई बीघा के ग्यानी और नियाजीपुर के रोहित कुमार शामिल हैं। एक अन्य युवक मारपीट में जख्मी बताया जाता है। घायलों के अनुसार, सोमवार की रात उमराई बीघा से बारात मसौढ़ी जा रही थी। टोल प्लाजा पार करने के दौरान किसी बात को लेकर बारात में शामिल लोगों और टोल प्लाजा कर्मियों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद देखते ही देखते मारपीट होने लगी। इसी दौरान किसी ने फायरिंग कर दी, जिसमें गोली लगने से दो लोग घायल हो गए। आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

प्रदेश में भीषण गर्मी, अस्पतालों में बढ़े मरीज

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार में अप्रैल की गर्मी अभी से मई-जून जैसी महसूस हो रही है। तेज धूप और हीट वेव के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई है। बीते सप्ताह, मुजफ्फरपुर के औराई निवासी नरेंद्र कुमार रोजाना की तरह काम पर निकले थे, लेकिन तेज धूप लगने के कारण वह बीमार पड़ गए। उन्हें चार दिनों तक नर्सिंग होम में भर्ती रहना पड़ा। अब डॉक्टरों ने उन्हें धूप में न निकलने की सख्त सलाह दी है।

'मैं काम के लिए निकला था, इसी दौरान तेज धूप की वजह से तबीयत बिगड़ गई। मुझे चार दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। वहां 8-9 बोतल सलाइन और इंजेक्शन लगने के बाद छुट्टी मिली। डॉक्टर ने अब एक सप्ताह की दवा के साथ बेड रेस्ट की सलाह दी है।' -नरेंद्र कुमार, पीड़ित

35 डिग्री पहुंचा तापमानः राज्य में बदलते मौसम का असर साफ दिखाई दे रहा है। मुजफ्फरपुर में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। लू और गर्म हवाओं का असर आम जनजीवन पर पड़ रहा है, जिससे सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ रही है।

ओपीडी में मरीजों की लंबी कतारेंः जिले के सदर अस्पताल और एसकेएमसीएच के ओपीडी काउंटर पर मरीजों की लंबी लाइनें लग रही हैं। दोनों अस्पतालों में रोजाना लगभग एक हजार मरीज पहुंच रहे हैं, जो गर्मी जनित बीमारियों से पीड़ित हैं। इनमें सर्दी-खांसी के साथ-साथ हीटस्ट्रोक, डिहाइड्रेशन, फूड पॉइजनिंग, डायरिया, टाइफाइड, पीलिया और त्वचा संबंधी बीमारियों के मरीज सबसे अधिक हैं।

बदलते मौसम से बढ़ी परेशानीः जिले के बोचहां से इलाज कराने आए श्रवण कुमार ने बताया कि तेज धूप और मौसम में आए अचानक बदलाव के कारण उन्हें सर्दी, खांसी और बुखार की समस्या हो गई है। पिछले चार दिनों से वे काफी परेशान थे, जिसके बाद अब सदर अस्पताल में अपना इलाज करा रहे हैं। उनका कहना है कि 'जिले में इन दिनों धूप की तपिश बहुत अधिक बढ़ गई है।'

बच्चों में बढ़ी उल्टी-दस्त की शिकायतः बदलते मौसम और बढ़ती गर्मी की मार सिर्फ वयस्कों पर ही नहीं, बल्कि बच्चों पर भी पड़ रही है। बच्चों में तेज बुखार, उल्टी और दस्त की शिकायतें अधिक देखी जा रही हैं। अपने 15 वर्षीय बेटे का इलाज कराने पहुंचे राजीव कुमार ने बताया, 'मौसम बदलने के कारण बच्चे को अचानक बुखार और उल्टी-दस्त शुरू हो गए। डॉक्टरों ने उसे ओआरएस देने और धूप से पूरी तरह बचाने की सलाह दी है।'

मई-जून में एईएस और लू का खतराः अभी गर्मी की शुरुआत है, इसलिए मरीजों की संख्या रोजाना एक हजार के करीब है। जानकारों का मानना है कि मई-जून आते-आते अस्पतालों में मरीजों दो से तीन गुणा पहुंच जाता है। उस समय लू के साथ-साथ चमकी बुखार से ग्रसित मरीजों की संख्या भी बढ़ जाती है। बच्चे, बुजुर्ग और युवा सभी हीट वेव की चपेट में आ जाते हैं। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

लू लगने का कारणः अत्यधिक गर्मी, तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण जब शरीर खुद को ठंडा नहीं रख पाता और शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है, तो उसे 'लू लगना' कहते हैं। इस मौसम में धूप में निकलने पर इसका खतरा सबसे ज्यादा होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच लू लगने की संभावना सबसे अधिक होती है।

लू के लक्षण और बचाव के उपायः लू लगने के कई प्रमुख लक्षण हैं, जिनमें तेज बुखार, उल्टी-दस्त, शरीर का अत्यधिक गर्म होना, आंखों में पीलापन और पेशाब का गाढ़ा व पीला होना शामिल है। इससे बचाव का सबसे प्रभावी तरीका सतर्कता है। डॉक्टरों की सलाह है कि दोपहर के समय बाहर निकलने से बचें। सिर को सफेद कपड़े से ढककर या छाता लेकर निकलें। हमेशा पानी पीकर निकलें और साथ में पानी की बोतल जरूर रखें। छाछ, लस्सी, नारियल पानी, खीरा और तरबूज का अधिक सेवन करें।

मुजफ्फरपुर में एईएस का खतराः मई और जून के महीनों में बढ़ती गर्मी के साथ एईएस का खतरा भी बढ़ जाता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में इसके मामलों में कमी देखी गई है। जिला स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2019 में एईएस के कुल 439 मरीज मिले थे, जिनमें से 104 की मौत हो गई थी। बाद स्थिति में सुधार हुआः 2020 में 5, 2021 में 5, 2022 में 8 और 2023 में 14 मरीज मिले। राहत की बात यह है कि 2024 में एक भी केस सामने नहीं आया। 2025 में भी स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही।

नोटिस से डर नहीं लगता।।', महिला आयोग की कार्रवाई पर भड़के पप्पू यादव

पटना, एजेंसी। बिहार महिला आयोग की ओर से जारी नोटिस को लेकर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी। कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है। वह महिलाओं के खिलाफ नहीं, बल्कि राजनीति में होने वाले कथित शोषण के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। वे इन दिनों लगातार महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं, जो कायदे से महिला आयोग को करना था। इस मुद्दे को मैंने सदन के पटल पर भी रखा, जो सरकारी आंकड़े, मीडिया रिपोर्ट्स के साथ बीजेपी नेता सुब्रह्मण्य स्वामी और मधु आदि के बयानों से संदर्भित था।

'हमने मुद्दा उठाया।।' : सांसद पप्पू यादव ने कहा कि उन्होंने अपने बयान में यह मुद्दा उठाया था कि राजनीति में आने वाली महिलाओं को कई बार शोषण का सामना करना पड़ता है और इसी संदर्भ में उन्होंने टिप्पणी की थी। उनका कहना है कि इस मुद्दे पर पहले भी कई सामाजिक और राजनीतिक मंचों पर चर्चा हो चुकी है, लेकिन उनके बयान को अलग तरीके से पेश कर विवाद खड़ा किया गया। मुजफ्फरपुर शेल्टर हाउस मामले में क्या हुआः पप्पू यादव ने कहा कि सहरसा, पूर्णिया, मुजफ्फरपुर समेत बिहार के तमाम हिस्सों में रहे बेटियों पर यौन अपराध के मुद्दे पर आयोग की भूमिका क्या रही क्या कभी इन्होने संज्ञान लिया और अगर लिया तो उसका परिणाम क्या रहा आज जब महिलाओं पर अत्याचार होता है, तब सिर्फ पप्पू यादव ही उनकी ढाल बनते हैं। उन्होंने कहा कि शिल्पी गौतम से लेकर मुजफ्फरपुर शेल्टर हाउस एवं राज्य के एप्स्टीन मामले में महिला आयोग की निष्क्रियता क्यों है

महिलाओं के खिलाफ अपराध एक गंभीर मुद्दाः पप्पू यादव ने महिला सुरक्षा से जुड़े कई मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध एक गंभीर मुद्दा है। इस पर व्यापक स्तर पर चर्चा और कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मणिपुर, शिक्षा संस्थानों और अन्य जगहों पर सामने आए मामलों पर भी उतनी ही गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

बंगाल चुनाव ने बिहार में बिगाड़ी ट्रेनों की सूरत, रेलवे स्टेशन पर उमड़ रही खचाखच भीड़

पटना, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में चल रहे चुनावों का असर अब रेल यातायात पर भी साफ दिखने लगा है। मतदान करने के लिए बड़ी संख्या में लोग ट्रेनों से अपने-अपने क्षेत्रों की ओर जा रहे हैं, जिसके कारण ट्रेनों में खचाखच भीड़ देखने के लिए मिल रही है। पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को वोटिंग होगी। इससे पहले बिहार में ट्रेनों की सूरत बदल गई है।

किशनगंज में ठाकुरगंज स्टेशन पर हालात ऐसे बन गए कि हर रोज सफर करने वाले यात्री ट्रेन में चढ़ ही नहीं पा रहे हैं। सुबह और शाम की ट्रेनों में भारी भीड़ के कारण प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी जैसी स्थिति रही। कई यात्रियों को मजबूरन अगली ट्रेन का इंतजार करना पड़ा, जबकि कुछ लोग बिना सफर किए ही वापस लौट गए।

स्थानीय यात्रियों का कहना है कि चुनाव के समय अतिरिक्त कोच या स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था नहीं होने से आम लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। रोजाना कामकाज के लिए यात्रा करने वाले लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त बोगी या विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

रेलवे यात्रियों की मांग को देखते हुए क्या निर्णय लिया जाता है, यह देखने वाली बात होगी। दूसरी तरफ गर्मी की वजह से ट्रेनों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए कई समर स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की गई है।

प्रशांत किशोर से मिले तेज प्रताप यादव, बोले- 'मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी'

पटना, एजेंसी। बिहार की सियासत में मंगलवार रात एक नई तस्वीर ने हलचल मचा दी है। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे व जनशक्ति जनता दल के नेता तेज प्रताप यादव ने जनसुराज नेता प्रशांत किशोर से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच काफी देर तक चर्चा हुई। इस मुलाकात की तस्वीरें तेज प्रताप ने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर की।

बिहार में नई सियासी हलचल : जेजेडी नेता तेज प्रताप यादव ने जनसुराज नेता के साथ मुलाकात का एक वीडियो अपने सोशल अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियों में दोनों नेता एक दूसरे के साथ गर्मजोशी से मिल रहे हैं। मुलाकात के बाद तेज प्रताप ने कहा कि, आज की ये मुलाकात, केवल औपचारिक नहीं थी।

प्रशांत किशोर से मिले तेज प्रताप यादव : तेज प्रताप यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा- ''आज का दिन राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहा। मेरी मुलाकात प्रशांत किशोर से हुई, जहां हमने जनहित और भविष्य की राजनीति को लेकर गहन चर्चा की।''

सीक्रेट मीटिंग पर क्या बोले तेज प्रताप : प्रशांत किशोर के साथ सीक्रेट मीटिंग पर तेज प्रताप यादव ने लिखा, ''इस दौरान जनता की अपेक्षाओं और बदलते राजनीतिक समीकरणों पर विस्तार से बात हुई। यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी, बल्कि इसमें कई ऐसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ जो आने वाले समय में राजनीति की दिशा तय कर सकते हैं।''

'एक महत्वपूर्ण अनुभव, एक सकारात्मक सोच' : उन्होंने आगे कहा, ''मैं, तेज प्रताप यादव, इस संवाद को अपने राजनीतिक जीवन के एक महत्वपूर्ण अनुभव के रूप में देखता हूं, जहां सकारात्मक सोच और जनसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का संकल्प।''

2025 नवंबर बिहार चुनाव में छुछ्छ की हार : 2025 बिहार विधानसभा चुनाव में तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल को करारी हार का सामना करना पड़ा था। उनकी पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। तेज प्रताप यादव खुद अपनी महुआ सीट भी नहीं बचा पाए थे। इस सीट पर करीब 44 हजार वोटों से एलजेपी (आरवी) के संजय कुमार की जीत हुई थी।

बिहार चुनाव में जनसुराज की भी हुई हार : 2025 बिहार विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज को भी करारी शिकस्त मिली थी। प्रशांत के आक्रामक तेवर और व्यापक प्रचार अभियान वोटों में तब्दील नहीं सका। 243 में से 238 सीटों पर जनसुराज के उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन एक सीट पर सफलता नहीं मिली।

मुलाकात को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा तेज : राजनीतिक विशेषज्ञ अरुण पांडे की माने तो, ''2025 बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों नेताओं को मिली करारी शिकस्त के बाद यह मुलाकात बड़ा राजनीतिक संदेश देने की कोशिश है।

राजगीर रोपवे फिर हुआ शुरू, पहाड़ों के बीच रोमांचक हवाई सफर का ले सकेंगे मजा

राजगीर, एजेंसी। राजगीर में रोपवे के जरिए खूबसूरत वादियों का मजा एक बार फिर पर्यटक ले सकेंगे। लगभग 13 दिनों के बाद पर्यटकों के लिए रोपवे की सुविधा फिर शुरू कर दी गई है। पिछले कुछ दिनों से तकनीकी कारणों और नियमित मेंटेनेंस की वजह से इस पर ब्रेक लगाया गया था। ऐसे में अब पर्यटकों के लिए राहत भरी खबर मानी जा रही है।

रोपवे प्रबंधन की ओर से बताया गया कि सुरक्षा को लेकर जांच और जरूरी सुधार कार्य के पूरा होने के बाद एक बार फिर रोपवे का परिचालन शुरू कर दिया गया है। 8 अप्रैल से 20 अप्रैल तक इस पर ब्रेक लगाया गया था। लेकिन 13 दिनों के दौरान तकनीकी जांच होने और सफलतापूर्वक ट्रायल किए जाने के बाद इसे फिर शुरू कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, अब से कुछ ही दिनों में राजगीर में मलमास मेले का भी आयोजन होने वाला है, जिसमें सिर्फ देश ही नहीं बल्कि दूसरे देशों से भी श्रद्धालु यहां घूमने पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं और टूरिस्टों की भारी उमड़ने की संभावना को देखते हुए रोपवे की सुरक्षा अनिवार्य है और इसी वजह से कुछ दिनों के लिए ब्रेक लगा दिया गया था।

राजगीर का रोपवे न केवल देश का सबसे पुराना रोपवे है, बल्कि यह अपने अनोखे ढांचे और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी प्रसिद्ध है। यह रोपवे सैलानियों को राजगीर की पहाड़ियों के बीच रोमांचक और हवाई सफर कराता है। इससे पर्यटक विश्व शांति स्तूप जैसे दर्शनीय स्थलों तक आसानी से पहुंचते हैं।

रोपवे के फिर संचालन की घोषणा होते ही होटल व्यवसायियों, स्थानीय दुकानदारों और गाइड्स में भी खुशी की लहर दौड़ गई है। इससे पर्यटन को फिर से गति मिलेगी। प्रशासन की ओर से पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापक तैयारियां की गई हैं।

सड़क पर पैदल चल रही थी महिला, बाइक सवार बदमाशों ने गले से छीन ली चेन

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी में अपराधियों के हौसले बुलंद नजर आए हैं। शहर के नगर थाना क्षेत्र के व्यस्त सीताराम चौक पर बुधवार सुबह करीब 8:45 बजे हुई चेन स्नैचिंग की घटना ने पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने न सिर्फ इलाके में दहशत फैला दी है, बल्कि पुलिस-प्रशासन के इकबाल को भी चुनौती दी है।

बाइक सवार ने की महिला से चेन स्नैचिंगः छिनतई का शिकार महिला सुबह अपने किसी काम से सड़क पर जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश अचानक पीछे से आए और झपट्टा मारकर उसके गले से सोने की चेन छीन ली। घटना इतनी तेजी से हुई कि महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

छिनतई के बाद अपराधी फुरारः हालांकि चेन छीनने के बाद महिला ने शोर मचाया लेकिन तब तक अपराधी मौके से फरार हो चुके थे। वहीं, आसपास मौजूद लोग भी कुछ समझ पाते, उससे पहले ही बदमाश आंखों से ओझल हो गए।

मौके पर पहुंची पुलिसः घटना के बाद पीड़ित महिला काफी घबराई हुई नजर आई। स्थानीय लोगों ने उसे संभाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी में जुट गई है।

'सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान कर ली गई है। अगले 24 घंटे के अंदर उनकी गिरफ्तारी कर ली जाएगी। मामले को लेकर प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गई है।

लोगों में आक्रोशः इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

महंगे शौक के चक्कर में देह व्यापार के दलदल में फंसी, अब छापेमारी में होटल से हुई गिरफ्तार

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार की बेगूसराय पुलिस ने जिला मुख्यालय के सुभाष चौक स्थित होटल गणपति में छापेमारी कर एक बड़े देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने पश्चिम बंगाल की रहने वाली 25 वर्षीय महिला, एक ग्राहक और होटल स्टाफ को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में महिला ने अपनी जो आपबीती सुनाई, वह आधुनिक जीवन की चकाचौंध और सोशल मीडिया के खतरों की एक डरावनी तस्वीर पेश करती है।

होटल पर पुलिस का छापाः प्रशासन को गुप्त सूचना मिली थी कि एक होटल में बिना किसी रजिस्टर मेंटेनेंस के बाहर से कॉल गर्ल्स बुलाकर देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही सदर एसडीओ अनिल कुमार और डीएसपी आनंद कुमार पांडेय के नेतृत्व में महिला मजिस्ट्रेट और भारी पुलिस बल ने होटल के 20 कमरों की तलाशी ली। छापेमारी के दौरान महिला को पटना के रहने वाले विक्की कुमार नामक ग्राहक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया।

दो शादियां और महंगे शौक की चाहतः गिरफ्तार महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी पहली शादी 7 साल पहले पश्चिम बंगाल के बारहसात में हुई थी। वहां उसका एक बेटा भी हुआ लेकिन अपने शौक पूरे न होने के कारण उसने पहले पति को छोड़ दिया।

करीब दो साल पहले एक शादी समारोह में उसकी मुलाकात पटना के राहुल से हुई। प्यार के चक्कर में वह अपने बेटे को लेकर राहुल के साथ भागकर पटना आ गई और मंदिर में शादी कर ली। राहुल की 14 हजार रुपये की मासिक आय उसके महंगे कपड़ों और ब्रांडेड मोबाइल के शौक को पूरा करने के लिए नाकाफी थी।

सोशल मीडिया और 'ट्रैप' का शिकारः नौकरी की तलाश के दौरान आंचल सोशल मीडिया पर एक अज्ञात महिला के संपर्क में आई। उस महिला ने पहले आंचल को महंगे गिफ्ट्स और मोबाइल दिलाकर विश्वास में लिया और फिर धीरे-धीरे उसे देह व्यापार के दलदल में धकेल दिया। आंचल ने स्वीकार किया कि वह पिछले एक साल से 'कॉल गर्ल' के रूप में काम कर रही थी।

लड़कियां भी सप्लाई करती थीः पुलिस जांच में आंचल के मोबाइल से कई चौंकाने वाले सबूत मिले हैं। उसके व्हाट्सएप पर दर्जनों लड़कियों की फोटो मिली हैं, जिन्हें वह ग्राहकों को भेजती थी। उसने पुलिस के सामने कबूल किया कि वह न केवल खुद इस धंधे में शामिल थी, बल्कि डिमांड के अनुसार लड़कियों की सप्लाई भी करती थी।

'पुलिस के चक्कर में फंस गई हूं' : शनिवार को जब वह पति से झगड़ा कर बेगूसराय पहुंची तो उसे अंदाजा नहीं था कि वह सलाखों के पीछे होगी। गिरफ्तारी के बाद उसने अपने दूसरे पति राहुल को फोन कर बताया कि वह पुलिस के चक्कर में फंस गई है। जब राहुल बेगूसराय पहुंचा, तब उसे अपनी पत्नी की असलियत का पता चला।

क्या कहते हैं जानकारः कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार जिस मामले में गिरफ्तारी हुई है, उन धाराओं के तहत दोषियों को 7 से 10 साल तक की कठोर सजा हो सकती है। फिलहाल पुलिस होटल मालिक और इस रैकेट के पीछे की मास्टरमाइंड महिला की तलाश में जुटी है।

विचार-मंथन

संपादकीय

सियासत के फेर में फंसा महिला आरक्षण का हक

किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद सरकार जरूरी समर्थन हासिल नहीं कर सकी। इसमें कोई दोराय नहीं कि विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए सरकार और सभी विपक्षी दलों को एक ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करना चाहिए। मगर यही मुद्दा जब राजनीतिक लाभ उठाने का जरिया बनने लगता है, तब इस पर सवाल उठने लगते हैं। बीते हफ्ते सरकार ने महिला आरक्षण से जुड़ा 131वां संशोधन विधेयक पेश किया, लेकिन जरूरी समर्थन न मिल पाने की वजह से वह लोकसभा में गिर गया।गौरतलब है कि किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद सरकार जरूरी समर्थन हासिल नहीं कर सकी। हालांकि इस बार परिसीमन विधेयक में संशोधन के लिए जिस तरह महिला आरक्षण का मसला भी जुड़ा हुआ था, उसमें इस मुद्दे पर दो-तिहाई सांसदों को अपने पक्ष में खड़ा कर पाना सरकार के लिए मुश्किल था। यानी पहले ही यह माना जा रहा था कि लोकसभा में संशोधन विधेयक पारित कराना मुमकिन नहीं हो पाएगा। इसके बावजूद यह विचित्र है कि सरकार ने इस पर जोर-आजमाइश करने की कोशिश की।दरअसल, इस संशोधन विधेयक का उद्देश्य यह बताया गया था कि इससे लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जा सकेगा। साथ ही, 2026 से पहले की जनगणना के आधार पर राज्यों में सीटों के परिसीमन की इजाजत दी जाएगी और लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़ा कर 850 की जाएगी। मगर चूंकि परिसीमन के साथ उलझे इस मुद्दे पर सरकार को जरूरी संख्या बल का समर्थन नहीं मिल सका, इसलिए अब भाजपा विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान यह आरोप लगाने की कोशिश कर सकती है कि विपक्षी पार्टियां महिलाओं को भागीदारी देने का समर्थन नहीं करतीं। सवाल है कि महिलाओं की विधायिका में आरक्षण से संबंधित जो विधेयक वर्ष 2023 में ही पारित होकर संविधान का हिस्सा बन चुका था, उसे फिर से तब क्यों लाया गया, जब कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। यह बेवजह नहीं है कि इस संशोधन विधेयक को लाए जाने के समय को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।ऐसा लगता है कि इस विधेयक की जटिलता और उसके पारित होने के सामने खड़ी चुनौतियों की तस्वीर चूंकि लगभग साफ थी, इसलिए इसे राज्यों में जारी चुनावी प्रक्रिया के बीच महिलाओं का समर्थन हासिल करने वाले एक अहम मुद्दे के रूप में भी देखा गया। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के नाम संबोधन में भी यह साफ दिखा, जिसमें उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े इस संशोधन विधेयक के पारित न होने के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार बताया।मगर विधेयक में जिस तरह सरकार ने आरक्षण व्यवस्था को नए परिसीमन और लोकसभा के विस्तार के ढांचे से जोड़ कर पेश किया था, उसमें वह किस तरह के समर्थन की उम्मीद कर रही थी। महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ-साथ खासतौर पर परिसीमन के मुद्दे पर तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के राज्यों की जैसी प्रतिक्रिया थी, उसमें विपक्षी दलों के समर्थन या विरोध की तस्वीर एक तरह से पहले से साफ थी। अफसोस की बात है कि जहां विधायिका में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की कवायद पर सबकी सहमति होनी चाहिए थी, वहीं यह सवालों के घेरे में उलझ कर रह गई। जबकि जरूरत इस बात की है कि इस मामले को राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय एक सर्वसम्मत रास्ता निकालने की कोशिश हो।

अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है।

चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच खड़ा बिहार का नया 'सम्राट'

(योगेश कुमार गोयल)

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस 'बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा। सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है। राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था बल्कि राजद के 'माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के 'लव-कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है। मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वह बिहार के लिए एक 'इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के 'विकास' और भाजपा की 'वैचारिक प्रखरता' का संगम हो। अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है लेकिन उन्हें अपनी 'आक्रामक छवि' को अब 'प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अब उनके हर फैसले की तुलना नीतीश कुमार के मानकों से की जाएगी। क्या वह उसी सहजता से महादलितों और अति पिछड़ों के हितों की रक्षा कर पाएंगे? क्या वह शराबबंदी जैसी पेचीदा नीतियों को लेकर जनता के बीच अपना स्पष्ट नजरिया रख पाएंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका उत्तर उनके कार्यकाल के शुरुआती सौ दिन ही तय करेंगे। चुनौतियां केवल बाहर ही नहीं, गठबंधन के भीतर भी हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू के भविष्य और निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में प्रवेश ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। जदयू के भीतर इस बदलाव को लेकर एक दबी हुई छटपटाहट है। सम्राट चौधरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि गठबंधन के सहयोगी दल खुद को उपेक्षित महसूस न करें। साथ ही, उन्हें भाजपा के भीतर भी उन वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना होगा, जो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे रह गए। सम्राट चौधरी पर उनके पुराने विवादों, जैसे कम उम्र में मंत्री पद से हटाए जाने की घटना और उनके शैक्षणिक पहलुओं को लेकर विपक्ष हमलावर रहेगा। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पेशेवर छवि और शुचिता पर उठने वाले सवालों का सामना उन्हें अपनी कार्यशैली से ही करना होगा। बिहार में 2025 का जनादेश एक तरह से 'फेयरवेल मैंडेट' जैसा रहा है, जहां जनता बदलाव की मानसिक तैयारी कर चुकी थी। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना और भाजपा आलाकमान का पूर्ण समर्थन है लेकिन उनकी राह का सबसे बड़ा कांटा 'नीतीश कुमार का औरा' है। भाजपा ने अब तक बिहार में नीतीश कुमार के साये में राजनीति की है, अब उसे अपनी स्वतंत्र इमारत खड़ी करनी है, जिसकी नींव सम्राट चौधरी को रखनी है। यह सफर कांटों भरा है क्योंकि उन्हें न केवल विकास की रफ्तार बनाए रखनी है बल्कि बिहार की उस जटिल सामाजिक संरचना को भी साधे रखना है, जहां जाति की राजनीति कभी खत्म नहीं होती। सम्राट चौधरी की कहानी एक ऐसे संघर्षशील नेता की है, जिसने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में उनकी असली परीक्षा अब शुरू होने जा रही है। क्या वे बिहार को 'बीमारू' छवि से पूर्णतः मुक्त कर 'विकसित बिहार' के संकल्प को सिद्ध कर पाएंगे? यह भविष्य के गर्भ में है मगर फिलहाल बिहार की सत्ता का यह नया 'सम्राट' चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच खड़ा है। सम्राट चौधरी के पास अवसर भी है और चुनौती भी, अब यह उनके नेतृत्व पर निर्भर करेगा कि वे इस अवसर को इतिहास में कैसे दर्ज कराते हैं।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नारी शक्ति नारा मजबूत, लेकिन महिलाओं के जीवन में बदलाव पर अब भी संशय

(तवलीन सिंह)

लोकसभा में जो महिलाएं पहुंची हैं उनमें से आधे से ज्यादा वही हैं जिनको उनके पिता, पति या भाई ने वहां पहुंचाया है। बहुत कम महिलाएं मिलेंगी आपको संसद में जो अपनी राजनीतिक समझ या सामाजिक काम की वजह के लिए चुनी गई हैं। नारी शक्ति की पिछले सप्ताह खूब चर्चा हुई लोकसभा के अंदर और बाहर भी। चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री ने खुद की दिल्ली में महिलाओं को संबोधित करते हुए विशेष सत्र से पहले। अपनी पीठ थपथपाते हुए याद दिलाया कि देश की बेटियों की हर जरूरत पर ध्यान दिया है उनकी नीतियों ने। याद दिलाया कि 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' का नारा उन्होंने दिया था और इस नारे को यथार्थ बनाने के लिए उनकी सरकार ने कई कदम उठाए हैं, जैसे लखपती दीदी और ड्रोन दीदियों को गांवों में बनाना, स्कूलों में मुफ्त सेनेटरी पैड बांटना, बैंकों से कर्ज दिलवाना उन महिलाओं को जिन्होंने कभी बैंक का दरवाजा तक नहीं देखा था और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जो मकान बने हैं उनको परिवार की महिलाओं के नाम करवाना। प्रधानमंत्री ने यह भाषण दिया लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर विशेष सत्र की घोषणा करने से कुछ दिन पहले। मैंने उनका भाषण ध्यान से सुना, इस बात को जांचने के लिए कि इस देश की महिलाओं के लिए उनकी चिंता राजनीतिक है या वास्तव में उनके दिल में महिलाओं के लिए खास जगह है। जब उन्होंने उज्ज्वला योजना का जिक्र किया, तो याद आया मुझे कि मैंने राजस्थान के ऐसे गांवों में महिलाओं को गैस पर खाना पकाते देखा है, जिन गांवों तक सड़क नहीं थी। सो माना जाए कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद परिवर्तन आया है महिलाओं के जीवन में, लेकिन उनकी समस्याएं राजनीतिक कदम उठाने से हल हो जाएंगी, ऐसा मैं नहीं मानती हूं। न ही मानती हूं कि लोकसभा में उनके लिए सीटें आरक्षित करने से इतना कोई खास फर्क आने वाला है। यहां याद दिलाना चाहती हूं आपको कि पंचायतों में आरक्षण है कई सालों से महिलाओं के लिए, लेकिन देहातों में उनका जीवन वैसे का वैसा है जैसे पहले था। इसलिए कि वही महिलाएं चुनाव जीतती हैं जिनको घर के किसी मर्द का सहारा मिलता है। चुनाव जीतने के बाद भी उनके घर के पुरुष ही उनका काम संभालते हैं इसलिए कि अक्सर आज भी ग्रामीण भारत में महिलाएं अशिक्षित या अर्धशिक्षित होती हैं। लोकसभा में जो महिलाएं पहुंची हैं उनमें से आधे से ज्यादा वही हैं जिनको उनके पिता, पति या भाई ने वहां पहुंचाया है। बहुत कम महिलाएं मिलेंगी आपको संसद में जो अपनी राजनीतिक समझ या सामाजिक काम की वजह के लिए चुनी गई हैं। इसलिए मुझे बिल्कुल यकीन नहीं है कि लोकसभा की सीटों में महिलाओं के लिए आरक्षण लाने से इस देश की महिलाओं के जीवन में वे सुधार आने वाले हैं जो जरूरी हैं। माना कि इस्लामी देशों के साथ तुलना की जाए, तो भारत की महिलाओं की स्थिति कहीं बेहतर है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पिछले सप्ताह एलान किया कि हमेशा के लिए लड़कियों को पढ़ने का अधिकार नहीं मिलेगा। ईरान की औरतें शिक्षित हैं, महसा अमीनी को याद कीजिए। इस चौबीस साल की महिला को इतना मारा गया कि उसकी मौत हो गई थी कुछ साल पहले। उसका 'अपराध' यही था कि उसके बाल दिख रहे थे दुपट्टा खिसक जाने की वजह से। उसकी मौत के बाद ईरान में आंदोलन शुरू हुआ था जिसमें महिलाओं ने सरेआम अपने बुर्के उतार कर जलाए थे।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6070

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6069

1	4	2	7	3	9	5	6	8
5	3	9	1	6	8	2	7	4
7	6	8	2	5	4	9	3	1
3	1	4	9	8	6	7	2	5
8	9	5	3	7	2	1	4	6
2	7	6	4	1	5	3	8	9
4	5	3	6	9	7	8	1	2
9	2	7	8	4	1	6	5	3
6	8	1	5	2	3	4	9	7

वर्ग पहेली 6070

1	2	3		4	5	■	6
7			■	8		9	
10		■	11				■
	■	12			■	■	13
14	15	■	16		17	■	
■	18	19		■	20	21	
22			■	23	■		■
■	24			■	25		

संकेत: बाएं से दाएं

1. 31 अगस्त 1919 को इस महान कवियत्री, उपन्यासकार और निंबधकार ने जन्म लिया था (6)
6. अयोध्या के सूर्यवंशीय राजा का नाम जिनकी दूसरीरानी सुमति के गर्भ से 60 हजार पुत्र हुए थे (3)
8. दयालु, कृपालु, मेहरबान (4)
10. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ आरंभिक नाम)(2)
11. कामयाबी, सफल होने का भाव (4)
12. तत्पर, तेयार, उद्यत (3)
14. संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
16. परसों के पहले या आने वाले दिन में (3)
18. अवाम, पब्लिक, रिआया, रैयत (3)
20. धोखा देकर माल, असबाब लूटना (3)
22. मुस्मिल धर्म के मानने वालों का पवित्र ग्रंथ (3)
23. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)
24. घोर ध्वनि करना, बजाना (3)
25. वर के साथ कन्या पक्ष के यहां जाने वालों का समूह (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. गेर बराबरी, विषमता (5)
2. शिकार हेतु गमन, आखेट (3)
3. किसी धातु को पीट और खींचकर बनाया गया तंतु या डोर (2)
4. पक्षपाती, हिमायती (5)
5. यह भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म थी (3)
6. एक प्रश्ववाचक सर्वनाम (2)
9. मातृ, जन्म देने वाली स्त्री (2)
11. बराबरी, तुल्यता, समान होने का भाव (4)
13. 1918 में गणराज्य बने ऑट्रिया देश की यह राजधानी है (3)
15. भेंट,उपहार, सौगात (4)
17. सूखे अदरक, को यह भी कहते है (2)
19. जो रिश्तें में पति की बहन हो (3)
21. फूलों की घनी गुंथी छोटी माला जिसे प्रायः स्त्रियां बालों में संवारने के लिए लगाती है (3)

वर्ग पहेली 6069 का हल

स	ली	म	■	रा	म	बो	ला
ह	मा	म	■	ज	म	ना	■
ना	■	ता	दा	द	■	■	सो
य	दि	■	मा	■	सं	को	च
क	वा	य	द	■	त	ह	■
■	लि	■	■	स	■	रा	न
आ	या	सा	व	न	झू	म	के
स्था	■	थी	■	म	ठ	■	ल

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन अपनी क्षमताओं को साबित करने का है. आपके अटके हुए महत्वपूर्ण मामले अब गति पकड़ेंगे. सितारों की स्थिति संकेत दे रही है कि आपका साहस और पराक्रम चरम पर रहेगा, जिससे कठिन कार्यों के परिणाम भी आपके पक्ष में मुड़ेंगे. परिवार के सदस्य हर मोड़ पर आपके मददगार बने रहेंगे. घर में अनुशासन का वातावरण रहेगा, जिससे व्यवस्था सुधरेगी।

वृष
आज का दिन थोड़ा संयम रखने का है. समय धीरे-धीरे सुधार की ओर बढ़ रहा है, इसलिए जल्दबाजी से बचें. कामकाज की गति सामान्य रहेगी. विदेशी कार्यों में कुछ गति आ सकती है. न्यायिक मामलों में सावधानी बरतें और नियमों के अनुसार ही कार्य करें. आज आपका जोर संबंधों को संवारने पर होना चाहिए. बड़प्पन से काम लें और त्याग व सहयोग की भावना को ऊपर रखें।

मिथुन
आज का दिन नवीनता लेकर आया है. आपकी कार्यशैली और नए तौर-तरीके आस-पास के लोगों को गहराई से प्रभावित करेंगे. करियर और कारोबार में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहेगा. आपको आज कई आकर्षक प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं. प्रबंधन से जुड़े कार्यों में लक्ष्य साधने में सफलता मिलेगी।

तुला
आज भाग्य और कर्म का अद्भुत मेल है. आपके हितों का संरक्षण होगा और आप पेशेवर मामलों में अपनी धाक जमाएंगे.दीर्घकालिक योजनाएं आज आकार ले सकती हैं. आपकी सोच बड़ी रहेगी और आप लाभकारी योजनाओं को आगे बढ़ाएंगे. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और किसी बड़े कार्य की रूपरेखा बनेगी।

वृश्चिक
आज दोपहर के बाद का समय अधिक सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा. बड़ों का आशीर्वाद और सानिध्य आपके मनोबल को बढ़ाएगा. परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे. शोध कार्यों और गहराई वाले विषयों में आपकी रुचि बढ़ेगी. अहंकार और जिद से बचें. अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और किसी भी संकेत को अनदेखा न करें. सहनशीलता बनाए रखना आज जरूरी है।

धनु
आज अपने बौद्धिक कौशल का लाभ मिलेगा. दोपहर तक का समय विशेष कार्यों के लिए उत्तम है. विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है, बौद्धिक प्रयासों में सफलता मिलेगी. संतान की ओर से कोई सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है. आर्थिक मामले आपके पक्ष में रहेंगे. करीबियों और मित्रों का विश्वास जीतने में आप सफल रहेंगे. मनोरंजन और भ्रमण के अवसर भी बन सकते हैं।

कर्क
आज अपने जरूरी कार्यों को दोपहर (लंच) तक पूरा कर लें. इसके बाद सतर्कता बढ़ाने की आवश्यकता होगी. लाभ का प्रतिशत ऊंचा बना रहेगा. आर्थिक उन्नति आपको उत्साहित रखेगी. पेशेवर संपर्क और संवाद आपको नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे. लक्ष्य प्राप्ति में सफलता के संकेत हैं.आपमें आज प्रतिस्पर्धा का भाव रहेगा, जो आपको दूसरों से आगे रखेगा।

सिंह
आज का दिन अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने का है. आप अपने कौशल और प्रबंधन के बल पर कठिन लक्ष्यों को भी आसानी से हासिल कर लेंगे.प्रशासन और शासन से जुड़े कार्यों में तेजी आएगी. उद्योग और व्यापार में सफलता के प्रबल योग हैं. विस्तार की योजनाओं पर आपका फोकस रहेगा. सहकर्मियों और वरिष्ठों का पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्या
आज समय में निरंतर सुधार हो रहा है. दोपहर के बाद परिस्थितियाँ आपके और अधिक अनुकूल हो जाएंगी.आज बिना योजना के काम न करें. एक कार्यसूची बनाएं और नीति-नियमों का पालन करें. नौकरीपेशा लोग अपने सहज प्रदर्शन से सबको प्रभावित करेंगे।

मकर
आज दिन अत्यंत शुभ है. अपने सभी आवश्यक कार्यों को समय रहते निपटा लें. टीम वर्क और साझीदारी में आपको बेहतरीन परिणाम मिलेंगे. उद्योग और वाणिज्यिक कार्यों में पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी. जीवनसाथी को कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है, जिससे घर में खुशहाली आएगी.घनिष्ठ मित्रों और जिम्मेदार लोगों के साथ मिलकर आगे बढ़ें. स्थायित्व के प्रयासों को बल मिलेगा।

कुंभ
आज पूरा ध्यान घर और परिवार पर केंद्रित रहेगा. भवन और वाहन से जुड़े मामले हल हो सकते हैं. परिवार में खुशहाली रहेगी, लेकिन आपको अपने आवेश और अहंकार पर काबू रखना होगा. अपनों की बातों को अनसुना न करें और विनम्रता से पेश आएं. पेशेवर संबंधों को मजबूती मिलेगी और व्यापार में सुधार होगा. किसी बाहरी व्यक्ति के बहकावे में आने से बचें।

मीन
आज का दिन खुशियों और सूचनाओं से भरा रहेगा. सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी. आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है जिससे मन प्रसन्न रहेगा. लोगों के साथ आपका सामंजस्य और सहयोग बना रहेगा.वाणिज्यिक प्रयासों में तेजी आएगी. आप सबको साथ लेकर चलने में सफल रहेंगे. बड़ों का आदर करें, इससे आपके कार्यों में बरकत होगी. पारिवारिक माहौल आनंददायक रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

अविनाश तिवारी ने फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी पर जताई चिंता

अभिनेता अविनाश तिवारी जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नजर आएंगे। आज इस फैमिली एंटरटेनर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। अविनाश का मानना है मौजूदा वक्त में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी है। एक्टर का कहना है कि 'गिन्नी वेड्स सनी 2' जैसी फैमिली एंटरटेनर बनती रहनी चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह की फिल्मों की कमी क्यों है?

संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है

'गिन्नी वेड्स सनी 2' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अविनाश तिवारी से बॉलीवुड में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी के बारे में पूछा गया। इसके पीछे के कारणों पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत अच्छी फिल्में बन रही हैं और जो बन रही हैं वो हम जाकर देख भी रहे हैं और देखना भी चाहिए। लेकिन अगर मैं देखूं तो मुंबई में बहुत सारे प्रवासी हैं। लोग अलग-अलग जगहों से यहां आते हैं, दोस्तों और पार्टनर के साथ बाहर जाते हैं, इसलिए प्रवास के कारण संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है।

अविनाश के घर के बच्चों ने नहीं देखीं उनकी फिल्में

अभिनेता ने यह भी कहा कि टिकट की कीमतें भी हैं और हमने इस बैंडविड्थ में लोगों के लिए फिल्में बनाने के बारे में सोचना बंद कर दिया है। यहां तक कि अपने घर पर भी, मैंने अपनी भाभी से पूछा कि आपने बच्चों को मेरी कौन सी फिल्म दिखाई है। उन्होंने कहा, एक में तो तू पागल हो रहा है (लैला मजनू), एक में चुड़ैल आ गई (बुलबुल) तो ये बच्चे लोगों को कैसे दिखाएं। तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे अपने घर के बच्चे मेरी फिल्में नहीं देख रहे हैं। इसने मुझे काफी प्रभावित किया। मैं भी बहुत दिखावा कर रहा था कि बहुत अलग-अलग काम किए हैं मैंने।

अविनाश ने याद करते हुए बताया कि आखिरी फिल्म जो उन्होंने अपने परिवार के साथ देखी थी वह 2023 में आई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' थी। उन्होंने कहा कि उसके बाद कितना समय हो गया है कोई ऐसी फिल्म आए जिसे परिवार के साथ जाकर देख सकें। मुझे नहीं पता कि हम इस पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं। हम कहते हैं कि टिकट नहीं बिक रहे हैं, लेकिन अगर हम पारिवारिक फिल्म बनाएं, तो पूरा परिवार आने पर छह टिकट बिक जाते हैं। अगर मैं फिल्म बना रहा हूं, तो मैं इस बात पर ध्यान क्यों नहीं देता, यह विचार क्यों नहीं आता, मेरी समझ से बाहर है।

कुछ बुरा लगा तो अपने हिसाब से हैंडल करती हूं

साउथ इंडस्ट्री में रजनीकांत, कमल हासन और नागार्जुन जैसे तमाम सुपरस्टार्स के साथ काम कर चुकी जानी-मानी एक्ट्रेस सिमरन बग्गा ने असल में करियर की शुरुआत बॉलीवुड की 'तेरे मेरे सपने' और 'सनम हरजाई' जैसी फिल्मों से की थी। हालिया समय में वह 'गुलमोहर' और 'रॉकेट्री-द नम्बी इफेक्ट' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्मों और ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री 'टूरिस्ट फैमिली' का अहम हिस्सा रहीं। सिमरन अब जल्द ही सनी देओल की 'गबरू' में नजर आएंगी।

कुछ अरसा पहले साउथ में हेमा कमेटी द्वारा मलयालम इंडस्ट्री में महिलाओं से जुड़ी यौन उत्पीड़न, शोषण, पे पेरिटी और शूटिंग पर बेसिक सुविधाओं जैसे मुद्दों पर खूब विवाद हुआ था। क्या आपको कभी सेट पर इस तरह की किसी समस्या से गुजरना पड़ा है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरी कोई इतनी डिमांड्स ही नहीं होती हैं। मुझे लगता है, सबका अपना - अपना नजरिया होता है। कई लोगों को सेन्सिटिविटी से बातें बुरी लग जाती हैं, तो वो आवाज उठाते हैं। हैं। हर इंसान का समस्याओं को डील करने का तरीका अलग-अलग होता है। जिन -जिन लोगों ने आवाज उठाई, उन्हें जरूर बुरा लगा होगा। उनके साथ वो नहीं होना चाहिए था, जो हुआ। अगर आप मेरे बारे में पूछें, तो अनुभव होते हैं, मगर मैं उन्हें अपने हिसाब से हैंडल करती हूं। मैं बहुत ही साफगो हूं, मैं सीधे जाकर उन लोगों से पूछ लेती हूं कि ऐसा क्यों हुआ? ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं उनको एहसास दिलाती हूं। उसकी जड़ तक जाना मुश्किल है, आप ज्यादा बवाल मचाओगे, तो आपको खुद को हर्ट होगा और सामने वाला और उछलेगा।'

नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्मों का हिस्सा

अपनी बात को जारी रखते हुए कहती हैं, 'मैंने बॉलीवुड में भी काफी काम किया है। मगर साउथ की फिल्में करने के बाद मैंने शादी की और फिर परिवार को भी बैलेंस करना जरूरी था। ओटीटी पर मैंने 'जिद्दी गर्ल' और 'सिटाडेल' जैसे प्रोजेक्ट और 'गुलमोहर' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म भी की। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी जी का साथ मिला। 'रॉकेट्री-द नम्बी' जैसी फिल्म मेरे करियर की एक और उपलब्धि है, जो पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित रॉकेट वैज्ञानिक नंबी नारायणन की जिंदगी पर आधारित है। आर माधवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नम्बी नारायण की भूमिका आर माधवन ने की थी। मैंने फिल्म में मीना नम्बी नारायण का रोल किया था। इन फिल्मों ने हिंदी मनोरंजन जगत में मेरी पहचान पुख्ता की। 'टूरिस्ट फैमिली' भी मेरे दिल में खास जगह रखती है। यह फिल्म ऑस्कर के कन्टेंडर लिस्ट में शामिल थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी धमाल किया था। उम्र और करियर के इस मुकाम पर मैं बहुत खुश हूं कि ओटीटी के आने के बाद एक्ट्रेसेस के लिए किरदार लिखे जाने लगे हैं।

मदरहुड एक खूबसूरत जिम्मेदारी है

सिमरन घर-परिवार और काम को कैसे बैलेंस करती हैं? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे दो बेटे हैं, एक कॉलेज में और छोटा बेटा स्कूल में नाइंथ क्लास में है। मुझे काफी मल्टीटास्किंग करनी पड़ती है। शूटिंग के दौरान फोन के जरिए बच्चों और परिवार के टच में रहती हूं। मेरे परिवार का बहुत बड़ा सपोर्ट है और उनके बगैर कुछ भी संभव नहीं है। मदरहुड को चुनौतीपूर्ण कहूंगी , मगर साथ ही यह काफी खूबसूरत जिम्मेदारी भी है। पूरा दिन काम करने के बाद आपको घर जाने का इंतजार रहता है। घर जाकर आप पहला सवाल करते हैं, बेटा, तूने खाना खाया? कैसा था दिन?' मगर हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि अपनी फैमिली और करियर के बीच संतुलन बनाए रख पा रहे हैं। मैं तो हमेशा काम करना चाहती हूं। मुझे रिटायरमेंट बहुत डरावना लगता है।'

बॉलीवुड और साउथ में काम करने पर बोलीं सिमरन

बॉलीवुड से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सिमरन ने साउथ की हर भाषा में काम किया है। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत बॉलीवुड में 'तेरे मेरे सपने' से की थी। इस फिल्म का , 'ओ लड़की आंख मारे' काफी फेमस हुआ था। उससे पहले मैंने सावन कुमार टाक की 'सनम हरजाई' से डेब्यू किया था। मगर उस फिल्म के बाद मेरा रुख साउथ की तरफ मुड़ गया कर फिर मैं वही सेटल हो गई। अब मेरी आने वाली फिल्म 'गबरू' है और मैं उसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि इसमें मैं सनी देओल के साथ काम कर रही हूं।'

रजनी सर की बहुत बड़ी फैन हूं

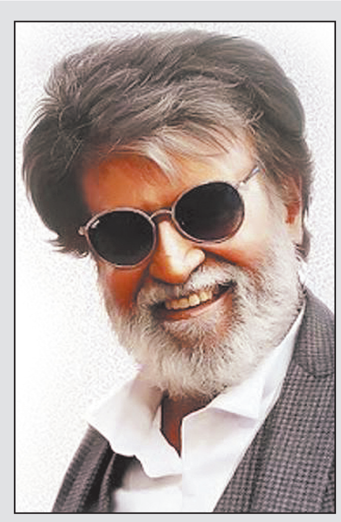

तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम जैसी साउथ की सभी भाषों की फिल्मों में काम कर चुकी सिमरन साउथ के सुपरस्टार्स के साथ अपने काम करने के अनुभव के बारे में कहती हैं, 'मैंने कई स्टार्स के साथ काम किया है, मगर रजनी सर, कमल सर, नागार्जुन सर, जैसे लिविंग लेजेंड्स के साथ काम करके बहुत कुछ सीखा। रजनी सर की सबसे बड़ी फैन हूं। वह सही मायनों में सुपर हीरो हैं। जब ये स्पाइडर मैन, सुपर मैन की फिल्में नहीं आई थी, वह तभी से सुपर हीरोज के एक्ट करते आ रहे हैं। मुझे याद है उनके साथ मेरी शूटिंग का पहला दिन था। आम तौर पर शूटिंग में जब हमारा सीन नहीं होता, तो हम मेकअप रूम या वैनिटी में जाकर बैठ जाते हैं, मगर उनके साथ शूट करते हुए मैं एक कोने में बैठ जाती थी और उनको देखती रहती थी कि वह इतने विनम्र और दयालु कैसे हैं? मैंने सेट पर उन्हें काफी स्टडी किया है।'

सलमान की अगली एक्शन फिल्म में हुई राजपाल यादव की एंट्री

अपनी कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीतने वाले राजपाल यादव बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना पड़ा था। फिलहाल उन पर कर्ज है। इस बीच बीते दिनों एक अवॉर्ड शो में कथित तौर पर उनका मजाक उड़ाया गया था। इसके बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राजपाल यादव को सपोर्ट किया था। भाईजान ने अब राजपाल के प्रति एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अगली फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो गई है। सलमान खान इन दिनों अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के बाद वे निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ एक्शन फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं है। इसमें सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की कास्ट में एक नए नाम के जुड़ने की अटकलें भी हैं। राजपाल यादव को फिल्म में लिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने कथित तौर पर राजपाल यादव को अपनी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में एक अहम किरदार निभाने के लिए साइन किया है। पहले भी साथ काम कर चुके हैं सलमान और राजपाल यादव सलमान की अगली फिल्म को लेकर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजपाल यादव इस फिल्म में सलमान खान के राइट हैंड बने दिखेंगे। कहानी में दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि सलमान, राजपाल को खास तौर पर पसंद करते हैं और उनका मानना है कि इस रोल के लिए राजपाल एकदम सही हैं। बता दें कि राजपाल यादव और सलमान को पहले भी 'मुझसे शादी करोगी' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। अब दोनों को एक बार फिर साथ देखना दिलचस्प होगा। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें कि बीते दिनों एक अवॉर्ड कंट्रोवर्सी के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर राजपाल यादव की खुलकर तारीफ की और अपना समर्थन जताया था। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर किया था और लिखा, 'राजपाल भाई आप 30 साल से काम कर रहे हो और हम सबने आपको रिपीट किया है बार-बार, क्योंकि आप अपना काम जानते हों और एक वैल्यू लाते हो।

'एस्पिरेंट्स' की सफलता पर बोले अभिलाष थपलियाल

लॉकडाउन के दौरान आई सीरीज 'एस्पिरेंट्स' ने पहले ही सीजन से ऑडियंस के बीच जबरदस्त पहचान बना ली थी। 'एसके सर' का किरदार आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। 'अमर उजाला' से खास बातचीत में 'श्वेतकेतु' यानी अभिलाष थपलियाल ने बताया कि 'एस्पिरेंट्स' की सफलता के बाद अब कलाकारों की अपनी-अपनी वैनिटी वैन हो गई है। बातचीत में उन्होंने तापसी पन्नू, अनुराग कश्यप, रेडियो और अपने सफर को लेकर भी कई दिलचस्प बातें साझा कीं।

'मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा हो जाएगा'

जब हम एस्पिरेंट्स का पहला सीजन कर रहे थे, तब मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा चेहरा बन जाएगा। बस इतना पता था कि कहानी बहुत अच्छी है और UPSC की दुनिया पर आधारित है। उस समय यह बिल्कुल नहीं लगा था कि यह सीरीज लोगों के बीच इतनी गहराई से जुड़ जाएगी। हमें तो यह भी नहीं पता था कि शो किस प्लेटफॉर्म पर आएगा। बाद में यह यूट्यूब पर रिलीज हुआ और लॉकडाउन के दौरान लोगों ने इसे खूब देखा। शायद यही वजह रही कि एस्पिरेंट्स धीरे-धीरे लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया। आज भी एयरपोर्ट, कॉलेज या कहीं भी जाऊं, लोग मुझे 'एसके सर' कहकर बुलाते हैं।

'मैं जमीन पर नागिन डांस कर रहा था... और एक सेकंड को लगा कि मैं फिट नहीं हूं'

पहले दिन सेट पर माहौल बहुत हल्का-फुल्का था। मैं तो मस्ती में जमीन पर नागिन डांस कर रहा था और सब हंस रहे थे। लेकिन उसी बीच एक ऐसा मजेदार और थोड़ा टफ मोमेंट भी आया, जो आज भी याद है। नवीन (को स्टार नवीन कस्तूरिया) ने मजाक-मजाक में डायरेक्टर से कहा, 'ये एसके लग नहीं रहा, किसी और को ट्राय करो।' अब वो मजाक था, लेकिन एक पल के लिए मुझे सच में लगा कि यार, कहीं मैं फिट तो नहीं बैठ रहा? ऐसे मोमेंट्स आपको और मेहनत करने के लिए धक्का देते हैं। बाद में वही किरदार लोगों को इतना पसंद आया कि आज सब मुझे 'एसके सर' के नाम से जानते हैं। मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज था अपनी भाषा और लहजे पर काम करना। मुझे एक ऐसे लड़के को निभाना था जो बिहार से है, लेकिन दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहा है। उसमें बैलेंस बनाना था कि वो पूरी तरह देहाती भी न लगे और पूरी तरह शहरी भी नहीं। हमने इस पर काफी मेहनत की। 'सबसे बड़ा बदलाव बस इतना आया कि अब सबकी अपनी-अपनी वैनिटी वैन है'

तापसी बहुत पुरानी दोस्त है... लेकिन...'

तापसी का सपोर्ट मेरे लिए अलग इसलिए था, क्योंकि वो मेरी बहुत पुरानी दोस्त है। हम दोनों जब मुंबई में नए थे, तब से एक-दूसरे को जानते हैं। लेकिन दोस्ती से हटकर भी, एक कलाकार के तौर पर मैं उन्हें बहुत मानता हूं। उन्होंने हमेशा अलग और दमदार काम चुना है। ऑफ स्क्रीन भी वो वैसी ही हैं। बहुत साफ, बहुत सीधी। इंडस्ट्री में अगर मेरे करीबी दोस्तों की बात होगी, तो तापसी उनमें जरूर होंगी। मुझे पता है कि अगर मैं कभी उलझूं, तो वो मुझे घुमा-फिराकर नहीं, सीधी बात ही कहेंगी।

'पहली मुलाकात में ही मैंने कह दिया था कि मैं फिल्म छोड़ देता हूं'

तापसी पन्नू के साथ मेरी पहली ठीक-ठाक मुलाकात भी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। यह 'दिल जंगली' की शूटिंग के दौरान हुआ, जब हम लंदन में थे। उस वक्त मैं नया था, छोटे-छोटे काम कर रहा था, रेडियो और स्केचेज की दुनिया से आ रहा था। तापसी उस फिल्म में भी अपने किरदार को लेकर बहुत सीरियस थीं। वह उन एक्टर्स में से हैं जो अपने रोल के लिए जो भी करना पड़े, वह करती हैं। उस फिल्म के लिए उन्होंने अपने लंबे बाल कटवा लिए थे। अब हुआ ये कि एक दिन वह सामने आईं और अचानक मुझसे पूछने लगीं, 'तुमने देखा? मैंने बाल कटवा लिए, कुछ बोलोगे नहीं?' और फिर न जाने कैसे बात मजाक से बहस में बदल गई। वह मुझे डांटने लगीं, मैं भी पलटकर जवाब देने लगा। कुछ ही देर में हम दोनों एक-दूसरे पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे।

'मुझे भी लंबे समय तक 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते रहे'

हमारी इंडस्ट्री की एक दिक्कत ये है कि वो बहुत जल्दी आपको एक खाने में डाल देती है। ये हीरो है, ये हीरो का दोस्त है, ये विलेन है, ये अमीर है, ये गरीब है... बस फिर उसी हिसाब से रोल आने लगते हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ। शुरुआत में मुझे भी अक्सर 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते थे। दिक्कत रोल से नहीं होती, दिक्कत तब होती है जब लोग मान लेते हैं कि तुम बस इतना ही कर सकते हो। फिर धीरे-धीरे आपको खुद ही समझाना पड़ता है कि नहीं, मैं इससे ज्यादा भी कर सकता हूं। असली लड़ाई वहीं से शुरू होती है। क्योंकि लोग आपको जिस नजर से देखते हैं, जरूरी नहीं कि आप सच में वही हो।

संक्षिप्त समाचार

यीडा की आवासीय भूखंड योजना को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। छह अप्रैल को लांच हुई यीडा की आवासीय भूखंड योजना में अब तक 38 हजार से अधिक लोग पंजीकरण करा चुके हैं। भूखंडों की संख्या के सापेक्ष दस गुना से अधिक लोगों ने योजना में दस प्रतिशत राशि के साथ आवेदन भी कर दिया है। योजना समाप्त होने तक आवेदनों की संख्या में और भी इजाफा होगा। इससे यीडा को राजस्व का ग्राफ बढ़ना तय है। योजना में प्राधिकरण ने 973 भूखंड शामिल किए हैं। यह भूखंड सेक्टर 18, 24 व 15 सी में हैं। इसमें वर्गमीटर से लेकर 290 वर्गमीटर तक के भूखंड शामिल हैं। सबसे

अधिक भूखंड 162 वर्गमीटर व 200 वर्गमीटर श्रेणी में ही है। इसलिए सबसे अधिक आवेदन भी इन दोनों श्रेणी में ही हो रहे हैं। योजना छह मई को समाप्त होगी। प्राधिकरण 18 जून को आवेदकों के नाम की पर्ची निकालकर भूखंडों का आवंटन करेगा। यीडा ने एक अप्रैल से अपनी आवंटन दरों में वृद्धि की है। आवासीय श्रेणी में आवंटन दर 35 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर से बढ़ाकर 36260 रुपये प्रति वर्गमीटर कर दी हैं। इसके बावजूद यीडा की आवासीय भूखंड योजना में आवेदन करने वालों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। आवंटन नीलामी के आधार पर करने की नीति लागू है, इससे दोनों प्राधिकरण में आवासीय संपत्ति आम लोगों की पहुंच से दूर हो चुकी है जबकि यीडा में अभी भी आवासीय संपत्ति का आवंटन लॉटरी से करने की नीति लागू है।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज का जेईई मेन 2026 में शानदार प्रदर्शन

भोपाल। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड भोपाल के छात्रों ने जेईई मेन 2026 में एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत शैक्षणिक तैयारी और निरंतरता को साबित किया है। जेईई मैन 2026 (सेशन 2) में आकाश इंस्टिट्यूट, भोपाल के छात्रों ने उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए। अनुज सिंह ने 99.92 परसेंटाइल के साथ एआइआर 1193 प्राप्त कर भोपाल से टॉप किया। अनुज सिंह के अलावा अन्य टॉप परफॉर्मर्स में तनिष्क सिंघल ने 99.92 परसेंटाइल और अंशिका धाकड़ ने 99.48 परसेंटाइल हासिल किए। इसके साथ ही अन्य कई छात्रों ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा 20 अप्रैल 2026 को जारी किए गए परिणामों के अनुसार, आकाश इंस्टिट्यूट, भोपाल के 3 छात्रों ने जेईई मैन 2026 (सेशन 2) में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर एइएसएल के चीफ एकेडमिक एंड बिजनेस हेड डॉ. एच. आर. राव ने कहा, देशभर में हमारे छात्रों का प्रदर्शन उनकी मेहनत, अनुशासन और आकाश के मजबूत लर्निंग सिस्टम को दर्शाता है। संरचित शैक्षणिक कार्यक्रमों और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के साथ उनके निरंतर प्रयासों ने उन्हें उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने में मदद की है। हम सभी छात्रों को बधाई देते हैं और उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अभ्यास, कड़ी ट्रेनिंग, समय-समय पर मार्गदर्शन और निरंतर मूल्यांकन को दिया। इन सभी ने उन्हें अपनी कमजोरियों को समय रहते पहचानने और लगातार सुधार करने में मदद की। एक सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम, अनुभवी शिक्षकों और नियमित मॉक टेस्ट के माध्यम से उन्होंने अपनी तैयारी को मजबूत किया और परीक्षा के लिए खुद को बेहतर तरीके से तैयार किया। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित जेइइ मैन परीक्षा देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों जैसे NITs, IIITs और अन्य केंद्रीय वित्त पोषित संस्थानों में प्रवेश का माध्यम है।

दो साल में 2.77 वर्ग किलोमीटर तक बढ़ा ग्रीन कवर

अर्थ-डे पर नोएडा से खुशखबरी

नोएडा, एजेंसी। पृथ्वी दिवस के मौके पर नोएडा से पर्यावरण के लिए उत्साहजनक और राहत देने वाली तस्वीर सामने आई है। बीते कुछ वर्षों में सामान्य के मुकाबले वर्षा में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसका सीधा असर शहर की हरियाली और भूजल स्तर पर पड़ा है। बढ़ी हुई बारिश से पौधों की जीवित रहने की दर बेहतर हुई है, साथ ही तापमान में भी आपेक्षाकृत संतुलन देखने को मिला है। बीते दो वर्षों में 2.77 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र का बढ़ना यह दर्शाता है कि योजनाबद्ध प्रयासों से विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन संभव है। इसका सीधा लाभ शहरवासियों को स्वच्छ हवा, कम होते प्रदूषण और अपेक्षाकृत संतुलित तापमान के रूप में मिल रहा है। नियोजित शहर नोएडा की पहचान प्रदेश में अलग है। एक ओर ऊंची-ऊंची इमारतों के कारण इसे कंक्रीट का जंगल कहा जाने लगा, तो दूसरी ओर हरित क्षेत्र के विस्तार ने इसकी छवि को संतुलित किया है। शहरीकरण के दबाव के बीच वन क्षेत्र के साथ-साथ हरित क्षेत्र में भी तेजी से वृद्धि हुई है। यही वजह है कि हरित क्षेत्र के मामले में नोएडा प्रदेश में दूसरे पायदान पर पहुंच गया है। वर्ष 2021 में वन क्षेत्र 20 वर्ग किमी से 2023 में बढ़कर 22.77 वर्ग किमी हो गया। मंत्रालय द्वारा कराए गए फारेस्ट सर्वे आफ इंडिया की रिपोर्ट में यह वृद्धि दर्ज की गई है। वन विभाग के मुताबिक जिले में 1719.356 हेक्टेयर, यानी करीब 17.19 वर्ग किमी वन क्षेत्र है, जो कुल क्षेत्रफल का 1.56 प्रतिशत है। दादरी रेंज के अंतर्गत मुबारिकपुर गांव में 74.73 हेक्टेयर का आरक्षित वन क्षेत्र इस हरियाली की रीढ़ बना हुआ है। नोएडा के मास्टर प्लान में 17 प्रतिशत हरित क्षेत्र निर्धारित है, जिसे प्राधिकरण ने ग्रीन बेल्ट, सड़कों के किनारे पौधारोपण, सेंट्रल वर्ज और पार्क विकसित कर साकार किया है। पिछले आठ वर्षों में गौतमबुद्धनगर में 67.48 लाख पौधे लगाए गए, जिनमें से करीब 80 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। वर्ष 2021 में 8.87 लाख, 2022 में 13 लाख और 2023 में 10.81 लाख पौधे रोपे गए। इसमें आम लोगों की भागीदारी भी लगातार बढ़ी है, जिससे हरियाली का यह अभियान जन आंदोलन बनता जा रहा है।

158 हेक्टेयर के वन क्षेत्र पर खतरा: जेवर के करौली खादर में 158.09 हेक्टेयर वन क्षेत्र मौजूद है, जिस पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे चरण का खतरा मंडरा रहा है। यदि अधिग्रहण होता है, तो हजारों पेड़ों की कटाई संभव है। यह क्षेत्र कुल वन क्षेत्र का 9.19 प्रतिशत है और इसके विकल्प के रूप में नया वन विकसित करने में करीब 10 वर्ष लग सकते हैं।

ग्रेटर नोएडा में 90% जिम और पूल बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे, 80% जिम में नहीं हैं महिला कोच; जल्द चलेगा अभियान

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जिले में स्विमिंग पूल और जिम सेंटर संचालकों की मनमानी लगातार जारी है। विभागीय मानकों की अनदेखी कर ये सुविधाएं बिना पंजीकरण के जारी हैं। इससे सदस्यों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा है। जिले में करीब एक हजार से अधिक जिम और करीब इतने ही स्विमिंग पूल संचालित हो रहे हैं लेकिन इनमें से मात्र पांच से सात प्रतिशत ही पंजीकृत हैं। शेष सभी बिना किसी मानक के अनौपचारिक रूप से चल रहे हैं। नियमों के तहत इनके पंजीकरण अनिवार्य है, जिसमें सुरक्षा उपकरण, योग्य कोच, सीसीटीवी कैमरे और स्वच्छता मानक शामिल हैं, लेकिन ज्यादातर संचालक इनकी परवाह नहीं कर रहे। विभाग की कार्रवाई भी सिर्फ नोटिस जारी करने तक सीमित है। हाल ही में खेल विभाग ने 30 जिम व तरणताल का किया निरीक्षण। जांच में 8 स्थानों पर बिना मानक स्विमिंग पूल और जिम संचालित होते मिले, जिन्हें बंद करा दिया गया, लेकिन व्यापक अभियान की कमी साफ दिख रही है। महिला कोच की अनिवार्यता को लेकर भी बड़ी लापरवाही

सामने आई है। महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर हर जिम और तरणताल में कम से कम एक महिला ट्रेनर या लाइफगार्ड रखना जरूरी है। तरणताल में पुरुष और महिला दोनों लाइफगार्ड की तैनाती अनिवार्य है। इसके बावजूद करीब 80 प्रतिशत केंद्रों में केवल पुरुष कोच हैं। महिलाएं ट्रेनिंग लेने पर असुरक्षित महसूस करती हैं।

जल्द सख्त अभियान चलाने की चेतावनी

जिला प्रभारी क्रीड़ाधिकारी डॉ. परवेज अली का कहना है कि नए वित्तीय वर्ष में एनओसी के लिए महिला कोच अनिवार्य शर्त है। बिना इसके नवीनीकरण नहीं होगा। फिर भी कई संचालक नियम तोड़ रहे हैं। सदस्यों को सलाह है कि केवल पंजीकृत और मानक पूर्ण केंद्रों का ही चुनाव करें। विभाग ने चेतावनी दी है कि जल्द सख्त अभियान चलाया जाएगा, जिसमें बिना पंजीकरण वाले केंद्र बंद किए जा सकते हैं। 'क्रीड़ा विभाग लगातार अभियान चलाकर स्विमिंग पूल और जिम की जांच कर रहा है। अभी तक 18 जिम, 20 स्कूल, 12 होटल और 148 ग्रुप हाउसिंग सोसायटी को जांच के उपरांत एनओसी जारी किया गया है।'

ममता की जागीर नहीं है बंगाल, राहुल गांधी की रैली को नहीं मिली इजाजत; भड़की कांग्रेस

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक पहले राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा, क्योंकि कोलकाता में राहुल गांधी की एक चुनावी रैली को प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं दी गई। कांग्रेस सूत्रों ने आरोप लगाया कि स्थानीय प्रशासन और विशेष रूप से पुलिस पूरी तरह से ममता बनर्जी सरकार के इशारे पर काम कर रही है। पार्टी का कहना है कि उन्होंने अनुमति के लिए शाम 6ः00 बजे तक इंतजार किया। लेकिन इजाजत न मिलने के कारण अंत समय में रैली की तैयारियां करना संभव नहीं रह गया था। कांग्रेस अब 25 या 26 अप्रैल के लिए प्रशासन के सामने एक नया आवेदन और संशोधित कार्यक्रम प्रस्तुत करेगी। पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने दावा किया कि मालदा और मुर्शिदाबाद में राहुल गांधी की रैलियों में उमड़ी भारी भीड़ को देखकर टीएमसी और भाजपा दोनों घबरा गए हैं। इसी बौखलाहट में अब रैलियों के लिए जगह की अनुमति भी नहीं दी जा रही है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़े शब्दों में लिखा- बंगाल ममता बनर्जी या टीएमसी की निजी जागीर नहीं है! राहुल गांधी के चुनाव प्रचार दौरे को रोकना प्रशासन की आड़ में छिपी उनकी राजनीतिक असुरक्षा है। अगर आपका जनादेश इतना मजबूत है, तो एक जनसभा से कैसा डर? बंगाल असली लोकतंत्र का हकदार है, पुलिस द्वारा नियंत्रित राजनीति का नहीं। पश्चिम बंगाल की मंत्री और टीएमसी नेता शशि पांजा ने कांग्रेस के इन आरोपों को खारिज किया और प्रशासनिक नियमों का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू हो चुकी है। ऐसे में राज्य की कार्यवाहक सरकार किसी भी रैली के रद्द होने के लिए जवाबदेह नहीं है। इसका जवाब चुनाव आयोग ही दे सकता है। पांजा ने स्पष्ट किया कि किसी भी जनसभा की अनुमति के लिए चुनाव आयोग के सुविधा पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होता है और यह प्रक्रिया रैली से 2 से 7 दिन पहले पूरी करनी होती है। यह नियम सभी राजनीतिक दलों पर समान रूप से लागू होता है।

फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में 36 घंटे तक नहीं आएगा पानी, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पर जोड़ी जाएगी लाइन

बल्लभगढ़, एजेंसी। एफएमडीए की ओर से रेनीवेल से जुड़ी जलापूर्ति की लाइन नंबर एक को जोड़ने के लिए दो दिन तक काम करेगा। इस दौरान बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर 23 अप्रैल सुबह-नौ बजे से 25 अप्रैल की रात के नौ बजे तक 36 घंटे तक पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। यह शटडाउन सेक्टर-64-65 डिवाइडिंग रोड के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के नजदीक 600 मिमी व्यास की डीआइ पाइप लाइन को जोड़ने के लिए किया जाएगा। एफएमडीए के जलापूर्ति प्रभारी कनिष्ठ अभियंता प्रवीन सिंह ने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के साथ-साथ 600 मिमी डायमीटर की पाइपलाइन बिछाने का कार्य कर रहा है। इसका सेक्टर-64-65 के डिवाइडिंग पर कनेक्शन करने के लिए 36 घंटे तक सेक्टर-22,23, 25, 55, 58, गौंछी, शहीद पार्क, जेसीबी चौक, पंचायत भवन क्षेत्र, जैन कॉलोनी, भीम बाग, सुभाष कॉलोनी, ऊंचा गांव मिल्क प्लांट तथा प्रेम नगर में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। प्रशासन ने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से कहा है कि वह इस अवधि को ध्यान में रखते हुए पहले से ही पानी का जरूरी भंडारण कर लें ताकि किसी तरह की असुविधा पैदा न हो। यदि किसी को परेशानी आती है तो वह इस मामले में कनिष्ठ अभियंता प्रवीन सिंह से संपर्क कर सकते हैं।

बाड़मेर में सड़क किनारे खड़ी स्कूल बस को ट्रक ने मारी टक्कर

बाड़मेर , एजेंसी। राजस्थान के बाड़मेर जिले में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने एक स्कूल बस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक बस को करीब 50 फीट तक घसीटता हुआ ले गया। इस हादसे में बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे बच्चों को गंभीर चोटें आईं।

10 से ज्यादा बच्चे घायल, 5 की हालत गंभीरत्न
हादसे में 10 से अधिक बच्चे घायल हुए हैं, जिनमें 5 बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल बच्चों को बालोतरा के बड़े अस्पताल में रेफर किया गया। डॉक्टरों की टीम घायलों का इलाज कर रही है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सुबह 8 बजे पेट्रोल पंप के पास हुआ हादसा: जानकारी के अनुसार, यह हादसा बायतु थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-25 पर स्थित एक पेट्रोल पंप के पास सुबह करीब 8 बजे हुआ। उस समय सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल की बस गांवों से बच्चों को लेकर बायतु स्थित स्कूल की ओर जा रही थी। बस में कुल 36 बच्चे सवार थे।

टक्कर से बस का पिछला हिस्सा हुआ तबाह: बायतु थानाधिकारी मनोहर विश्नोई ने बताया कि ट्रक ने

बस को पीछे से टक्कर मारी, जिससे बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह टूट गया। बस के पीछे बैठे बच्चों को सबसे ज्यादा चोटें आईं। टक्कर की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बस का ढांचा बुरी तरह मुड़ गया और कई बच्चे उसमें फंस गए।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। बस के क्षतिग्रस्त हिस्से में फंसे बच्चों को निकालने के लिए जेसीबी मशीन की मदद ली गई। काफी मशक्कत के बाद बच्चों को बाहर निकाला गया और एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया।

सिर, हाथ-पैर और दांतों में चोटें: घायल बच्चों में कई के सिर पर गंभीर चोट लगी है, जबकि कुछ बच्चों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर हुआ है। इसके अलावा कुछ बच्चों के दांत भी टूट गए हैं। डॉक्टरों के अनुसार, कुछ बच्चों को अंदरूनी चोटें भी आई हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

ड्राइवर मौके से फरार, पुलिस जांच में जुटी: हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में हो रही एकनाथ शिंदे की तारीफ

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते साल 22 अप्रैल को ही भीषण आतंकी हमला हुआ था। इस हमले में हिंदू पर्यटकों को नाम और मजहब पूछकर मार डाला गया था। पाकिस्तानी आतंकियों की इस कायराना हरकत का जवाब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया था और कई दिनों तक पाकिस्तान के साथ संघर्ष चला था। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान स्थित कई आतंकी ठिकाने तबाह हो गए थे। आज उसी पहलगाम आतंकी हमले की बरसी है और जम्मू-कश्मीर में मारे गए तमाम लोगों के साथ ही सेना के शौर्य को भी याद किया जा रहा है। इस बीच एक और नाम की चर्चा है, वह है महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का। ऐसा इसलिए क्योंकि इस हमले में पर्यटकों की जान बचाते हुए आतंकियों के हमले में एक स्थानीय शख्स सैयद आदिल हुसैन शाह मारा गया था। आदिल की वीरता को नमन करते हुए एकनाथ शिंदे ने उसके परिवार की मदद के लिए हाथ बढ़ाया था। इसीलिए उन्हें याद किया जा रहा है और आदिल का परिवार एकनाथ शिंदे की सराहना करते नहीं थक रहा। इस संबंध में जब मीडिया ने बात की तो आदिल के पिता हैदर शाह ने कहा, हम तो एकनाथ शिंदे के बहुत शुक्रगुजार हैं कि जब 22 अप्रैल 2025 को यह घटना हुई तो उनके सारे लोग हमारे साथ खड़े रहे।

जयपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में यह बयान दिया

नए प्लांट पर आग असंभव; रिफाइनरी जैसे कई मुद्दों पर जमकर गरजे अशोक गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशो गेहलोत ने पचपदरा रिफाइनरी में उद्घाटन से एक दिन पहले लगी आग को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इतनी नई रिफाइनरी में आग लगने का सवाल ही नहीं उठता और इस पूरे मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए। गहलोत ने मंगलवार को जयपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में यह बयान दिया।

नई रिफाइनरी में आग असंभव, कहीं न कहीं चूक: गहलोत ने कहा कि उन्होंने एक ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञ से इस मामले में चर्चा की है, जिसके अनुसार आमतौर पर 20-25 साल पुरानी रिफाइनरियों में इस तरह की घटनाएं होती हैं, लेकिन नई रिफाइनरी में आग लगना बेहद असामान्य है। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है, जिससे स्पष्ट है कि कहीं न कहीं गंभीर चूक हुई है या जल्दबाजी में फैसले लिए गए हैं।

सरकार पर जल्दबाजी और दबाव के आरोप: पूर्व मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि संभव है सरकार पर किसी प्रकार का मनोवैज्ञानिक दबाव रहा हो, जिसके चलते जल्दबाजी में उद्घाटन की तैयारी की गई। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार रिफाइनरी में उत्पादन शुरू करने से पहले सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन जरूरी होता है, लेकिन

यहां उस स्तर की सावधानी नहीं बरती गई होगी। गहलोत ने कहा कि रिफाइनरी से जुड़े वीडियो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सामने आते हैं, ऐसे में इस घटना से देश की छवि पर असर पड़ सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वायरल वीडियो का इस घटना से सीधा संबंध नहीं है, लेकिन फिर भी सरकार को बेहद गंभीरता से जांच करनी चाहिए। गहलोत ने आरोप लगाया कि भाजपा ने असम और पश्चिम बंगाल में अपने हिसाब से परिसीमन किया, जिससे चुनावी परिणाम प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि इसी तरह का मॉडल पूरे देश में लागू करने की योजना थी ताकि सत्ता में बने रहने का रास्ता आसान हो सके। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में भी कुछ भाजपा नेता इसी तरह के परिसीमन की तैयारी में लगे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि यह प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है और इसे गुपचुप तरीके से आगे बढ़ाने की कोशिश हो रही है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना चाहती है, जबकि 2021 की जनगणना अब तक नहीं कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की मंशा साफ नहीं है और जनता अब इन रणनीतियों को समझ चुकी है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा चीन और रूस की तरह चुनाव कराना चाहती है, जहां चुनाव केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। गहलोत ने इसे लोकतंत्र के लिए खतरनाक सोच बताया। गहलोत ने राजस्थान की भजनलाल सरकार पर भी चुनाव नहीं कराने का आरोप लगाया।

श्रमिकों में असंतोष रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी

गाजियाबाद, एजेंसी। औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों में किसी तरह का असंतोष न पनपे, इसके लिए शासन-प्रशासन के साथ ही श्रम विभाग की ओर से निर्देश जारी किए हैं। औद्योगिक इकाइयों को नए वेतनमान की पूरी जानकारी श्रमिकों को देना अनिवार्य कर दिय गया है। औद्योगिक नगरी गाजियाबाद में 40 हजार से अधिक छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां संचालित हो रहीं हैं। यूपीसीडा, जीडीए और निजी विकासकर्ताओं द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रों को मिलाकर यहां करीब 28 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र हैं, जहां करीब डेढ़ लाख से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं। नोएडा में हुए श्रमिक आंदोलन के बाद शासन स्तर से कुशल और अकुशल श्रमिकों के वेतन में बढ़ोतरी की है। अकुशल श्रमिकों का वेतन 11,313 से बढ़ाकर 13,690, अर्धकुशल का 12,445 से बढ़ाकर 15,059, और कुशल का 13,940 से बढ़कर 16,868 कर दिया गया। यह वेतनमान अप्रैल 2026 से लागू किया गया है, जो मई माह में श्रमिकों को बढ़कर मिलेगा।

इसकी जानकारी देने के लिए श्रम विभाग की ओर से उद्यमियों और औद्योगिक संगठनों के साथ ही श्रमिकों को जागरूक किया जा रहा है। श्रम उपायुक्त अनुराग मिश्रा ने बताया कि सभी उद्यमियों को नए वेतनमान के अनुसार श्रमिकों को स्पष्ट जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। आइआइए के मंडल अध्यक्ष राकेश अनेजा ने बताया कि शासनादेश की जानकारी सभी उद्यमियों को है।

14 साल के यागिज़ काआन ने रचा इतिहास

चोरलू तुर्की (एजेंसी)। तुर्की के 14 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी यागिज़ काआन एरदोगमुस ने विश्व शतरंज में इतिहास रचते हुए 2700 एलो रेटिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने पूर्व विश्व चैंपियन वेसलिन टोपालोव को छह मैचों की श्रृंखला में 5-1 से हराकर लाइव रेटिंग 2709.4 तक पहुंचा दी। इस उपलब्धि के साथ वह 2700 क्लब में शामिल होने वाले अब तक के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एरदोगमुस ने यह उपलब्धि 14 वर्ष, 10 महीने और 27 दिन की उम्र में हासिल की, जिससे उन्होंने चीन के वेई यी का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 15 वर्ष, 8 महीने और 27 दिन में यह मुकाम पाया था। इससे पहले अलीरेज़ा फिरोज़ा, डी गुकेश और मैग्नस कार्लसन जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी 16 वर्ष की उम्र के आसपास ही 2700 तक पहुंचे थे।

दिलचस्प बात यह है कि एरदोगमुस ने 16 अप्रैल 2026 को ही लाइव रेटिंग में 2700 का आंकड़ा पार कर लिया था, जब वह सिर्फ 14 वर्ष, 10 महीने और 13 दिन के थे। अब सवाल यह है कि क्या वह दुनिया के टॉप-10 खिलाड़ियों में जगह बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन सकते हैं? फिलहाल यह रिकॉर्ड गाटा काम्स्की के नाम है, जिन्होंने 16 वर्ष और 29 दिन की उम्र में विश्व रैंकिंग में आठवां स्थान हासिल किया था। एरदोगमुस के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए जुलाई 2027 तक का समय है। वर्तमान में वह लाइव रैंकिंग में लगभग 29वें स्थान पर हैं और टॉप-10 में पहुंचने के लिए उन्हें करीब 2755-2760 रेटिंग तक जाना होगा। यानी उन्हें लगभग 45-50 रेटिंग अंकों की और जरूरत है, जो 2700 स्तर पर हासिल करना बेहद कठिन माना जाता है। हालांकि जिस गति से एरदोगमुस आगे बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि वह यह करिश्मा भी कर सकते हैं।विश्व शतरंज में उभरती यह नई प्रतिभा आने वाले समय में खिताबों की दौड़ को और रोमांचक बना सकती है।

आईजीपीएल इनविटेशनल कांगो

शौर्य बिनु का जलवा, 9-अंडर खेलकर लीड पर कब्जा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय युवा गोल्फर शौर्य बिनु ने अफ्रीकन स्विंग में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एएम ग्रीन आईजीपीएल इनविटेशनल कांगो में बढ़त हासिल कर ली है। पहले राउंड में 1-अंडर 72 खेलने के बाद बिनू ने दूसरे राउंड में शानदार 9-अंडर 64 का स्कोर किया और कुल 10-अंडर के साथ लीडरबोर्ड में शीर्ष पर पहुंच गए।

शानदार फॉर्म में हैं बिनू

21 वर्षीय बिनू हाल के हफ्तों में बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने मॉरीशस में सातवां और जोहान्सबर्ग में चौथा स्थान हासिल किया था। पढ़ाई और गोल्फ के बीच संतुलन बनाते हुए उनका यह प्रदर्शन काफी प्रभावशाली माना जा रहा है।

सचिन तेंदुलकर दंतेवाड़ा में आदिवासी बच्चों से मिले

ऑटोग्राफ दिया, पत्नी अंजलि, बेटी सारा और बहू सानिया ने बच्चों संग बिताया समय

जगदलपुर/दंतेवाड़ा (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर बुधवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर थे। वे प्राइवेट जेट से अपने परिवार के साथ जगदलपुर एयरपोर्ट पर उतरे। यहां से वे सीधे दंतेवाड़ा के छिंदनार पहुंचे। जहां आदिवासी बच्चों और खेल में रुचि रखने वाले बच्चों से मुलाकात की। सचिन तेंदुलकर ने जगदलपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से कहा कि दंतेवाड़ा में 50 से ज्यादा खेल मैदान का 5 हजार बच्चों को फायदा मिलेगा। वहीं, कार्यक्रम के लिए स्कूली बच्चे सुबह 9 बजे से पहुंच गए थे। यहां भीषण गर्मी में बच्चों को अलग-अलग गांव से कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। टीचर ने बताया कि एक बस में 100 से ज्यादा बच्चों को बैठाकर लाया गया। जबकि बस 50 सीटर है। जगदलपुर में सचिन ने बच्चों को बल्ले पर ऑटोग्राफ दिया। सचिन को सिहाड़ी बीज की माला पहनाई गई। बेटी सारा और बहू सानिया भी साथ दिखे।

अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें

कार्यक्रम में सचिन तेंदुलकर ने कहा कि हमें पता चला कि बस्तर में बच्चों के लिए ग्राउंड ही नहीं है। मेरी जिंदगी की शुरुआत मैदान से हुई थी। मैं बच्चों को देखता हूं जैसे मेरी जर्नी स्टार्ट हुई, हम मैदान में जाते हैं अच्छे कोच की जरूरत होती है। हमने सोचा था कि हम अपने कोच को यहां भेजेंगे ताकि वे 100 टीचर्स को ट्रेनिंग दें। यहां डायमंड बहुत हैं, बस सही तरीके से पॉलिश करना जरूरी है। यही उम्र है खेलने कूदने की। यही उम्र है दोस्त बनाने की। मैं समझता हूं जो एक सही दोस्त होता है वो आईना दिखता है, परछाई कभी साथ नहीं छोड़ती, इसलिए ऐसे दोस्त रखो जो ऐसे ही बनकर रहे। मेरे पिता ने एडवाइस दी कि क्रिकेट कितने साल चलेगा, मैंने कहा 10 से 15 साल, मेरे पिता ने कहा था उसके बाद क्या? आप अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें।

बच्चों के साथ समय, ग्रामीण जीवन को समझने की कोशिश

परिवार ने बच्चों को खिलौने दिए और उनके साथ समय बिताया। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान जीवनशैली, जरूरतों और समस्याओं को समझने पर खास फोकस रहा। इससे यह दौरा सिर्फ औपचारिक न रहकर जमीनी जुड़ाव का प्रयास नजर आया।

ग्रामीणों की जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी जुटाई

इस दौरान ग्रामीण महिलाओं ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। ग्रामीणों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। तेंदुलकर परिवार ने वनांचल में ग्रामीणों की जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी जुटाई। इस दौरान सारा तेंदुलकर ने एक आदिवासी बच्चे को गोद में लेकर प्यार और दुलार करती हुई भी नज़र आई।

जन स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर डॉक्टरों से चर्चा की

बुधवार सुबह नाश्ते के बाद तीनों गनियारी प्राइमरी हेल्थ सेंटर पहुंचीं। यहां स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया गया और फुलवारी केंद्र का निरीक्षण किया गया। डॉक्टरों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। ग्रामीणों ने बताया कि, गनियारी जन स्वास्थ्य समिति वनांचल के विभिन्न गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य और शिक्षा कार्यक्रम संचालित करती है। तेंदुलकर परिवार ने समिति की तरफ से संचालित फुलवारी केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम बम्हनी में जनस्वास्थ्य उपकेंद्र और बालवाड़ी में वनक्षेत्र के गरीब बच्चों के रहन-सहन और उपस्वास्थ्य केंद्र के संचालन को करीब से देखा। फुलवारी केंद्र में बैगा बच्चों के पोषण और शिक्षा की स्थिति के बारे में जानकारी ली। समिति की चिकित्सकीय टीम ने उन्हें स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में बताया।

सैफ महिला चैंपियनशिप 2026

भारत ग्रुप बी में, बांग्लादेश और मालदीव से होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के लिए ढाका में हुए ड्रॉ के बाद भारतीय महिला फुटबॉल टीम को ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उसका सामना बांग्लादेश और मालदीव से होगा। यह टूर्नामेंट 25 मई से 6 जून 2026 तक गोवा के मडगांव में आयोजित किया जाएगा।

ग्रुप और फॉर्मेट पर एक नजर

टूर्नामेंट में कुल दो ग्रुप बनाए गए हैं। ग्रुप ए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान को शामिल किया गया है, जबकि ग्रुप बी में मेजबान भारत के साथ बांग्लादेश और मालदीव हैं। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी, जिससे मुकाबला और भी रोमांचक होने की उम्मीद है।

गोवा में होगा पूरा टूर्नामेंट

सभी मैच गोवा के मडगांव स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह दूसरी बार है जब भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 2016 में सिलीगुड़ी में आयोजित संस्करण में भारत ने खिताब अपने नाम किया था।

रैंकिंग के आधार पर हुआ ड्रॉ

इस बार ड्रॉ फीफा महिला विश्व रैंकिंग के आधार पर किया गया। भारत (69वें स्थान) और नेपाल (87वें स्थान) को पॉट 1 में रखा गया था। बांग्लादेश और श्रीलंका पॉट 2 में, जबकि भूटान और मालदीव पॉट 3 में शामिल थे।

भारत का दमदार रिकॉर्ड

भारतीय महिला टीम इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है, जिसने 2010, 2012, 2014, 2016 और 2019 में खिताब जीते हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन किया है और 2022 व 2024 के संस्करण अपने नाम किए हैं, जिससे इस बार मुकाबला कड़ा रहने वाला है।

टी20 के कप्तानी की चर्चा के बीच बोले जहीर -

श्रेयस पहले प्लेइंग-11 में जगह तो बनाएं....

मुंबई। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर शानदार फॉर्म में हैं। उनकी कप्तानी में टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और इस सीजन में अब तक अजेय बनी हुई है। पिछले सीजन (2025) में भी उन्होंने टीम को 11 साल बाद फाइनल तक पहुंचाया था। ऐसे में अब अय्यर को लेकर काफी चर्चा शुरू हो चुकी है। उन्हें भारतीय टी20 में वापस बुलाने और सूर्यकुमार यादव की जगह कप्तानी सौंपने को लेकर खूब चर्चा हो रही है। हालांकि, भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान का मानना है कि अय्यर को अभी कप्तानी के बजाय अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि सबसे पहले टीम इंडिया में अपनी जगह मजबूत करना जरूरी है। जहीर खान ने क्रिकबज से कहा, 'सबसे पहले उनके दिमाग में टी20 सेटअप का हिस्सा बनना होगा। कप्तानी के बारे में वह अभी सोच रहे हैं या नहीं, मुझे नहीं पता। वह भविष्य में दावेदार हो सकते हैं, क्योंकि उन्होंने फ्रेंचाइजी टीमों की कप्तानी की है और सफल भी रहे हैं। इसलिए उनके पास वह मानसिकता है।'

टी20 विश्वकप टीम में नहीं थे अय्यर

इसी साल मार्च में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप की विजेता भारतीय टीम में श्रेयस अय्यर शामिल नहीं थे। ऐसे में उनके लिए सबसे बड़ा लक्ष्य अब टीम में वापसी करना है। पंजाब किंग्स ने हाल ही में लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 54 रन से बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में टीम ने 254/7 का विशाल स्कोर बनाया, जो इस सीजन का सबसे बड़ा स्कोर है। इस दौरान प्रियांश आर्य और कूपर कोनोली ने शानदार बल्लेबाजी की। दोनों के बीच 182 रन की साझेदारी हुई, जिसने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।मैच के बाद श्रेयस अय्यर ने अपनी टीम की रणनीति और खिलाड़ियों के आत्मविश्वास पर बात की। उन्होंने कहा, 'शानदार साझेदारी रही, कुछ शॉट्स तो देखने लायक थे। तेज गेंदबाजों के खिलाफ बैकफुट पर सीधे शॉट लगाना कमाल था। मिडिल ओवर्स में संयम शानदार था।'

दिग्गज मुक्केबाज डोप टेस्ट में फेल

करियर पर मंडराया खतरा

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के दिग्गज मुक्केबाज लॉरेंस ओकोली एक बड़े विवाद में फंस गए हैं, क्योंकि टॉनी योका के खिलाफ होने वाली फाइट से पहले उनका डोप टेस्ट पॉजिटिव आया है। यह मुकाबला पेरिस में आयोजित होना था, लेकिन इस खुलासे के बाद इसकी स्थिति पर संशय बन गया है। प्रमोटर क्वीनबेर4 ने इस खबर की पुष्टि की है, जिससे बॉक्सिंग जगत में हलचल मच गई है।

डोप टेस्ट में फेल, करियर पर खतरा - ओकोली का डोप टेस्ट वीएडीए द्वारा किया गया था और रिपोर्ट के बाद उन पर कड़ी कार्रवाई की संभावना है। नियमों के तहत उन्हें चार साल तक के प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता है, यदि वे खुद को निर्दोष साबित नहीं कर पाते। फिलहाल जांच जारी है और सभी की नजर इस मामले के नतीजे पर टिकी हुई है।

ओकोली का बयान और सफाई - इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए ओकोली ने कहा, मैं जांच में पूरा सहयोग करूंगा और मुझे भरोसा है कि सच्चाई सामने आएगी।

अंडरटेकर-केन में भी तो लड़ाई...

हार्दिक से अनबन की खबरों पर बोले क्रुणाल पांड्या

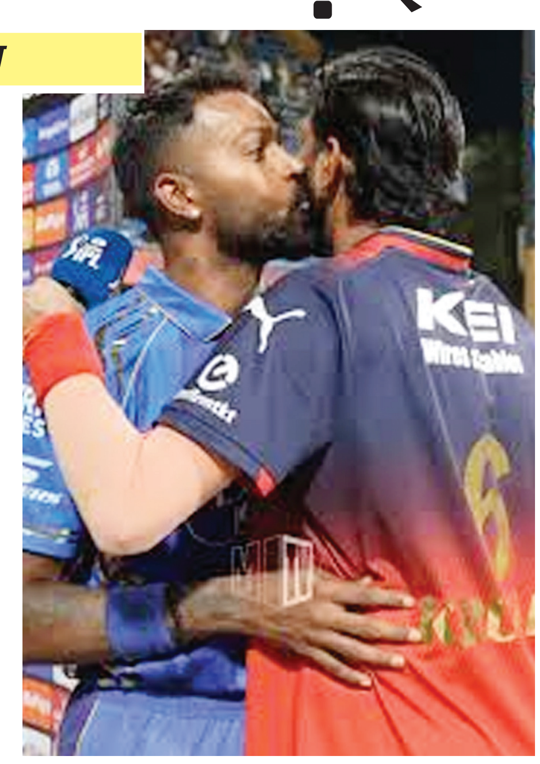

बेंगलुरु। आईपीएल 2026 के दौरान क्रुणाल पांड्या और उनके भाई हार्दिक पांड्या के रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों पर आखिरकार विराम लग गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ऑलराउंडर क्रुणाल ने इन चर्चाओं को मजाक में उड़ाते हुए साफ कर दिया कि दोनों भाइयों के बीच सबकुछ ठीक है। हाल ही में आईपीएल 2026 के एक मुकाबले में आरसीबी और मुंबई इंडियंस आमने-सामने थे, जहां क्रुणाल और हार्दिक एक-दूसरे के खिलाफ खेलते नजर आए। सोशल मीडिया पर दोनों के बीच मुकाबले के कुछ वीडियो वायरल हुए, जिसके बाद फैंस ने उनके रिश्ते को लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए।

क्रुणाल ने हंसी में उड़ाई अफवाह

आरसीबी के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जब होस्ट ने उनसे पूछा, 'क्या सब ठीक है या कोई लड़ाई चल रही है?' तो क्रुणाल हंस पड़े। इस पर होस्ट ने कहा- डब्ल्यूडब्ल्यूई में अंडरटेकर और केन में भी लड़ाई होती है।' इसके बाद होस्ट द्वारा दोबारा पूछे जाने पर क्रुणाल ने साफ कहा, 'सब ठीक है।' उनका यह जवाब काफी स्पष्ट था कि भाइयों के बीच किसी तरह की अनबन नहीं है और सोशल मीडिया पर चल रही बातें सिर्फ अफवाह हैं।

स्लेजिंग विवाद पर भी दी सफाई

इसी बातचीत में क्रुणाल ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के युवा खिलाड़ी मुकुल चौधरी को लेकर उठे 'स्लेजिंग' के आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'लोग कह रहे थे कि मैंने एक युवा खिलाड़ी को स्लेज किया। मैंने ऐसा कुछ नहीं किया। मैंने बस उससे कहा कि तुम बड़े शॉट्स खेल सकते हो, लॉन्ग ऑन या लॉन्ग ऑफ के ऊपर मारो। वह हंस रहा था, यह सिर्फ मजाक था।' क्रुणाल ने यह भी जोड़ा कि उनके हेयरस्टाइल की वजह से लोग उन्हें गंभीर और गुस्सैल समझ लेते हैं, जबकि असल में वह ऐसे नहीं हैं। इस सीजन में क्रुणाल पांड्या आरसीबी के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं।

नहीं देख पाएंगे फुटबॉल विश्व कप! प्रसारण अधिकार अब तक नहीं बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब 50 दिन का समय बचा है। इस बड़े टूर्नामेंट के करीब आते ही दुनिया भर के फुटबॉल फैंस की उत्सुकता बढ़ती जा रही है, लेकिन भारत में एक बड़ा सवाल अब भी अनसुलझा है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा इवेंट के ब्रॉडकास्ट राइट्स यानी प्रसारण अधिकार आखिर अब तक क्यों नहीं बिक पाए हैं?आमतौर पर इतने बड़े टूर्नामेंट के लिए टीवी और डिजिटल अधिकारों को लेकर कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है, लेकिन इस बार हालात थोड़े अलग नजर आ रहे हैं। फीफा विश्व कप का आगाज 11 जून से होने जा रहा है। टूर्नामेंट के इतिहास में इस बार सबसे ज्यादा 48 टीमें हिस्सा लेंगी और यह अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की मेजबानी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट का फाइनल 19 जुलाई को खेला जाएगा।

भारतीय फैंस के लिए चिंता की वजह

भारत में फुटबॉल की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। यूरोपीय लीग्स से लेकर वर्ल्ड कप तक, दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ी है। ऐसे में जब फीफा वर्ल्ड कप जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट

के प्रसारण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, तो यह भारतीय फुटबॉल समुदाय के लिए चिंता का विषय बन गया है। इस स्थिति ने उस दौर की याद भी दिला दी है जब इंडियन सुपर लीग के आयोजन को लेकर भी असमंजस पैदा हो गया था, जिससे देश में फुटबॉल कल्चर को झटका लगा था। अगर इस बार भी ब्रॉडकास्ट डील समय पर नहीं होती, तो यह खेल के प्रचार-प्रसार पर असर डाल सकता है।

आखिर क्यों अटकी हुई है डील?

इस पूरे मामले की जड़ में सबसे बड़ा कारण है ब्रॉडकास्टिंग राइट्स की ऊंची कीमत। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फीफा ने भारत के लिए जो कीमत तय की है, वह स्थानीय ब्रॉडकास्टर्स की अपेक्षाओं से काफी ज्यादा है। फीफा ने ब्रॉडकास्टिंग राइट्स की कीमत में भारी कटौती करते हुए लगभग 100 मिलियन डॉलर से घटाकर करीब 35-40 मिलियन डॉलर कर दिया है, फिर भी कोई भी ब्रॉडकास्टर डील के लिए आगे नहीं आया है। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और जियोस्टार जैसे बड़े खिलाड़ी इस रेस में जरूर हैं, लेकिन वे फिलहाल पीछे हटे हुए हैं। इससे साफ है कि कम रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट , क्रिकेट पर भारी निवेश, जैसी समस्याएं बड़ी बाधा बनी हुई हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
ई-पेपर
www.sonvarshavani.com
sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

भक्ति में डूबा सरैया, महायज्ञ में श्रद्धालुओं का सैलाब

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता। हरिहरगंज पीपरा प्रखंड के सरैया पंचायत स्थित पुनपुन उद्गमस्थल कुंड पर आयोजित मां अष्टभुजी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सह श्री सत्य चंडी महायज्ञ के पांचवें दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालु यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर पूजा-अर्चना में लीन दिखे। सुबह और शाम के समय परिक्रमा में विशेष रूप से भीड़ बढ़ जा रही है। यज्ञ 18 से 24 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान प्रवचन, भजन-कीर्तन और रासलीला कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। धार्मिक माहौल से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना हुआ है। जगतगुरु शंकराचार्य के शिष्य दंडी स्वामी समेत कई संत-महात्माओं का आगमन भी हुआ है, जिनके प्रवचन को सुनने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। सरैया पंचायत की मुखिया सह पुनपुन उद्गम स्थल विकास समिति की आजीवन सदस्य प्रियंका कुमारी ने बताया कि यज्ञ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। भव्य भंडारा एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जा रहा है, जहां रात 12 बजे तक श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जा रहा है। पेयजल सहित अन्य सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था की गई है, यज्ञ को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष डॉ. रविकांत तिवारी, उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव प्रफुल्ल पाठक, संरक्षक नरेश गुप्ता समेत सागर सिंह, जयप्रकाश सिंह, दिनेश सिंह, भीम सिंह और विजय गुप्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर पीपरा थाना प्रभारी बिमल कुमार भी दलबल के साथ यज्ञ स्थल पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि इतने बड़े धार्मिक आयोजन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। लोगों से अपील है कि वे शांति और अनुशासन बनाए रखते हुए आयोजन को सफल बनाएं, उन्होंने कहा यज्ञ स्थल पर उमड़ रही भीड़ और भक्तिमय माहौल से पूरा इलाका आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आ रहा है।

आयुक्त कुमुद सहाय से एसपी कपिल चौधरी की शिष्टाचार भेंट, समन्वय पर जोर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता। पलामू: पलामू जिले में प्रशासनिक समन्वय को और सुदृढ़ करने की दिशा में बुधवार को एक महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जिसमें जिले की कानून-व्यवस्था एवं प्रशासनिक कार्यों को लेकर सार्थक चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान एसपी कपिल चौधरी ने आयुक्त कुमुद सहाय को गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिवादन किया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों के बीच क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण को और प्रभावी बनाने तथा प्रशासनिक कार्यों में गति लाने जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। अधिकारियों ने जिले में बेहतर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आपसी तालमेल और समन्वय को और मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। आयुक्त कुमुद सहाय ने पुलिस प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जनता की सुरक्षा और विश्वास बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिया कि जनसरोकार से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। वहीं एसपी कपिल चौधरी ने भी भरोसा दिलाया कि पलामू पुलिस पूरी तत्परता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही है और आगे भी जनहित में कार्य करती रहेगी। मुलाकात के दौरान विकास कार्यों में विधि-व्यवस्था की भूमिका, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी तथा आम जनता से संवाद बढ़ाने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। दोनों अधिकारियों ने इस बात पर सहमति जताई कि प्रशासन और पुलिस के बीच बेहतर तालमेल से ही क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास संभव है। इस अवसर पर जनहित से जुड़े मुद्दों पर मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करना होगा। यह मुलाकात जिले में प्रशासनिक मजबूती और बेहतर व्यवस्था की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है।

शादी की सालगिरह पर जेएमएम जिला अध्यक्ष को मिलीं शुभकामनाएं, सामाजिक व राजनीतिक हस्तियों ने दी बधाई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता। पलामू : झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के पलामू जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा एवं उनकी धर्मपत्नी रंजू सिन्हा की शादी की सालगिरह के अवसर पर बधाइयों का तांता लगा रहा। इस खास मौके पर पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों तथा क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं और उनके सुखद एवं समृद्ध दांपत्य जीवन की कामना की। शुभचिंतकों ने अपने संदेश में कहा कि राजेंद्र प्रसाद सिन्हा और रंजू सिन्हा का वैवाहिक जीवन प्रेम, विश्वास और आपसी समझ का उत्कृष्ट उदाहरण है। दोनों ने जीवन के विभिन्न पड़ावों पर एक-दूसरे का साथ निभाते हुए समाज के लिए भी प्रेरणादायक भूमिका निभाई है। लोगों ने कामना की कि उनका यह पवित्र संबंध आने वाले वर्षों में और अधिक मजबूत हो तथा उनके जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सफलता निरंतर बनी रहे। इस अवसर पर कई नेताओं ने कहा कि सामाजिक और राजनीतिक जीवन में सक्रिय रहने के बावजूद पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखना एक बड़ी उपलब्धि है, जिसका उदाहरण सिन्हा दंपति प्रस्तुत करते हैं। उनके जीवन से समाज के युवाओं को भी प्रेरणा मिलती है कि पारिवारिक समरसता और आपसी सम्मान किसी भी रिश्ते की मजबूत नींव होते हैं। कार्यकर्ताओं ने भी अपने नेता को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे न केवल एक कुशल राजनेता हैं, बल्कि एक जिम्मेदार पारिवारिक व्यक्ति भी हैं। उनके मार्गदर्शन में पार्टी संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिल रही है। वहीं, इस अवसर पर मिले स्नेह और शुभकामनाओं के लिए जेएमएम जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह प्रेम और सम्मान उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इससे उन्हें समाज एवं संगठन के प्रति और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सभी शुभचिंतकों का धन्यवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शादी की सालगिरह जैसे इस खास अवसर पर मिले व्यापक समर्थन और स्नेह ने यह साबित कर दिया कि राजेंद्र प्रसाद सिन्हा और उनका परिवार न केवल राजनीतिक बल्कि सामाजिक स्तर पर भी लोगों के बीच गहरी पहचान और सम्मान रखते हैं।

पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं बच्चे : राकेश रंजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू पर्यावरण का रक्षा करना हम सभी का धर्म होना चाहिए। बच्चे पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। उक्त बातें पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन ने कही। वे बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस पर सदर मेदिनीनगर प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका प्लस टू विद्यालय में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने स्कूल की बच्चियों को संबोधित करते हुए कहा कि मरुस्थलीकरण के बढ़ते खतरे व गिरते भू- जलस्तर पर सभी को चिंता करनी चाहिए। प्लास्टिक का त्याग कर छोटी-छोटी व बेहतर आदतों से हम धरती को सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बरसात के जल को बचाने से ही मानव जीवन आगे बढ़ पाएगा। ऐसे में जरूरत है कि बच्चियां छुट्टियों में जब भी घर पर जाएं तो अपने आस पड़ोस, माता-पिता व भाई-बहन को पर्यावरण संरक्षण के लिए बताई गई बातों को उन तक रखें। उन्होंने कहा कि पौधे को लगाना और उसे बचाने के लिए जागरूकता जरूरी है। डीएलएसए सचिव ने बाल विवाह व डायन प्रथा को लेकर बच्चियों को जागरूक किया। कहा कि आस- पड़ोस में कहीं भी डायन प्रथा या बाल विवाह की घटना घट रही हो तो उसकी सूचना बीडीओ, डीसी, एसपी व डीएलएसए को सीधे फोन के माध्यम से दे सकते हैं, त्वरित कार्रवाई होगी। मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता वीणा मिश्रा ने कहा कि आज विश्व पृथ्वी दिवस है। पृथ्वी मां के समान है। इस पर किसी तरह की गंदगी नहीं फैलानी चाहिए। किसी के जन्म दिवस पर पेड़ पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने बच्चियों को गुड व बैड टच के बारे में विस्तार से बताया। डायन प्रथा समाप्त करने के लिए बच्चियों को शपथ भी दिलाई। इसके पहले कार्यक्रम का संचालन करते हुए एलएडीसी डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कहा कि पृथ्वी मां के समान है।इन्हें दूषित होने से बचाना सभी का कर्तव्य व धर्म है। पर्यावरण संतुलित रहेगा तभी मानव स्वस्थ रह पाएंगे नहीं तो दिल्ली व मुंबई जैसे शहरों में सांस लेना मुश्किल हो गया है, वैसा ही समस्या हर जगह हो जाएगी। इससे बचने के लिए पेड़ पौधे लगाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार सभी समस्या का समाधान करता है। जिन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है उन योजनाओं का लाभ भी दिलाता है। जो गरीबी रेखा के अंतर्गत है उन्हें कोर्ट में एक रूपए भी फीस नहीं देनी पड़ती है। उन्होंने डालसा से मिलने वाली सुविधाओं को विस्तार से बताया। कहा कि बच्चियां घर पर जाए तो गांव के लोगों को डीएलएसए के बारे में जरूर जागरूक करें। मौके पर बच्चियों ने विश्व पृथ्वी दिवस पर एक से बढ़कर एक पोस्टर का भी निर्माण किया। साथ ही पोस्टर को डीएलएसए के सचिव राकेश रंजन को समर्पित किया। सचिव ने चित्रकला को देख काफी प्रसन्न हुए। साथ ही बच्चों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने बच्चों के बीच निबंध प्रतियोगिता आयोजित कराने पर भी बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की वार्डन प्रीति कुमारी ने किया। मौके पर पीएलभी शैलेंद्र तिवारी, विद्यालय की शिक्षिका वर्षा कुमारी, रूबी कुमारी, मिलिमा देव, रागिनी रंजन, रूपा मेहरा, संधि सुधा, बबीता कुमारी, कल्पना कुमारी, कुमारी, रीति बाला, चंदा, विभा, लेखापाल राजा राम पाल, होम गार्ड प्रियंका, गुडन, गार्ड अजय विश्कर्मा मौजूद थे।

पृथ्वी दिवस पर डॉ. कौशल ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, वृक्षों को बांधी 'वन राखी'

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

छतरपुर, पलामू: विश्व पृथ्वी दिवस के 56वें वर्ष पर छतरपुर अनुमंडल अंतर्गत डाली बाजार पंचायत स्थित कौशल नगर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पर्यावरणविद डॉ. कौशल किशोर जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। हाल ही में 25 दिनों के उपचार के बाद स्वस्थ हुए डॉ. कौशल ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मोहनलाल खुर्जा पार्वती देवी पार्क में कन्या पूजन एवं पौधारोपण के साथ हुई। इस अवसर पर डॉ. कौशल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि "प्रकृति से केवल लेना ही नहीं, बल्कि उसे लौटाना भी सीखना चाहिए।" उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य बताते हुए इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। डॉ. कौशल ने वर्ष 1967 में लगाए गए अपने पुराने वृक्षों पर 'वन राखी' बांधकर एक अनूठा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने संबंधों की रक्षा के लिए राखी बांधते हैं, उसी प्रकार हमें वृक्षों और प्रकृति की रक्षा के लिए भी संकल्प लेना चाहिए। यह पहल 'वन राखी' आंदोलन के रूप में लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करने का प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान करीब 200 ग्रामीणों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर में आयोजित जागरूकता सत्र में डॉ. कौशल ने बढ़ते प्रदूषण, भीषण गर्मी, जल संकट और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं से निपटने के लिए 'पर्यावरण धर्म' के 11 मूल मंत्रों को अपनाना जरूरी है। उन्होंने आधुनिक जीवनशैली और अत्यधिक तकनीकी सुविधाओं के दुष्प्रभावों पर चिंता जताते हुए सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। साथ ही वैश्विक तनाव और युद्ध जैसी स्थितियों को भी पर्यावरण के लिए खतरनाक बताया। कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय लोगों ने डॉ. कौशल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर और यह पार्क क्षेत्र के लिए प्रेरणास्थल बन चुके हैं। मौके पर पूर्व मुखिया अफजाल अंसारी, जुबेर अंसारी, गुलाम गौस, शिवनाथ राम, बाबूराम, सरताज अहमद, लक्ष्मण राम, गुलदन राम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

तुकबेरा रोजवेली विद्यालय में पृथ्वी दिवस पर पौधारोपण व सांस्कृतिक कार्यक्रम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पलामू नावा बाजार: तुकबेरा रोजवेली आवासीय पब्लिक विद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पौधारोपण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने मिलकर पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के डायरेक्टर सह प्रोफेसर सुरेंद्र पांडे ने अपने संबोधन में पृथ्वी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है, जहां जीवन संभव है। उन्होंने कहा कि हमें शुद्ध वायु, जल, भोजन और रहने योग्य वातावरण पृथ्वी से ही प्राप्त होता है, इसलिए इसका संरक्षण करना केवल हमारा कर्तव्य ही नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व की अनिवार्य शर्त भी है। उन्होंने बताया कि विश्व पृथ्वी दिवस की शुरुआत वर्ष 1970 में अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन द्वारा की गई थी। उस समय इसकी व्यापकता का अनुमान नहीं था, लेकिन आज यह एक वैश्विक अभियान बन चुका है और दुनियाभर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। प्रो. पांडे ने वर्तमान समय में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग को मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि तापमान में वृद्धि, जल संकट, वनों की कटाई और जैव विविधता के ह्रास ने जीवन को संकट में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति हमारे असंतुलित विकास और प्रकृति के प्रति लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने भारतीय संविधान के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि अनुच्छेद 48ए के तहत राज्य को पर्यावरण संरक्षण का निर्देश दिया गया है, वहीं अनुच्छेद 51ए (g) के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक का यह मौलिक कर्तव्य है कि वह प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। इस मौके पर शिक्षक जितेंद्र कुमार सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

जेईई मेंस में प्रणय प्रत्यूष का कमाल, 99.15 परसेंटाइल से बढ़ाया मान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पलामू (डाल्टनगंज): राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा 20 अप्रैल 2026 को घोषित जेईई मेंस परीक्षा परिणाम में एम. के. डी. ए.वी. पब्लिक स्कूल, डाल्टनगंज के छात्र प्रणय प्रत्यूष ने 99.15 परसेंटाइल प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल विद्यालय परिवार, बल्कि पूरे पलामू जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। प्रणय प्रत्यूष, कुमार प्रफुल्ल किरण एवं पूनम किरण के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर देश की सबसे कठिन और प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं में शुमार जेईई मेंस में शानदार प्रदर्शन किया। हर वर्ष लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल होते हैं, ऐसे में 99.15 परसेंटाइल हासिल करना बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जहां प्राचार्या इंद्राणी चटर्जी ने प्रणय प्रत्यूष को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उनके अभिभावक भी उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने छात्र की इस सफलता पर गर्व जताते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। प्राचार्या इंद्राणी चटर्जी ने कहा कि विद्यालय में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए शिक्षक निरंतर प्रयासरत रहते हैं। आधुनिक शिक्षण पद्धति, स्मार्ट बोर्ड, तकनीकी संसाधन और नियमित अतिरिक्त कक्षाओं के माध्यम से छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रणय की सफलता इस बात का प्रमाण है कि समर्पित प्रयास और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी छात्र की सफलता में उसकी मेहनत के साथ-साथ शिक्षकों का मार्गदर्शन और अभिभावकों का सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रणय की उपलब्धि इसी सामूहिक प्रयास का परिणाम है, जो अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। विद्यालय के शिक्षकों ने भी प्रणय की इस सफलता पर प्रसन्नता जताई और कहा कि यह उपलब्धि अन्य छात्रों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। सहपाठियों ने भी उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रणय प्रत्यूष की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर मेहनत और सही दिशा में प्रयास करने से सफलता निश्चित रूप से प्राप्त की जा सकती है। विद्यालय प्रबंधन ने आशा जताई है कि प्रणय आगे भी इसी तरह सफलता के नए आयाम स्थापित करते हुए जिले और देश का नाम रोशन करेंगे।

औचक निरीक्षण में सख्ती, लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे का निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हरिहरगंज (पलामू): पलामू जिले में नव पदस्थापित पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने मंगलवार देर शाम हरिहरगंज थाना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना में लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का सख्त निर्देश देते हुए कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने थाना सिरिस्ता में संधारित अभिलेखों एवं जांच से जुड़े दस्तावेजों का गहन अवलोकन किया, जो संतोषजनक पाए गए। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आम जनता से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए तथा फरियादियों के साथ शालीन और संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। कपिल चौधरी ने अपराध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए क्षेत्र में नियमित गश्ती बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रियता और जवाबदेही से ही आम लोगों में सुरक्षा का विश्वास कायम रहता है। इस मौके पर हरिहरगंज पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार, एसआई अजय कुमार सिंह, राकेश सिंह, सुनील कुमार झा, एएसआई भूपेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित थे। एसपी के निरीक्षण से थाना कर्मियों में अनुशासन और कार्य के प्रति सजगता का संदेश गया।

लंबी बीमारी से जूझ रहे 33 वर्षीय आशीष कुमार का निधन, गांव में शोक की लहर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पलामू: जिले के नौडीहा बाजार प्रखंड अंतर्गत बिशुनपुर पंचायत के ग्राम बारा निवासी 33 वर्षीय आशीष कुमार का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके असमय चले जाने से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और माहौल गमगीन हो गया है। परिजनों के अनुसार आशीष कुमार पिछले लगभग 10 वर्षों से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे और लगातार उनका इलाज चल रहा था। बीते दिनों उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची ले जाया गया था, जहां से इलाज कराकर उन्हें उनके पैतृक गांव बारा लाया गया। लेकिन बीती रात उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्होंने अंतिम सांस ली। आशीष कुमार के निधन की खबर मिलते ही गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में उनके पिता राम नरेश राम ने उन्हें मुखाग्नि दी। गांव के लोगों ने इसे समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। अंत्येष्टि के दौरान ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर बिशुनपुर पंचायत के मुखिया जितेंद्र कुमार भारती, उप मुखिया अजय कुमार सिंह, पंचायत समिति सदस्य शत्रुघ्न साव, पत्रकार शनि कुमार, विश्व प्रेम कुमार, विनय कुमार सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य लोग एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। सभी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

खून से सना स्ट्रेचर, कंधों पर मरीज—मेदिनीनगर सदर अस्पताल बना "लापरवाही का अड्डा"

- इलाज से पहले अपमान ! अस्पताल में टूटी व्यवस्था, जिम्मेदारों की चुप्पी ने खोली सिस्टम की पोल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पलामू (मेदिनीनगर): जिस अस्पताल को गरीबों का "जीवन रक्षक" कहा जाता है, वही आज लापरवाही, गंदगी और बदइंतजामी का जीता-जागता नमूना बन चुका है। मेदिनीनगर सदर अस्पताल की जो तस्वीरें सामने आई हैं, वे न सिर्फ चौंकाने वाली हैं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र पर करारा तमाचा भी हैं। यहां मरीजों का इलाज कम, अपमान ज्यादा हो रहा है। अस्पताल परिसर में मरीजों के इस्तेमाल में आने वाला स्ट्रेचर खून और गंदगी से सना हुआ मिला। यह कोई एक दिन की चूक नहीं, बल्कि लगातार जारी लापरवाही की गवाही है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इसे साफ करने की कोई व्यवस्था तक नजर नहीं आती। क्या यही है सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था का स्तर? स्थिति इतनी बदतर है कि मरीजों के लिए व्हीलचेयर तक उपलब्ध नहीं है। जो कुछ हैं भी, वे टूटे-फूटे कबाड़ में तब्दील हो चुके हैं। मजबूरी में परिजन अपने बीमार परिजनों को कंधों पर उठाकर ऑपरेशन थिएटर तक ले जाते नजर आए। यह दृश्य किसी युद्ध क्षेत्र का नहीं, बल्कि एक सरकारी अस्पताल का है—जहां संवेदनशीलता की जगह संवेदनहीनता ने कब्जा जमा लिया है। और जब इस गंभीर लापरवाही पर जवाब मांगा गया, तो जिम्मेदारों ने हाथ खड़े कर दिए। सिविल सर्जन अनिल श्रीवास्तव ने साफ शब्दों में पल्ला झाड़ते हुए कहा कि "एमएमसीएच मेरे अंतर्गत नहीं आता।" यानी समस्या सामने है, लेकिन जिम्मेदारी लेने को कोई तैयार नहीं। अस्पताल अधीक्षक से संपर्क करने की कोशिश भी नाकाम रही—सरकारी नंबर तक जवाब नहीं देता। यह रवैया साफ बताता है कि व्यवस्था सिर्फ कागजों पर चल रही है, जमीन पर नहीं। अब सवाल सीधे और तीखे हैं—क्या मरीजों को इलाज से पहले इस तरह की जिल्लत झेलनी पड़ेगी? क्या बुनियादी सुविधाएं देना भी प्रशासन के लिए बोझ बन चुका है? और सबसे बड़ा सवाल—इस बदहाली का जिम्मेदार आखिर कौन है? हकीकत यह है कि यह सिर्फ एक अस्पताल की कहानी नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की सड़ांध है। सरकार बजट देती है, योजनाएं बनती हैं, लेकिन अस्पताल की हकीकत उन दावों की धज्जियां उड़ाती नजर आती है।

यह महज कुव्यवस्था नहीं, बल्कि "आदत बन चुकी लापरवाही" है। मरीजों को स्ट्रेचर नहीं मिलता। व्हीलचेयर कबाड़ बन चुकी है। परिजन मरीज को कंधों पर ढोने को मजबूर हैं। यह साफ संकेत है कि समस्या संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि जिम्मेदारों की नीयत और प्रबंधन की नाकामी है। अगर अब भी प्रशासन नहीं जागा, तो "जीवन रक्षक" कहे जाने वाले अस्पताल, मौत और अपमान के केंद्र बनते रहेंगे।